

रोटरी

INDIA

www.rotarynewsonline.org

समाचार



Rotary



रोटरी COVID-19 राहत प्रदान करती है



रोटरी क्लब कटुमन्नारकोइल गैलेक्सी, रो ई मंडल 2981 के एक सदस्य, एक आदिवासी परिवार को किराने का सामान और सब्जियाँ देतें हैं।

विषयसूची

12 रोटरी क्लब कलकत्ता: गौरवशाली 100 वर्ष
इस वर्ष रोटरी क्लब कलकत्ता के 100 वर्ष पूरे होने पर अतीत की एक याद।

26 रोटरी क्लब कलकत्ता की परियोजनाएं और प्राथमिकताएं
रोटरी क्लब कलकत्ता के 100वें स्थापना वर्ष पर उसका
ध्यान स्पष्ट रूप से स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं साक्षरता पर है।

32 श्रीलंका अयति ट्रस्ट के माध्यम से
विशेष बच्चों में आशा की किरण जगाता है
रो ई अध्यक्ष मार्क मलोनी ने अयाथि कॉम्प्लेक्स में एक ध्वनिक
केंद्र का उद्घाटन किया जिसका निधीयन रोटरी क्लब कोलंबो
वेस्ट द्वारा किए गए एक TRF वैश्विक अनुदान से हुआ था।

38 मिनी-कोलकाता ने शतवर्षीय
शिखर सम्मेलन में बिखेरा जादू
शताब्दी शिखर सम्मेलन में HoF अत्यंत आकर्षक था
और इसने तीनों दिन अनेक लोगों को आकर्षित किया।

42 जब TRF की मदद से रोटेरियन
चमत्कार का सृजन करते हैं
भारत में वैश्विक अनुदानों पर नवनिर्वाचित
TRF न्यासी प्रमुख के. आर. रविन्द्रन और
न्यासी गुलाम वाहनवती के साथ बातचीत।

48 युवाओं को कृषि-उद्यमी
बनने के लिए कुशल बनाएं
कोलकाता में आयोजित शताब्दी शिखर सम्मेलन
में भारतीय उपराष्ट्रपति के सम्बोधन का सारांश।

62 रोटरी क्लब भावनगर ने अपने अंदाज और
मनोहर ढंग से 75वां जन्मदिन मनाया
क्लब की प्लैटिनम जयंती के उत्सव पर उसकी
प्रतिष्ठित परियोजनाओं की एक रिपोर्ट।

66 महान परियोजनाओं के साथ रोटरी क्लब
मद्रास साउथ ने अपने 60 वर्षों का जश्न मनाया
क्लब के ऐतिहासिक वर्ष में उसकी
प्रमुख परियोजनाओं का स्मरण।



12



32



26



38



42



48

कवर पर: पुरुलिया में एक परियोजना स्थल जहाँ रोटरी
क्लब कलकत्ता, रो ई मंडल 3291, आदिवासी बच्चों के
लिए एक आवासीय विद्यालय का निर्माण कर रहा है।



मार्च अंक शताब्दी शिखर सम्मेलन का आईना है

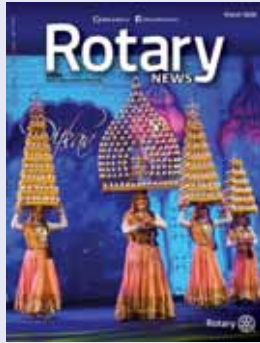
मार्च संस्करण रोटरी नेताओं और उनकी पत्नियों की खूबसूरत तस्वीरों के साथ एक रंगबिरंगे फोटो एल्बम जैसा दिखाई देता है। शताब्दी वर्ष पर संपादक का सन्देश संक्षिप्त है और सुंदर विषय वस्तु पाठकों को कोलकाता में हुए समारोह में मौजूद होने का एहसास देती है।

चिनय किरपाल द्वारा लिखित

लेख *एक शाम लक्ष्मण के नाम* हमें उस महान कार्टूनिस्ट को याद करने का एक मौका देता है जिनके स्केच अमर हैं। RIDN ए एस वेंकटेश द्वारा रोटेरियनों को उनकी पिन पहनने हेतु दिया गया सुझाव वास्तव में बढ़िया है और इसका जितना हो सके उतना अनुपालन किया जाना चाहिए। अन्य लेखों के बीच *रोटरी इंडिया अपने दो रत्नों का सम्मान करती है*, आइये एक अधिक विविध एवं लचीली रोटरी के लिए काम करें: मलोनी, और उदारता का सम्मान जैसे लेख पढ़ने योग्य हैं। बढ़िया काम करना जारी रखें।

फिलिप मुलापोने

रोटरी क्लब त्रिवेन्द्रम सबअर्बन, रो ई मंडल 3211



रशीदा भगत की सम्पादकीय *रोटरी इंडिया ने अपने शताब्दी वर्ष का आगाज़ धूमधाम से किया* रोचक था। यह सच है कि रोटरी कार्यक्रमों को दुनिया में कहीं पर भी उतने रंगीन और भव्य तरीके से आयोजित नहीं किया जाता जैसे कि भारत में किया जाता है।

रो ई निदेशक भरत पांड्या और कमल संघवी के सन्देश सूचनाप्रद थे। कवर स्टोरी *300 मिलियन डॉलर की सेवा परियोजनाओं के साथ रोटरी इंडिया शताब्दी वर्ष का जश्न मना रही है* शानदार है। 100 वंचित महिलाओं को गुलाबी ऑटो दान करने और फिर आर्थिक रूप से सक्षम बनाने हेतु 200 महिलाओं को प्रशिक्षित करने के लिए रो ई मंडल 3232 को बधाई। पोलियो पीड़ितों के लिए नए हल्के वजन वाले कैलीपर्स पर टीम रोटरी न्यूज की रिपोर्ट शानदार थी।

डेनियल चित्तीलापिल्ली

रोटरी क्लब कलूर, रो ई मंडल 3201

लेख *रोटरी इंडिया अपने दो रत्नों का सम्मान करती है* में PRIP राजेन्द्र साबू के विचारों को पढ़ने के बाद रोटरी के लिए मेरे विचार परिवर्तित हो गए। शताब्दी शिखर सम्मेलन से जुड़े सभी लेख और तस्वीरें शानदार हैं एवं पढ़ने में रोचक हैं।

लेख *एक रोटेरियन के निरंतर प्रयास ने एक किशोर को दिया चलने का उपहार* पढ़ने योग्य है और उनके महान प्रयासों के लिए रोटरी क्लब मैसूर मिडटाउन के अध्यक्ष निर्वाचित, ए एन अय्यन को मेरी बधाई। हर माह महान लेखों और तस्वीरों के साथ *रोटरी समाचार* लाने के लिए संपादक रशीदा भगत को दिल से मेरी शुभकामनाएँ।

एम ए अकबर

रोटरी क्लब मयिलादुथुरई किंन्स

रो ई मंडल 2981

रोटरी भारत के शताब्दी समारोह के बारे में सम्पादकीय को पढ़कर मैं खुश हूँ। रो ई अध्यक्ष मार्क मलोनी ने अपने सन्देश में विश्वास जताया कि युवा भविष्य में रोटरी के विकास को बढ़ावा देंगे। वह कहते हैं कि युवाओं के नवाचारों का समर्थन करना हमारा काम है जो रोटरी के विकास

शाबाश रोटरी

रो ई अध्यक्ष मार्क मलोनी द्वारा कोविड-19 महामारी के खतरे की वजह से होनोलुलु, यूएस में जून 6-10, 2020 को होने वाले रोटरी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को रद्द करने हेतु लिए गए साहसिक और मानवीय फैसले की मैं सराहना करता हूँ।

यह कड़ा फैसला सभी के स्वास्थ्य की सुरक्षा हेतु आवश्यक है और इस कदम ने एक परवाह करने वाले मानवीय संगठन के रूप में

रोटरी की सार्वजनिक छवि में वृद्धि की है।

आर मुरली कृष्ण,

रोटरी क्लब बेरहामपुर

रो ई मंडल 3262

फरवरी अंक का लेख *मणिपाल को मिला एक रोटरी स्किन बैंक* सूचनाप्रद है। मणिपाल के कस्तूरबा अस्पताल के एचओडी, डॉ श्रीकुमार से यह जानकारी अच्छा लगा कि 40 प्रतिशत से अधिक जल चुके मरीजों का इलाज दान की गई त्वचा से किया जा सकता है।

दानकर्ताओं की त्वचा को उनकी मृत्यु के छह घंटे के भीतर प्राप्त करना पड़ता है और उसका इस्तेमाल जले हुए क्षेत्र को ढकने और उसे ठीक करने के लिए किया जा सकता है। साथ ही, दानकर्ताओं की त्वचा पांच वर्षों के लिए संसाधित करके संग्रहीत की जा सकती है। यह एक टीआरएफ परियोजना है और इसकी लागत करीब ₹80.45 लाख है।

एन जगथीसन,

रोटरी क्लब एलुरु

रो ई मंडल 3020

फरवरी अंक रो ई निदेशक भरत पांड्या का सन्देश प्रभावशाली है जिसमें वह इस बात पर जोर देते हुए कहते हैं कि सम्मेलनों या सेमीनारों के माध्यम से शांति प्राप्त नहीं की जा सकती बल्कि व्यक्तिगत संबंधों और संघर्ष को खत्म करने के लिए रूबरू होकर काम करने से प्राप्त की जा सकती है। रो ई निदेशक कमल संघवी वैश्विक शांति की आवश्यकता को भी स्वीकार करते हैं।

बेसिक लाइफ सपोर्ट कोर्स समय की मांग है और इसके बारे

में मदद करेगा। रोटेरियन होने के नाते आगामी वर्षों में हमें रोटेरेक्टरों के लिए कुछ करना चाहिए।

रो ई निदेशकों ने रोटेरी वाटर मिशन 2025 पर ध्यान केन्द्रित किया और रो ई निदेशक कमल संघवी अपनी बात उचित रूप से रखते हुए कहते हैं कि “अपनी कमर कस लीजिए, चढ़ाई खड़ी है, मगर चढ़ना जरूरी है।” टीआरएफ के सबसे बड़े व्यक्तिगत दानकर्ताओं - राजश्री बिड़ला और डी रविशंकर - को कोलकाता के शताब्दी शिखर सम्मेलन में सम्मानित किया गया - जयश्री का लेख *उदारता का सम्मान* ने इस सत्र के कुछ दिलचस्प क्षणों को बढ़िया ढंग से कैद किया है।

रोटेरी क्लब राजकोट ने रोटेरी क्लब कैरी किलडेयर, रोई मंडल 7710, यूएस की सहायता से ₹50 लाख की लागत से एक त्वचा बैंक स्थापित की है। ऐसी महान परियोजनाओं पर अच्छे लेखों का दिल से स्वागत है।

एस मुनिआंदी

रोटेरी क्लब डिंडीगुल फोर्ट, रो ई मंडल 3000

RIDN ए एस वेंकटेश द्वारा रोटेरियनों से कहीं भी जाने पर रोटेरी पिन पहनने के लिए की गई गहन

अपील के कारणों की व्याख्या प्रभावशाली है। यह अपील निश्चित तौर पर प्रत्येक रोटेरियन को पिन पहनने एवं संगठन का ब्रांड एंबेसडर बनने के लिए प्रेरित करेगी।

डॉ बी नागलिंगम पिळ्ळई

रोटेरी क्लब नगरकाईल

रो ई मंडल 3212

मुझे मार्च अंक के दो लेख बहुत पसंद आए। लेख *RIPE होलर नेक के साथ साक्षात्कार* में जब होलर नेक से रोई के शीर्ष पद के साक्षात्कार के दौरान उनके द्वारा संभाले गए पद की सूची बनाने के लिए कहा गया तो वह कहते हैं, “मंडल गवर्नर बनने से पूर्व मैंने कोई पद नहीं संभाला, और मंडल नेतृत्व में मेरी कोई नियुक्ति नहीं थी।” लेकिन रोटेरियन यूथ एक्सचेंज कार्यक्रमों में उनके कार्यों के लिए उन्हें जानते थे। यदि किसी आदमी में कौशल हो तो वह सर्वोच्च पद प्राप्त कर सकता है।

दूसरा RIDN ए एस वेंकटेश ने लेख *रोटेरियनों को अपना पिन अवश्य पहनना चाहिए* में यह कहकर एक बढ़िया बात साझा की है कि यदि भारत के सभी रोटेरियन उनके घर के बाहर पिन

पहनते हैं तो वे हमारे ब्रांड एंबेसडर बनते हैं। यह और भी बेहतर होगा यदि दुनियाभर के हमारे सभी सदस्य पिन पहनने का लक्ष्य रखें।

प्रदीप गाँधी

रोटेरी क्लब इचलकरंजी सेंट्रल

रो ई मंडल 3170

हम में से कई लोग जो कोलकाता में शताब्दी सम्मेलन में भाग नहीं ले सके उनके लिए मार्च अंक में किए गए उसके व्यापक कवरेज ने उसे हमारे लिए लगभग जीवंत बना दिया। मोहक तस्वीरें और ग्राफिक लेखों ने पाठकों के लिए पूरे कार्यक्रम का सार निकाल कर रख दिया। जीवन में एक बार होने वाले ऐसे अनोखे कार्यक्रम की इतनी शानदार रिपोर्टिंग करने के लिए मैं संपादक को धन्यवाद देना चाहूँगा। पढ़ते समय, मुझे ऐसा लगा कि मैं उस कार्यक्रम में भाग ले रहा हूँ। रो ई अध्यक्ष मलोनी को रंगीन पगड़ी पहने और गे को साड़ी पहने हुए बॉलीवुड गाने पर नृत्य करते देखना बहुत खुशी की बात है।

वी जी देओधर

रोटेरी क्लब नासिक

रो ई मंडल 3030

में स्कूलों और शिक्षण संस्थानों में पढ़ाया जाना चाहिए जैसा कि डॉ सरिता राव ने लेख *हार्ट अटैक पीड़ितों को बचाने के सरल उपाय* में बताया है। यह दिल का दौरा पड़ने वाले और प्राणघातक बीमारियों से जूझने वाले मरीजों के लिए महत्वपूर्ण है कि उन्हें इलाज हेतु अस्पताल ले जाए जाने से पूर्व सामयिक सहायता प्राप्त हो। यदि संस्थानों में इस कोर्स को कुशलता से पढ़ाया जाता है तो इससे अनेक

कीमती ज़िंदगियों को बचाने में मदद मिलेगी।

रोटेरी क्लब मद्रास द्वारा चेन्नई में झीलों को बहाल करने के लिए एक बहुत ही प्रशंसनीय और सराहनीय प्रयास किया गया है क्योंकि इससे जल को दूषित होने से बचाने में मदद मिलेगी और यह संवहनीय विकास की तरफ भी एक कदम है।

नवीन आर गर्ग,

रोटेरी क्लब सुनाम

रो ई मंडल 3090

रो ई सम्मेलन रद्द



COVID-19 महामारी के खतरे के चलते, रो ई ने 6-10 जून 2020 को होनोलुलु, हवाई, यूएसए में होने वाले वार्षिक सम्मेलन को रद्द कर दिया है, ताकि वहाँ उपस्थित होने वाले व्यक्तियों, रोटेरी स्टाफ, और होनोलुलु समुदाय के स्वास्थ्य और सुरक्षा की रक्षा की जा सके।

अधिक जानकारी के लिए, riconvention.org पर जाएँ।

अपने विचार संपादक को भेजें:

rotarynews@rosaonline.org; rushbhagat@gmail.com

पर ई-मेल करें। हमारी वेबसाइट www.rotarynewsonline.org पर क्लिक करें और Rotary News Plus पर और ज़्यादा परियोजनाएं पढ़ें।



माँ और शिशु के लिए रोटरी देखभाल



साथी रोटेरियनों और रोटरी परिवार के सदस्यों, मैं बहुत सा समय परिवार के बारे में सोचने में व्यतीत करता हूँ, ना सिर्फ अपने परिवार के बारे में या रोटरी के विस्तृत परिवार के बारे में, बल्कि समुदायों के उन परिवारों के बारे में भी जिनकी हम सेवा करते हैं। दुनिया के बहुत से हिस्सों में, माताएँ एवं बच्चे उन चुनौतियों का सामना करते हैं जिसे हम में से बहुत से लोग समझ भी नहीं सकते। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, कम आय वाले देशों में गर्भावस्था या प्रसव के दौरान या संबन्धित कारणों से महिलाओं के मरने का जोखिम उच्च आय वाले देशों में रहने वाली महिलाओं की तुलना में 120 गुना अधिक होता है। यह उत्साहजनक है कि वैश्विक स्तर पर शिशु मृत्यु दर कम हो रही है, फिर भी जीवन के पहले वर्ष के भीतर हर साल 4 मिलियन शिशुओं की मृत्यु हो जाती है।

अप्रैल में, रोटरी ने अपना ध्यान मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य पर केन्द्रित किया। और जब हम इस बारे में सोचते हैं कि हम मदद करने के लिए क्या कर सकते हैं, तो हम प्रेरणा के लिए रोटरी क्लब कालाबर साउथ-सीबी, नाइजीरिया, के रोटरेक्ट क्लब की तरफ देख सकते हैं। इसने केनान सिटी (सीबी) के रोटरेक्ट क्लब के साथ मिलकर एक कार्यक्रम पर ध्यान केन्द्रित किया है जो शिशु मृत्यु दर को रोकने एवं प्रसव के बाद स्वयं के और शिशु के स्वास्थ्य की देखभाल करने पर माताओं को शिक्षित करता है। बांग्लादेश में, रोटरी क्लब ढाका नॉर्थ ऐसी गर्भवती महिलाओं को मुफ्त सर्जियाँ एवं दवाइयाँ उपलब्ध करवाता है जो बच्चे के जन्म से संबन्धित अस्पताल के खर्च को वहन नहीं कर सकती है। मैं आपको और आपके क्लब को ideas.rotary.org पर जाकर ऐसी

परियोजनाओं को देखने के लिए प्रोत्साहित करता हूँ जो माताओं एवं शिशुओं को बचाने में मदद कर रही है।

पिछले दशक में हमने लाखों लोगों - परिवारों एवं पूरे समुदायों - के घरों को संघर्ष, गरीबी, एवं आपदाओं के कारण छिनते देखा है। लेकिन रोटरी वैश्विक शरणार्थी संकट के दौरान डटकर खड़ी रही।

पिछली नवम्बर संयुक्त राष्ट्र में रोटरी दिवस पर, हमने एक रोटरी शांति मित्र एवं पाँच रोटेरियनों को सम्मानित किया जो शरणार्थी समुदायों की मदद करने के लिए कार्य कर रहे हैं। उनमें से एक नाम था रोटरी क्लब मोंटेरे कैनरी रो, कैलिफोर्निया, के इलो केरेंकैक-स्पेन। तुर्की में अनेक तम्बू शिविरों का दौरा करने के बाद, उन्होंने एक रोटरी परियोजना का नेतृत्व किया जिसमें शिविर में रह रहे परिवारों के बच्चों के लिए जूते एवं मौजों के 1,000 जोड़े इकट्ठा किए गए थे और, बाद में, उन्होंने शरणार्थी बच्चों को शिक्षित करने के लिए एक वैश्विक अनुदान परियोजना का भी नेतृत्व किया। मार्च में, गे और मुझे टोरबाली में एक तम्बू शिविर का दौरा करके वहाँ तुर्की एवं कैलिफोर्निया के रोटेरियनों द्वारा सीरियाई शरणार्थियों के लिए किए जा रहे अच्छे कामों को प्रत्यक्ष रूप से देखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

विश्व भर में माताओं, उनके बच्चों एवं शरणार्थी समुदायों द्वारा सामना की जा रही चुनौतियाँ भयभीत कर देने वाली हैं। लेकिन जब हम हमारी सबसे बड़ी ताकत को याद करते हैं - कैसे *रोटरी दुनिया को जोड़ती है* - तो हमें समाधान मिलना शुरू हो जाते हैं। हमारी रचनात्मकता, हमारे संसाधनों, हमारे समर्पण, और हमारे प्रसार के माध्यम से, रोटरी इन चुनौतियों का सामना करने के लिए अवसरों को खोल सकती है और खोलेगी भी।

मार्क डेनियल मलोनी
अध्यक्ष, रोटरी इंटरनेशनल



जब महिलाएं अदृश्य हो जाती हैं ... और नियंत्रण भी करती हैं

मैं

मैक्सिको सिटी में थी और वहां एक आश्चर्यजनक पर रोचक सामूहिक आह्वान देखा जो मैक्सिको के सभी महिला संगठनों द्वारा किया गया था कि इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च) पर वे सार्वजनिक स्थलों से गायब हो जाएंगी - कार्यालय, सार्वजनिक परिवहन, किराने की दुकान, रेस्तरां, शॉपिंग मॉल आदि यानि हर जगह से। ये आह्वान उन्होंने महिलाओं के खिलाफ बढ़ती जा रही हिंसा के विरोध में किया था।

#Metoo आंदोलन के बाद इस विरोध को मील का पत्थर माना गया था, अपने आक्रोश और नैराश्य का प्रदर्शन करने के लिए मैक्सिकन महिलाओं ने विरोध का ये विचित्र तरीका इसलिए चुना क्योंकि उनका मानना था कि महिलाओं के खिलाफ बढ़ती हुई हिंसा के प्रति उनकी सरकार का रवैया उदासीन रहा है। हाल के वर्षों में, मैक्सिको में महिलाओं के खिलाफ हो रहे जघन्य अपराध और वीभत्स हिंसा बहुत ज्यादा बढ़ी थी, जिनमें हत्या और बलात्कार शामिल हैं। हाल ही में, एक 7 साल की लड़की का नग्न शरीर एक पॉलिथीन बैग में मिला था। एक अन्य घटना में, एक महिला की हत्या कर उसकी खाल आंशिक रूप से उतार दी गई थी, कदाचित्त उसके पति द्वारा।

मैक्सिको में करीब 21 मिलियन महिला कर्मी पंजीकृत हैं और ये देखकर अच्छा लगा कि इस प्रयास को सरकारी संगठनों, बैंकों, शैक्षणिक संस्थानों सहित कॉर्पोरेट्स का भरपूर समर्थन मिला... इन सभी ने नारी अधिकारवादी द्वारा मैक्सिकन महिलाओं के लिए बुलाये गए इस आह्वान का सार्वजनिक रूप से समर्थन किया एक दिन के लिए गायब।

जब मैंने इस अनूठे विरोध के बारे में पढ़ा और मैक्सिको में महिलाओं ने अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में किस स्थिति का सामना किया है तो मुझे मैक्सिको और भारत में एक भयावह समानता दिखी। प्रत्यक्षतः मैक्सिको में, जिन महिलाओं की हत्या की जाती है उनमें से एक-चौथाई अपने घर पर ही दम तोड़ देती हैं। पर अफसोस की बात ये है कि, क्या भारत में भी, हम अपने घरों में लड़कियों या महिलाओं को पाशविक हिंसा का शिकार होते हुए नहीं देखते ... चाहे वो कन्या भ्रूण हत्या हो, जो कि हमारे गिरते हुए लिंगानुपात से

स्पष्ट है या दहेज-संबंधी हिंसा, पत्नी से मारपीट इत्यादि। कितनी बार हमने महिला कार्यकर्ताओं या शोधकर्ताओं को, एक के बाद एक सम्मेलन में यह कहते हुए सुना है कि भारतीय घर महिलाओं के लिए सुरक्षित स्थान नहीं है?

फिर भी तसल्ली की बात ये है कि मैक्सिको की तरह ही, भारत में भी महिलाओं ने तय कर लिया है, बस! बहुत हो चुका, अब वे चुप नहीं बैठेंगी। निर्भया बलात्कार मामले ने भारतीय महिलाओं और पुरुषों की सामूहिक संवेदना को बुरी तरह झकझोरा और गुस्से से भरी जनता का आक्रोश विरोध प्रदर्शनों के माध्यम से फूटा जिसकी वजह से आपराधिक और न्याय प्रणाली दोनों तुरंत हरकत में आये, बलात्कार के अपराधियों को गिरफ्तार किया, मुकदमा चला और फांसी पर लटका दिया गया, उसी सुबह, जब मैं यह संपादकीय लिख रही थी।

जिस दिन मैक्सिकन महिलाओं ने गायब होने का फैसला किया, कॉर्पोरेट ऑफिस, रेस्तरां, मॉल आदि सामान्य नहीं लग रहे थे, बल्कि उनकी छायामात्र लग रहे थे, पर महिलायें ये मजबूत संदेश भेजने में कामयाब रही हैं कि महिलाएँ, उनकी गरिमा, उनकी सुरक्षा, उनका जीवन ... ये भी बहुत महत्व रखते हैं।

इस घटना ने मेरी सबसे पसंदीदा कविताओं में से एक की याद ताज़ा कर दी... माया एंजेलो रचित 'फिनोमेनल वुमन'। हां, हम महिलाएं वास्तव में अद्भुत हैं। रोटरी परिवार में ऐसी कई महिलाएं हैं। वे पुरुष रोटेरियनों के साथ कंधे से कंधा मिला कर खड़ी होती हैं, मदद का हाथ बढ़ाती हैं, एक उदार हृदय, करुणा से भरपूर और प्रतिबद्ध कभी-कभी नेतृत्व की भूमिका भी निभाती हैं, ताकि शोषित और सुविधा से वंचित लोगों का जीवन बेहतर हो सके। संकट के इस समय में, जब कोविड-19 ने पूरी दुनिया को अस्त-व्यस्त कर दिया है, किसी भी चीज में जो निश्चय, संयम, नियंत्रण, करुणा और प्रतिबद्धता महिलाएं ला सकती हैं, आज उस की ज़रूरत, पहले से कहीं ज्यादा है।

आप लोगों ने भी अपने घरों में कितनी बार देखा है कि संकट के समय में, वो महिला ही है जो अपनी बुद्धि और विवेक से परिवार को बांधे रखती है? संकट का ये समय भी निकल जाएगा और हम सब, पुरुष और महिलाएं, इस दुर्गम मार्ग पर आगे बढ़ते हुए, बेहतर इन्सान बन कर उभरेंगे।

Reena Singh

रशीदा भगत

Governors Council

RI Dist 2981	DG N Manimaran
RI Dist 2982	DG Natesan A K
RI Dist 3000	DG Dr A Zameer Pasha
RI Dist 3011	DG Suresh Bhasin
RI Dist 3012	DG Deepak Gupta
RI Dist 3020	DG M Veerabhadra Reddy
RI Dist 3030	DG Rajendra Madhukar Bhamre
RI Dist 3040	DG Dhiran Datta
RI Dist 3053	DG Harish Kumar Gaur
RI Dist 3054	DG Bina Ashish Desai
RI Dist 3060	DG Anish Shah
RI Dist 3070	DG Sunil Nagpal
RI Dist 3080	DG Jitendra Dhingra
RI Dist 3090	DG Rajeev Garg
RI Dist 3100	DG Hari Gupta
RI Dist 3110	DG Kishor Katru
RI Dist 3120	DG Sanjay Agrawal
RI Dist 3131	DG Ravee Dhotre
RI Dist 3132	DG Suhas Laxmanrao Vaidya
RI Dist 3141	DG Harjit Singh Talwar
RI Dist 3142	DG Dr Mohan Chandavarkar
RI Dist 3150	DG Pandi Sivannarayana Rao
RI Dist 3160	DG Nayan S Patil
RI Dist 3170	DG Dr Girish R Masurkar
RI Dist 3181	DG Joseph Mathew
RI Dist 3182	DG Ramesh B N
RI Dist 3190	DG Dr Sameer Hariani
RI Dist 3201	DG R Madhav Chandran
RI Dist 3202	DG A Karthikeyan
RI Dist 3211	DG Shirish Kesavan
RI Dist 3212	DG S Sheik Saleem
RI Dist 3231	DG Sridar Balaraman
RI Dist 3232	DG G Chandramohan
RI Dist 3240	DG Dr Debasish Das
RI Dist 3250	DG Gopal Khemka
RI Dist 3261	DG Ranjeet S Saini
RI Dist 3262	DG Debasish Mishra
RI Dist 3291	DG Ajay Agarwal

Printed by P T Prabhakar at Rasi Graphics Pvt Ltd, 40, Peters Road, Royapettah, Chennai - 600 014, India, and published by P T Prabhakar on behalf of Rotary News Trust from Dugar Towers, 3rd Flr, 34, Marshalls Road, Egmore, Chennai 600 008. Editor: Rasheeda Bhagat.

The views expressed by contributors are not necessarily those of the Editor or Trustees of Rotary News Trust (RNT) or Rotary International (RI). No liability can be accepted for any loss arising from editorial or advertisement content. Contributions – original content – is welcome but the Editor reserves the right to edit for clarity or length. Content can be reproduced, but with permission from RNT.

रो ई निदेशकों

सीधी बात



जैसा कि हम जानते हैं कि कोविड-19 महामारी स्वास्थ्य सेवा और सामाजिककरण के लिए नए दृष्टिकोण की विशेष महत्ता को सामने लाई है। सबसे उन्नत देशों में भी स्वास्थ्य सेवा व्यक्तिगत स्वास्थ्य सेवा पर केन्द्रित है। हमें अब सार्वजनिक

स्वास्थ्यसेवा के बारे में सोचना होगा, विशेषकर एक प्रकोप की स्थिति में। महामारी में समस्या उन रोगियों की अधिक संख्या की होती है जो एक ही साथ अस्पतालों में आते हैं। इससे स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। इसके अनुकूल बनना आसान नहीं होता।

एक पूर्ण परिवर्तित दृष्टिकोण की आवश्यकता है। हमें झुशारीरिक फ़ासलॉफ़ का अभ्यास करना होगा ना केवल अभी के लिए बल्कि आने वाले एक लम्बे समय के लिए। और जिस ढंग से हम यात्रा करते हैं वह हमेशा के लिए बदल जाएगा। यह रोटरी क्लबों के कार्य करने के तरीकों और कार्यक्रमों एवं समागम को आयोजित करने के हमारे तरीकों को भी बदल देगा। यह बेमिसाल चुनौतीपूर्ण समय है। लेकिन हमारे जोनों के मंडल और क्लब परिवर्तन को अपनाते हुए अच्छा काम कर रहे हैं। कई मंडल ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं और क्लब जूम पर बैठकें आयोजित कर रहे हैं। रोटरी में युवा पेशेवरों और महिलाओं को आकर्षित करने का यह एक बढ़िया तरीका हो सकता है।

अप्रैल मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य माह है। वैश्विक स्तर पर सबसे ज्यादा महिलाएं और बच्चे बीमारी की बुरी मार झेलते हैं। पांच साल से कम उम्र के बच्चों के सबसे बड़े हत्यारे अतिसार और निमोनिया हैं। कई जगहों पर महिलाओं के लिए स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच की कमी होती है विशेषरूप से गर्भावस्था के दौरान। रोटरी के माध्यम से हम टीके प्रदान करते हैं जो बचपन की बीमारियों से बचाते हैं, हम दीर्घकालिक कुपोषण से संघर्ष कर रहे हैं; और दुनिया के विभिन्न हिस्सों में मातृ स्वास्थ्य के हमारे वीटीटीयों के माध्यम से हम लगातार मातृ मृत्यु दर में कमी ला पा रहे हैं।

प्रत्येक वर्ष दुनियाभर में 300,000 से अधिक माताएं गर्भावस्था और प्रसव के दौरान की समस्याओं की वजह से मृत्यु को प्राप्त हो जाती हैं; इनमें से 30,000 मातृ मृत्यु भारत में हुई है। दुनियाभर में होने वाली कुल मातृ मृत्यु का 10 प्रतिशत हिस्सा भारत में है। प्रसवोत्तर रक्तस्राव, उच्च रक्तचाप जैसे चिकित्सीय कारणों के अलावा अन्य महत्वपूर्ण कारक हैं गैर कानूनी गर्भपात और अनपेक्षित गर्भधारण, विशेषरूप से किशोरियों के मध्य। प्रत्येक 1,000 जन्में बच्चों में से 22 बच्चे एक माह की उम्र तक भी नहीं जी पाते और 31 बच्चे एक साल तक भी नहीं जी पाते। इन सभी को शिक्षा, पोषण, सस्ती स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच, सुरक्षित जल, उचित स्वच्छता और सफाई एवं माँ और बच्चों के लिए सामयिक उपचार सहित एक बहु-आयामी दृष्टिकोण से रोका जा सकता है। रोटरी के माध्यम से हमारे पास इस सन्देश – प्रत्येक माता महत्वपूर्ण है, प्रत्येक बच्चा महत्व रखता है – के साथ दुनिया को वास्तव में जोड़ने का अवसर है। रोटरी का आनंद लें, स्वयं आनंदित रहें।

Bharat

डॉ भरत पांड्या

रो ई निदेशक, 2019-21

का संदेश

उदार रोटेरियन

“When the going gets tough, the tough get going,” एक पुरानी कहावत है।

यह बहुत तनाव और अनिश्चितता का समय है। यह समय ऐसा भी है जब हम जो भी काम कर रहे हैं वह बहुत महत्वपूर्ण है। हम रोटेरियन कोविड-19 के वैश्विक संकट के दौरान एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं और इसके खत्म होने के बाद भी निभाएँगे।

सामाजिक अलगाव को सुनिश्चित करने और इसका समर्थन करने में अपना योगदान दें, इस वायरस से बचने का एकमात्र ज्ञात उपाय केवल यही है। आगामी दिनों में, समुदाय की सेवा करने का हमारा कार्य बहुत महत्वपूर्ण होगा, जो इस संकट की वजह से मासिक, शारीरिक और आर्थिक मार झेल रहा है। मैं क्लबों और रोटेरियनों से आग्रह करता हूँ कि जैसे भी हो आप मदद करें।

मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य

हर साल पांच साल से कम उम्र के अनुमानित 5.9 मिलियन बच्चे कुपोषण, अपर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाएँ, और खराब स्वच्छता के कारण मर जाते हैं - बच्चों को टीकाकरण और एंटीबायोटिक्स प्रदान करके, आवश्यक चिकित्सा सेवाओं तक पहुंचकर, और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को माँ और बच्चे की सहायता हेतु प्रशिक्षण प्रदान करके इन सबसे बचा जा सकता है।

कृपया कमजोर माताओं और बच्चों को उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध करवाएं ताकि वे लंबा जीवन जी सकें और मजबूत रह सकें। यह बार-बार दोहराया जाता है कि महिलाएँ स्वस्थ परिवारों, और अंततः स्वस्थ समुदायों का केंद्र होती हैं, और बच्चे किसी भी राष्ट्र का भविष्य होते हैं।

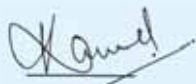
शिशु देखभाल

हाल ही में मैं श्री सत्य साईं संजीवनी अस्पताल में एक ऑपरेशन थिएटर और आईसीयू का उद्घाटन करने के लिए रायपुर में था। जन्मजात दिल की बीमारी से पीड़ित नन्हें बच्चों के दिलों को बचाने हेतु सर्जरी के लिए इस विशाल मानवीय परियोजना में सहायक बनने के लिए मैं रोटरी क्लब रायपुर ग्रेटर के सदस्यों की सराहना करता हूँ। इस संकल्प को निरंतर जारी रखने के लिए मैं पीडीजी हरजीत सिंह हूरा और डीजी रणजीत सैनी को बधाई देता हूँ।

श्री सत्य साईं अस्पताल इन सर्जरी के निःशुल्क करता है और इस महान कार्य में उनकी मदद करने के लिए मैंने मंडल के रोटेरियनों का आह्वान किया है ताकि वह हर बच्चे के लिए ₹25,000 का नकद योगदान करके सर्जरी के आंशिक रूप से प्रायोजित करें। रोटेरियनों ने शानदार प्रतिक्रियाएं दी और 300 से अधिक सर्जरीयों त्वरित रूप से प्रायोजित की गईं। 10 मिनट में ₹75 लाख की एक बड़ी राशि जुटाई गई।

यह ऐसी परियोजनाएं हैं जो दुनिया में अच्छा करने के लिए रोटेरियनों की क्षमता में मेरे विश्वास को मजबूत बनाती हैं।

भगवान अपना आशीर्वाद बनाए रखें।



कमल संघवी

रोई निदेशक, 2019-21



Board of Permanent Trustees & Executive Committee

PRIP Rajendra K Saboo	RI Dist 3080
PRIP Kalyan Banerjee	RI Dist 3060
RIPN Shekhar Mehta	RI Dist 3291
PRID Panduranga Setty	RI Dist 3190
PRID Sushil Gupta	RI Dist 3011
PRID Ashok Mahajan	RI Dist 3141
PRID Yash Pal Das	RI Dist 3080
PRID P T Prabhakar	RI Dist 3232
PRID Dr Manoj D Desai	RI Dist 3060
PRID C Baskar	RI Dist 3000
TRF Trustee Gulam A Vahanvaty	RI Dist 3141
RID Dr Bharat Pandya	RI Dist 3141
RID Kamal Sanghvi	RI Dist 3250

Executive Committee Members (2019-20)

DG Deepak Gupta	RI Dist 3012
Chair – Governors Council	
DG Nayan Patil	RI Dist 3160
Secretary – Governors Council	
DG Dhiran Datta	RI Dist 3040
Secretary – Executive Committee	
DG Ajay Agarwal	RI Dist 3291
Treasurer – Executive Committee	
DG Rajendra Madhukar Bhamre	RI Dist 3030
Member – Advisory Committee	

ROTARY NEWS / ROTARY SAMACHAR

Editor

Rasheeda Bhagat

Senior Assistant Editor

Jaishree Padmanabhan

ROTARY NEWS / ROTARY SAMACHAR

ROTARY NEWS TRUST

3rd Floor, Dugar Towers,
34 Marshalls Road, Egmore
Chennai 600 008, India.

Phone : 044 42145666

e-mail: rotarynews@rosaonline.org

Website: www.rotarynewsonline.org

Now share articles from
rotarynewsonline.org on WhatsApp.

रो ई निदेशकों की तरफ से कोविड-19 का संदेश



डॉ भरत पांड्या



कमल संघवी

प्रिय रोटरी नेतृत्वकर्ताओं,

कोविड-19 महामारी के मद्देनजर और इस बात को ध्यान में रखते हुये कि हमारे रोटेरियनों एवं रोटरी परिवारों का स्वास्थ्य एवं सुरक्षा सर्वोपरि है, यह विवेकपूर्ण एवं अनुशासित है कि रोटरी कार्यक्रमों जिनमें सम्मेलन, प्रशिक्षण कार्यक्रम, अंतर्वर्ती बैठकें, संगोष्ठियाँ और रोटरी बैठकें शामिल हैं, को स्थगित या रद्द किया जाए। जहाँ कहीं भी संभव हो उन्हें ऑनलाइन किया जा सकता है।

रो ई मंडल इसका पूरा समर्थन करता है और स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों एवं सरकार की सलाह एवं निर्देशों को ध्यान में रखते हुये मंडल नेतृत्वकर्ताओं एवं नवनिर्वाचित मंडल नेतृत्वकर्ताओं को इस पर पूर्ण एवं उचित विचार करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

चालू वर्ष के लिए OCV (आधिकारिक क्लब दौरों) को व्यक्तिगत मंडल गवर्नरों की समझदारी से जारी रखा जा सकता है।

पुष्टि किए बिना संदेशों को साझा मत कीजिए। सरकार/स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के निर्देशों और सिफ़ारिशों का पालन कीजिए।

स्वस्थ रहिए, सुरक्षित रहिए।

डॉ भरत पांड्या
रो ई निदेशक, 2019-21

कमल संघवी
रो ई निदेशक, 2019-21

District Wise TRF Contributions as on February 2020

(in US Dollars)

District Number	APF	PolioPlus	Other Restricted	Endowment Fund	Total Contributions	EREY Donors (in numbers)	EREY %
India							
2981	28,997	6,126	0	8,480	43,603	147	3.2
2982	23,858	16,434	161,362	720	202,375	110	3.6
3000	70,877	2,403	178,243	296	251,820	99	1.9
3011	80,877	1,189	113,262	0	195,328	59	1.7
3012	168,404	15,645	213,261	58,986	456,296	147	4.0
3020	32,871	54,247	0	12,029	99,147	114	3.0
3030	2,189	7	1,423	2,000	5,619	7	0.1
3040	8,370	245	8,949	0	17,564	13	0.6
3053	60,860	232	96,782	0	157,873	112	3.9
3054	11,420	408	36,994	0	48,822	32	0.6
3060	55,959	57,014	145,629	21,876	280,478	655	16.2
3070	33,797	705	14,930	0	49,432	170	5.5
3080	51,332	7,435	14,505	1,013	74,286	143	4.2
3090	13,777	1	0	1,000	14,779	34	1.7
3100	25,908	0	0	0	25,908	76	4.0
3110	26,740	1,810	1,045	0	29,594	31	0.8
3120	61,815	141	133,545	0	195,501	144	4.3
3131	169,435	4,179	291,407	43,250	508,271	649	12.4
3132	7,405	359	11,890	30,000	49,655	46	1.2
3141	547,821	14,059	944,853	137,392	1,644,125	728	13.3
3142	123,879	1,944	80,282	17,763	223,868	367	11.3
3150	71,970	6,511	35,504	195,368	309,353	578	16.2
3160	2,366	3,129	0	0	5,495	14	0.5
3170	62,952	6,247	24,986	0	94,185	244	4.4
3181	215,243	13,800	0	0	229,043	430	12.0
3182	76,437	7,606	24,493	0	108,536	300	9.6
3190	132,363	25,582	132,658	0	290,603	547	11.5
3201	45,980	28,812	211,435	31,242	317,469	177	3.3
3202	109,561	56,884	171,458	1,000	338,903	209	4.2
3211	20,829	57	53,322	436	74,644	27	0.6
3212	41,780	19,740	10,081	0	71,601	70	1.7
3231	3,076	1,720	3,083	0	7,879	40	1.1
3232	65,411	62,397	158,047	7,500	293,355	199	3.8
3240	167,298	35,801	33,004	0	236,103	284	9.4
3250	27,099	0	(85)	10,000	37,014	47	1.2
3261	5,261	0	28,670	0	33,931	5	0.2
3262	38,304	3,848	5,507	0	47,659	74	2.2
3291	68,572	3,238	44,159	0	115,969	72	2.0
India Total	2,761,092	459,956	3,384,683	580,350	7,186,081	7,200	4.9
3220 Sri Lanka	58,363	8,057	49,909	1,000	117,329	117	6.0
3271 Pakistan	3,401	8,167	20	0	11,588	10	0.7
3272 Pakistan	10,858	992	300	0	12,150	42	2.5
3281 Bangladesh	99,667	4,300	126,600	6,000	236,566	248	4.4
3282 Bangladesh	31,532	14,977	(5,198)	2,000	43,312	70	1.5
3292 Nepal	159,723	13,540	440,892	0	614,155	298	6.4
South Asia Total	3,124,636	509,989	3,997,206	589,350	8,221,181	7,985	4.8
World Total	77,458,812	20,591,478	16,737,344	27,962,529	142,750,164		

Source: RI South Asia Office

रोटरी क्लब कलकत्ता: गौरवशाली 100 वर्ष

रशीदा भगत

इस क्लब का अपना एक खानदान है, वंशावली है और एक धवल अतीत है जो शायद दुनिया के किसी भी रोटरी क्लब का नहीं होगा। क्या आप जानते हैं कि मंडल 3291 से रोटरी क्लब ऑफ कलकत्ता, इस वर्ष 100 साल पूरे कर रहा है, इस क्लब ने हुगली नदी पर हावड़ा ब्रिज का निर्माण करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी? इतना ही नहीं, इस क्लब के एक सदस्य, पुल के रखरखाव के लिए बनाई गई सरकारी समिति में काफी लंबे समय तक रहे थे।

इस क्लब को महात्मा गांधी जैसी बड़ी हस्ती द्वारा संबोधित किए जाने का सम्मान हासिल है, हालांकि उनका पूरा भाषण तो ठीक से याद नहीं पर एक टिप्पणी है जिस का हवाला अक्सर दिया जाता है। जाहिर है कलकत्ता के सभी बड़ा साहिब इस प्रतिष्ठित क्लब के सदस्य थे, उन्होंने गांधी जी के सम्मान में अपनी लंच मीटिंग को पूरी तरह से शाकाहारी रखने पर सहमति दे दी थी। और महात्मा ने कहा (निस्संदेह मुस्कराते हुए), मैं देख रहा हूँ कि आज रोटेरियन एक बंगाली विधवा की तरह भोजन कर रहे हैं।

इसके साथ ही, पूर्व अध्यक्ष रिचिक गुप्ता ने रोटरी न्यूज को बताया, मदर टेरेसा की मृत्यु के बाद भी एक अमेरिकी महिला, जो मेरे खयाल से एक रोटेरियन की पत्नी थी, उस ने मिशनरीज ऑफ चैरिटी को एक मिलियन डॉलर का दान दिया था, लगातार दो वर्ष तक 500,000 डॉलर के चेक दिए थे और जोर देकर कहा था कि मिशनरीज को ये चेक रो क्लब कलकत्ता ही सौंपे। बाद में, इस चैरिटी की प्रमुख सिस्टर निर्मला ने कहा कि दान में हमें अन्य



स्रोतों से भी पर्याप्त धन राशि मिल रही है, इसलिए कृपया इस महिला को अन्य जगहों पर भी चैरिटी में पैसे देने के लिए कहें।

पूरे भारत में रोटरी हमारे देश में रोटरी के शताब्दी वर्ष का जश्न मनाने का जोश और उत्साह नज़र आ रहा है, नव वर्ष की पूर्व संध्या पर मनाए जाने वाले जश्न में संगीत, नृत्य, भोजन और मस्ती चारों तरफ बिखरी हुई है। मैं क्लब के कुछ प्रतिष्ठित पूर्व अध्यक्षों जैसे कि गुप्ता, PDG प्रभात रोहतगी, डॉ वी के शर्मा, नीलिमा जोशी, और निश्चित ही

वर्तमान क्लब अध्यक्ष पूर्णदु रॉय चौधरी से किसी तरह से बात चीत पाती कर पाती हूँ।

यही वो क्लब है जिसे भारत से पहले रो इ अध्यक्ष नीतीश लाहिड़ी को भेजने का गौरव प्राप्त है, जो 1926 की शुरुआत में सदस्य बने और एक साल के अंदर ही इसके पहले भारतीय सचिव बने थे। क्लब के इतिहास की पुस्तक में उन्हें एक शांत और शर्मिले युवक के रूप में वर्णित किया गया है, जो रोटरी में आते ही पूर्णतः संलग्न हो गए थे और अपने रोटेरियन होने के शुरू के दो वर्षों के दौरान एक सचिव होने

जस तरह से ग्रामीण लोग हम रोटेरियन की सहायता को स्वीकार करते हैं उससे मालूम चलता है कि वो इसे कितना महत्त्व देते हैं। ... एक कंबल ही उनके लिए बहुत बड़ी बात थी।

अमित घोष

क्लब के सदस्य



के साथ साथ, उन्होंने रोटरी शिक्षा समिति का गठन किया, क्लब लाइब्रेरी बनाई और क्लब बुलेटिन द चाका का सम्पादन किया।

क्लब के सदस्य अमित घोष की कार में हवाई अड्डे से एक क्लब प्रोजेक्ट का उद्घाटन करने जाते हुए- उन्होंने बताया किस तरह रोटरी उनके खून में घुल गई है - एक स्थानीय अस्पताल में, नियत समय से पहले जन्म लेने वाले बच्चों में अंधेपन को रोकने के लिए ₹25 लाख का कैमरा उपहार में दिया है। करीब चार साल पहले, टाटा कंपनी में वित्त विभाग का प्रमुख रहते हुए, मैं अपनी टाटा स्टील के पद की वजह से, इस्पात मंत्रालय के संयुक्त सचिव के कमरे में सीधे जा सकता था, कह सकता था कि मैं किसी सब्सिडी के लिए बात करने आया हूँ। लेकिन सुंदरबन के एक गाँव में जाकर स्कूली बच्चों को डिक्शनरी दे कर मेरी आँखें खुल गई कि लोग ऐसे ज़िंदगी भी गुजारते हैं और ये समझा कि दुनिया में सब कुछ दिल्ली के नॉर्थ ब्लॉक या मुंबई के किसी हाई-फाई बैंक तक ही सीमित नहीं है।

उस एकमात्र घटना ने टाटा समूह की विभिन्न कंपनियों में CFO पद पर रह चुके उस व्यक्ति को वास्तविक भारत से अवगत कराया और एक

रोटरी क्लब कलकत्ता के अध्यक्ष पूर्णदु रॉय चौधरी (चर्म बाएं) और शताब्दी समिति के अध्यक्ष सौमेन रे (दाएं) पुरलिया में संस्थाली के आदिवासी बच्चों के साथ। 400 युवा छात्रों को समायोजित करने के लिए क्लब द्वारा यहां एक बोर्डिंग स्कूल बनाया जा रहा है।



1 जनवरी, 2020 को क्लब के चार्टर दिवस समारोह में RID भारत पांड्या और माधवी

RLI का प्रारंभ

रो क्लब कलकत्ता के जीवित सदस्यों में सबसे वरिष्ठ, 86 वर्षीय PDG प्रभात के रोहतगी, जिन्होंने रो क्लब कलकत्ता के 100 वें चार्टर दिवस की पूर्व संध्या पर सेंटिनियल बैल प्रायोजित की है, मुझे क्लब के अतीत में लिए चलते हैं।

वह 1998-99 में डीजी बने थे; वास्तव में काफी समय से मैं रोटरी के किसी भी पद के लिए मना करता रहा था। लेकिन मैंने देखा कि एक रोटेरियन के रूप में अधिकांश रोटेरियन में जो कमी थी, वो था बुनियादी ज्ञान - उन्हें रोटरी से क्या मिल सकता था और वे रोटरी को क्या दे सकते थे।

उन्होंने देखा कि रोटरी में शामिल तो कई लोग हुए, कुछ समय के लिए रुके भी पर जब उन्हें इसमें खुद के लिए कुछ नज़र नहीं आया तो छोड़ गए। यह हो रहा था, और रो इ इसे लेकर बहुत चिंतित था। इसलिए मैंने कहा कि जो रोटेरियन इसमें रुचि रखते थे उन्हें प्रशिक्षित करने के लिए हम एक

रोचक प्रशिक्षण कार्यक्रम बनायें, रोटरी क्या है, इसके नियम और कानून क्या हैं जिसका उन्हें पालन करना चाहिए और जिससे उन्हें बहुत फायदा होगा।

इस प्रकार RLI या रोटरी लीडरशिप इंस्टीट्यूट का जन्म हुआ, जो हर साल 3-4 अलग-अलग पाठ्यक्रम प्रस्तावित करता है और लगभग 150-200 रोटेरियन हर साल इन पाठ्यक्रमों के माध्यम से प्रशिक्षित होते हैं। मैं कह सकता हूँ, 10 साल में RLI ने करीब 2,000 रोटेरियनों को प्रशिक्षित किया होगा जो रोटरी के बारे में काफी कुछ जानते हैं। अक्सर लोग मुझे फोन कर कहते हैं कि भगवान का शुक्र है कि मैंने ये कोर्स कर लिया।

अब तीन पाठ्यक्रम प्रस्तावित हैं और रो ई ने RLI को शैक्षिक सहायक के रूप में स्वीकार कर लिया है। यह रोटरी का हिस्सा नहीं है, बल्कि रो ई का एक सहयोगी है, और रोटरी की सटीक जानकारी देने के लिए जाना जाता है।

डिक्शनरी या एक सौर लैंप या एक मच्छरदानी, कई लोगों के लिए क्या महत्व रखती है। घोष कहते हैं, जिस तरह से ग्रामीण लोग हम रोटेरियन की सहायता को स्वीकार करते हैं उससे मालूम चलता है कि वो इसे कितना महत्व देते हैं। ... एक कंबल ही उनके लिए बहुत बड़ी बात थी।

सुंदरबन में, हमारे पास कई परियोजनाएं चल रही हैं, कोलकाता से वहां जाने में 5-6 घंटे लगते हैं, कार से दो घंटे और उसके बाद नदी से तीन चार घंटे का रास्ता और है।

अपने क्लब की सेवा परियोजनाओं के लिए पूरी तरह से समर्पित, उन्होंने PHC (पब्लिक हेल्थ सेंटर) के बारे में चर्चा की, जहां रो क्लब कलकत्ता ने बहुत सारे चिकित्सा उपकरण के साथ पोलियो ड्रॉप्स संग्रहीत करने के लिए रेफ्रिजरेटर के लिए सौर ऊर्जा उपलब्ध करवाई है। और एक बार जब आप एक व्यक्ति या संस्था को सौर ऊर्जा उपलब्ध करवाते हैं तो फिर सवाल उठता है, बाकी गांवों को क्यों नहीं दें।

मैंने पूछा, क्या कोलकाता में इतनी नज़दीक तक भी बिजली उपलब्ध नहीं है? हाँ, बिजली की लाइन तो डली हुई है, लेकिन उस बिजली में 100 वाट का बल्ब भी एक मोमबत्ती जितनी रौशनी देता है, वे कहते हैं। गांव में दो उच्चतर माध्यमिक विद्यालय थे जिनमें बिजली नहीं है, एक पुलिस थाना भी था जहाँ रोटेरियनों ने प्रकाश की व्यवस्था करवाई है। पिछले साल, जब

हमने पुलिस स्टेशन गए थे, तुरंत चाय पेश की गई थी। पुलिस स्टेशन नदी से ही नज़र आता है, हमारी सौर ऊर्जा को धन्यवाद, पुलिसकर्मियों ने हमें बताया कि कांच की बनी हुई विशाल लालटेन के जलते रहने की वजह से, उस छोटे से गाँव में अपराध दर गिर गई है। यह विद्युतीकरण का ही प्रभाव है, घोष ने कहा

सुंदरबन के एक अन्य गांव में, जर्मन क्लब और वैश्विक अनुदान की सहायता से, रोटरी क्लब कलकत्ता ने प्रसव के लिए आने वाली गर्भवती महिलाओं के साथ आये परिवार के अन्य सदस्यों के लिए रैन बसेरा भी बनाया है। इन गांवों में पूर्ण गर्भवती महिलाएं पहले बैलगाड़ी पर और फिर नदी के रास्ते PHC तक आती हैं, जहां एक लेबर रूम है और मां और नवजात शिशु के लिए सीमेंट की चादर से (RCC) बना एक कमरा है। पति और अन्य बच्चे जो साथ आते हैं, उनके रहने और सोने के लिए कोई जगह नहीं थी। रैन बसेरा के अलावा, क्लब ने सर्जिकल उपकरणों को ऑटोक्लेव करने के लिए एलईडी बल्ब और सुविधाएं प्रदत्त करवाई हैं। इन सब का संचालन सौर ऊर्जा से होता है। इसके बाद क्लब की सूची में, नियत समय से पूर्व पैदा हुए बच्चों के लिए इन्क्यूबेटर्स दिए जा रहे हैं ... इस प्रोजेक्ट में हमारे क्लब के जुड़ने से मैं बेहद खुश हूँ, घोष कहते हैं।

खैर, इस परियोजना से कौन सदस्य खुश नहीं, जब मैं क्लब के शानदार अतीत के पूर्व अध्यक्षों के

एक अच्छे सदस्य के रूप में जब आप को तीन साल हो जाते हैं, और रोटरी में संलग्न हो जाते हैं, फिर आप रोटरी को कभी नहीं छोड़ेंगे!

PDG प्रभात के रोहतगी

एक समूह का साक्षात्कार करती हूँ, मुझे ये देख कर आश्चर्य होता है, इस 100-वर्षीय क्लब पर, इन सभी ने अमिट छाप छोड़ी है।

मैं पूर्व अध्यक्ष ऋत्विक् गुप्ता से पूछता हूँ, जो रोटरी क्लब कलकत्ता के 33 वर्षों से सदस्य हैं और जिन्होंने 2014-15 में क्लब का नेतृत्व किया था, ऐसे क्लब में अध्यक्ष के रूप में काम करना कितना मुश्किल था, जिसमें कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं चल रही हैं। कतई मुश्किल नहीं ... इसने मुझसे सब कुछ ले लिया था, वह मुस्कराते हैं। आप सिर्फ एक वर्ष के लिए अपने आप को क्लब के लिए समर्पित कर दें और ये मुश्किल नहीं है!

PDG प्रभात के रोहतगी उनसे भी वरिष्ठ हैं, सिर्फ 26 की उम्र में 1958 में वे क्लब में शामिल हुए थे

और क्लब के सदस्य उन्हें अपना आदर्श मानते हैं। वह रोटरी में शामिल हुए क्योंकि हमारे परिवार में रोटरी को सदैव आदर और सम्मान से देखा जाता था। उनके पिता भी क्लब के अध्यक्ष रहे हैं। शुरू में, बुजुर्ग, वरिष्ठ और चाचा ताऊओं से भरे क्लब में युवा वर्ग बहुत सहज नहीं था, लेकिन जल्द ही इस वर्ग ने रोटरी को इतना अधिक आत्मसात कर लिया कि उनकी पत्नी शशि प्रभा अपना परिचय इनकी दूसरी पत्नी के रूप में देने लगी; पहली पत्नी निश्चित ही रोटरी थी।

अब वे उनके क्लब, रोटरी क्लब कलकत्ता विकटोरिया की अध्यक्ष, बनने जा रही हैं, उनकी शिकायत है कि काफी लंबे समय तक उन्हें रोटरी और उनके क्लब से जुड़ने नहीं दिया गया। यह पूछने पर क्यों, रोहतगी मुस्कराते हुए कहते हैं: क्योंकि रिक्षा को केवल एक ही रिक्षावाला खींचता है।

ये अनुभवी दिग्गज अपने ज़ेहन में नीतीश लहरी की बहुत सारी यादें संजोये हैं। मेरे क्लब में शामिल होने के थोड़ी देर बाद, मुझे लाहिड़ी का फोन आया उन्हें नेड लाहिड़ी कह कर बुलाते थे - कहा, मैं आपसे बात करना चाहता हूँ।

रोहतगी, मेट्रो सिनेमा की पहली मंजिल पर बने उनके कार्यालय गए जहां अब कपड़े की दुकान है। वह बहुत ही दिलचस्प शख्सियत थे। कितने लोगों को मालूम होगा कि बंगाली सिनेमा में उनकी छवि पितातुल्य थी और वे हॉलीवुड फिल्मों के वितरक थे? उन्होंने कई प्रोड्यूसरों की मदद की थी। उन्हें दुनियावी मामलों की ज़बरदस्त जानकारी थी और वे वास्तव में रोटरी में एक अग्रणी मार्गदर्शक थे।

रोहतगी 1989-90 में क्लब अध्यक्ष बने थे; इसके 30 साल बाद, वर्तमान अध्यक्ष पूर्णेंद्र रॉय चौधरी जैसे युवा व्यक्ति के सामने, आज किस तरह की चुनौतियाँ हैं?

सबसे बड़ी चुनौती रोटेरियनों को सम्मिलित करने की है। वो सदस्य ला रहे हैं, ठीक है, लेकिन उन सभी में वो जुनून नहीं है जिसकी आज ज़रूरत है। किसी भी NGO के सदस्य बनने के एक दो साल में ये ज़ब्ज़ा पैदा नहीं होता लेकिन एक अच्छे सदस्य के रूप में जब आप को तीन साल हो जाते हैं, और रोटरी में संलग्न हो जाते हैं, फिर आप रोटरी को कभी नहीं छोड़ेंगे!

पूर्णेंद्र चौधरी का कहना है कि आज रोटरी क्लब कलकत्ता में कई युवा सदस्य हैं और उन्हें कुछ भी



क्लब के अध्यक्ष चौधरी दार्जिलिंग के सोनादा गांव में गोरखा भिक्षुओं के लिए भोजन और सर्दियों के कपड़े खरीदने में उनकी मदद के लिए दान करते हुए।

100 वर्षों में रोटरी में बहुत कुछ बदल गया है

रोटरी क्लब कलकत्ता के 100वें जन्मदिवस की पूर्वसंध्या पर मैंने इस क्लब के कुछ पूर्व अध्यक्षों से पूछा, उस समय रोटेरियन होना कैसा था और क्या परिवर्तित हो चुका है।

खैर, सौहार्द अब पहले जैसा नहीं रहा, पूर्व अध्यक्ष ऋत्विक् गुप्ता कहते हैं।

61 वर्षों से क्लब के सदस्य और उनके क्लब में जीवित दिग्गज के नाम से पहचाने जाने वाले पीडीजी प्रभात रोहतगी, थोड़ा रुकते हैं, आह भरते हैं और कहते हैं: बहुत कुछ बदल गया है; लेकिन आश्चर्य की बात यह है कि आज हमारे बड़े समाज की तरह ही, जहां करीबी संबंध भी उतने करीबी नहीं हैं, क्योंकि संयुक्त परिवार की व्यवस्था खत्म हो गई है, रोटरी का भी हाल ऐसा ही हो गया है।

अतीत को याद करते हुये, वह कहते हैं, उन दिनों, रोटरी एक छोटे गाँव जैसी होती थी और सभी लोग एक दूसरे को जानते थे। वहाँ पर आप अपनी खुशियाँ और दुख साझा करते थे। जैसे... आपके बच्चे को क्या हो गया, उसकी परीक्षाएँ अच्छी तो गई ना? हमें बच्चों के नाम भी पता होते थे, और हर सुख-दुख में हम उनके साथ खड़े होते थे। अब आजकल ऐसा नहीं होता... मैं ऐसा तो नहीं कहूँगा कि पूरी तरह से, लेकिन...

उदाहरण के लिए, वह कहते हैं कि उनके अभी भी पुराने कई दोस्त हैं, जो रोटरी क्लब कलकत्ता के सदस्य थे और अब मुंबई में रहते हैं। हमारी बातचीत

अभी भी होती है। लेकिन जो 10 साल पहले आए थे और किसी दूसरे शहर चले गए, वे मुझे पहचानते भी नहीं हैं।

40-50 साल पहले के मुकाबले आज की रोटरी में सकारात्मक चीजों को परिभाषित करने के लिए कहने पर, वह एक पल का भी समय गँवाए बिना तुरंत कहते हैं। निस्संदेह, सेवा परियोजनाएं; आज हम उन्हें काफी बड़े स्तर पर करते हैं। हम 500 पेड़ लगाते थे और सोचते थे हमने दुनिया में बहुत अच्छा काम किया। आज यह संख्या 5,000 नहीं बल्कि 20,000 हो गई है। इस मानसिकता में परिवर्तन एवं बड़ी सेवा परियोजनाएं करने का श्रेय वह रोटरी संस्थान को देते हैं। बड़ी परियोजनाएं करने की हमारी सोच में टीआरएफ का सबसे बड़ा योगदान रहा है। जब मैं एक डीजी बना था, मुझे चिंता थी कि मेरे मंडल के बमुश्किल 4 से 5 क्लबों को ही मिलान अनुदान करने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी थी।

वह याद करते हैं कि पिछले वर्ष नेपाल में मंडल ने 20 साइकल रिक्शे प्रदान किए थे और इसे एक बड़ी चीज़ समझा जा रहा था। मेरे वर्ष में मैंने कहा कि हमें इससे कहीं अधिक बड़ी परियोजना करनी होगी और 500 रिक्शे देने होंगे। लेकिन सवाल यह था कि पैसा कहा से लाया जाए, और फिर अचानक से हमें जवाब मिला - एक मिलान अनुदान! दुनिया के इस कोने में वह पहला मिलान अनुदान था जो हमने किया था और वह मेरे वर्ष के दौरान हुआ था।

करने के लिए नहीं कहा जा सकता। इसलिए उनका सबसे अधिक प्रयास रहता है, मस्ती भरी फेलोशिप मीट और पार्टियों के माध्यम से उन्हें शामिल करना और फिर उन्हें क्लब की सेवा परियोजनाओं की ओर खींचना।

मैं उन से सीधा सवाल करती हूँ, कोलकाता के कुछ रोटरी सर्किल में मैंने लोगों को कानाफूसी करते सुना है। आपका क्लब एक घमंडी या अभिमानी क्लब है क्या, जिसका कहना है कि किसी भी ऐसे वैसे व्यक्ति को हम सदस्य नहीं बनाते?

उत्तर में चौधरी कहते हैं, नहीं, अभिमानी या घमंडी नहीं है, लेकिन हां, इस बात को लेकर बहुत संवेदनशील हैं कि हम सदस्य किसे बनाएंगे। हम नहीं चाहते कि यहां आकर कोई अपना व्यवसाय शुरू कर दे। अगर हम घमंडी होते तो आज क्लब में 245 सदस्य नहीं होते!

वह कहते हैं, हमारे क्लब का सदस्य बनने के लिए आपको महत्वपूर्ण होना ज़रूरी है और आप अपने व्यापार को फायदा पहुंचाने की नीयत से शामिल नहीं होंगे। अगर मुझे बीमा करवाना है, तो मैं श्रेष्ठ बीमा व्यक्ति को कॉल करूँगा जो मेरे क्लब का सदस्य है और बीमा करवा लूँगा। लेकिन अपने व्यवसाय के लिए उसे मेरे पीछे नहीं पड़ना चाहिए।



शीला भट्ट

यह पूछने पर कि रोटरी क्लब कलकत्ता ने महिला सदस्यता का कैसे स्वागत किया, उन्होंने जवाब दिया: बहुत अधिक, हमने कई महिला सदस्यों को शामिल किया है और हमारे क्लब का हिस्सा बनकर वे खुश हैं; लगभग 10-12 प्रतिशत सदस्य महिलाएँ हैं। पूर्व में दो महिलाएँ हमारे क्लब की अध्यक्ष रह चुकी हैं - नंदिता सेन और नीलिमा जोशी और इस साल हमारे क्लब की सचिव अनुसुइया दास हैं।

यादें बहुत सारी हैं, पुरानी भी। रोहतगी ने कहा मुझे दलाई लामा द्वारा संबोधित क्लब की बैठक स्पष्ट रूप से याद है, जो अपने निर्धारित समय एक घंटे से भी अधिक चली थी। जब जब वो बोल रहे थे, तब पूर्ण शान्ति थी और कोई भी उठ कर हॉल से बाहर नहीं गया। ऐसा था उनका चुम्बकीय आकर्षण। फील्ड मार्शल मानेकशॉ के बारे में भी यही सच था जो एक आकर्षक वक्ता थे और उन्होंने रोटरी की बहुत तारीफ की थी।

क्या कभी उनके क्लब को रवींद्रनाथ टैगोर ने भी संबोधित किया था? मेरी जानकारी में नहीं। यह एक बहुत ही अभिजात्य वर्ग का क्लब था, नकारात्मक अर्थों में नहीं, बल्कि इसलिए क्योंकि कि सबसे अच्छे डॉक्टर, चार्टर्ड अकाउंटेंट, वकील आदि



रोटरी क्लब शंघाई के अध्यक्ष के साथ अपनी 100 वीं वर्षगांठ के जश्न पर शंघाई में झंडे का आदान-प्रदान करते क्लब अध्यक्ष चौधरी।



पूर्व अध्यक्ष नीलिमा जोशी के साथ माधवी पांड्या।

सभी हमारे क्लब के सदस्य थे। इसके बावजूद भी हमने ग्रामोत्थान कार्यक्रम किए थे और उन चोटी के लोगों को अपने हाथों से सेवा करते देखना काफी दिलचस्प था।

उन्हें याद है कि 1950 के दशक में, रोटरी क्लब कलकत्ता द्वारा की गई शुरुआती परियोजनाओं में से एक थी, गरचाबस्ती सुधार। तब यह एक झुग्गी क्षेत्र हुआ करता था और लाहिड़ी भी यहीं रहते थे। उस समय बंगाल में कई नक्सली रहते थे और बस्ती क्षेत्र में उनकी तादाद काफी थी, जहाँ हमने एक होम्योपैथी औषधालय खोलने की योजना बनाई थी। अचानक वे हमारे सामने तलवारें, खंजर और लाठी लेकर आ गए। और उन्हें वापस कौन भेजे? द रोटरेक्टर - हमारे रोटरेक्टर क्लब का नेतृत्व कर रहा था - अब एक रोटेरियन है। उस ने रोटरेक्टरों के साथ उन लोगों को बाहर खदेड़ दिया!

बहुत ही रोमांचक दिन थे वो जब टॉप प्रोफेशनल्स ने हाथों से सेवा की थी। आज भी हमारे यहां विभिन्न क्षेत्रों के शीर्ष पेशेवर मौजूद हैं, लेकिन किसी एक चिकित्सा परियोजना के लिए वो गाँव में नहीं जाना चाहते। वो लोग अपने सहायकों को भेज देते हैं... लेकिन पहले, उन दिनों में हम हर रविवार को वहां होते थे। यह चीज है जो बदल गई है, आज समाज में लोग अपना कद, प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए हमारे क्लब में आते हैं।

प्राचीन काल में की गई परियोजनाओं, बेगमपुर और गरचा बस्ती पुनरुत्थान की याद ताज़ा करते हुए, जिसके लिए क्लब को रोटरी अंतर्राष्ट्रीय से विशेष पुरस्कार मिला था, वे कहते हैं, यह एक सम्पूर्ण परियोजना थी, क्योंकि इस क्षेत्र में कुछ बुनकर रहते थे उनके लिए हमने नए करघे लगाए थे। हमने वहां सेरीकल्चर (रेशम कीट-पालन) भी शुरू किया। यह

एक शानदार पिकनिक की तरह हुआ करता था, हम खूब मस्ती करते थे, हमारी एन्स और बच्चे कार में साथ ही आते थे। इन दिनों हम रोटरी में समग्रता और परिवार को शामिल करने की बात करते हैं, लेकिन पहले के वर्षों में यह सब मौजूद था।

1958 में उनके रोटरी में शामिल होने से पहले भी, राजकीय व्यवस्था में और प्रांत में रोटरी का एक विशिष्ट स्थान था, रुतबा था। यही कारण है जिसकी वजह से हमारा क्लब हावड़ा ब्रिज के निर्माण में शामिल हुआ था। (देखें रोटरी क्लब कलकत्ता का इतिहास)

उस समय, वह बताते हैं, एक पट्टन पुल हुआ करता था जो जहाजों को मार्ग देने के लिए खोल दिया जाता था। तब रोटरी क्लब कलकत्ता ने उस स्थान पर एक पुल बनाने के लिए सरकार के साथ मिल कर

पैरवी की और पुल के रखरखाव, देखभाल करने के लिए बनाई गई समिति में रोटरी का एक प्रतिनिधि रखा गया था तब इसे न्यू हावड़ा ब्रिज कहते थे और उस समिति में वर्षों तक हमारा प्रतिनिधित्व बना रहा जब तक या तो इसमें क्लब की रूचि नहीं रही या फिर हमारे प्रतिनिधि ने जाना बंद कर दिया।

इसके अलावा, रोहतगी बताते हैं, पूर्व वर्षों में पुलिस आयुक्त, एक आईसीएस अधिकारी या अन्य सरकारी अधिकारियों के साथ-साथ राजनेता भी क्लब के सदस्य होते थे। गुप्ता बताते हैं, कांग्रेस के संस्थापक सदस्यों में से एक, सुरेंद्र नाथ बेनर्जी हमारे क्लब के मानद सदस्य थे और क्लब की बैठकों में भी भाग लेते थे।

क्लब के पूर्व अध्यक्ष डॉ एस के शर्मा, जो 30 साल पहले रोटरी क्लब कलकत्ता में शामिल हुए थे,



बाएं: पीडीजी सोमेंद्र चंद्र नंदी के साथ
RIPN शेखर मेहता।

ऊपर: क्लब के सदस्यों के साथ क्लब के अध्यक्ष चौधरी बिष्णुपुर के एक स्कूल में जहां क्लब ने नए कक्षाओं का निर्माण किया था।



रशीदा भगत

बताते हैं कि वरिष्ठ सदस्यों में सेवा परियोजनाओं को निष्पादित करते समय, कीचड़ में हाथ गंदे करने के लिए कितना जोश हुआ करता था। यह पूछे जाने पर कि क्लब में अपने तीन दशकों के दौरान उन्हें सबसे ज्यादा क्या पसंद आया, वे कहते हैं, लोगों की मदद करना, बच्चों की देखभाल और दिल के मरीजों की देखभाल, इत्यादि।

संयोग से, शांति निकेतन के मित्या नगर में पहले WASH प्रोजेक्ट का वित्त प्रबंधन व पोषण शर्मा द्वारा किया गया था। ऋत्विक् गुप्ता ने कहा, “उन्होंने ऐसा तब किया जब हम सब यह जानकर व्यथित हुए थे कि उन शौच के लिए महिलाओं का खुले में जाना उनकी मजबूरी थी। हमने सोलर लाइटें भी दी थी।”

उस क्षेत्र में केवल दो व्यक्ति घर में शौचालय बनाने के लिए जगह देने के लिए राजी हुए थे। दो



महीने बाद, बाकि लोग भी कहने लगे कि वे भी शौचालय बनवाना चाहते हैं, विशेषकर महिलाएँ। डॉ शर्मा की पत्नी, विजयलक्ष्मी बहुत दयालु थीं, इस परियोजना से उनका बहुत लगाव था और परियोजना का विस्तार करने में इस युगल ने काफी मदद की थी।

पूर्व दशकों में सरकार के साथ क्लब का बहुत अच्छा रिश्ता रहा है। दरअसल, हम लोग सरकार की ही मदद कर रहे थे, यदि हम रोटेरियन नहीं होते तो भारत से पोलियो नहीं मिटा सकते थे।

मजे की बात ये है कि 1999-2000 के आसपास, जब पश्चिम बंगाल के तत्कालीन मुख्यमंत्री ज्योति बसु को क्लब ने एक वक्ता के रूप में आमंत्रित किया, तो रोटेरियन उन्हें यह कहते हुए सुनकर खुश नहीं हुए थे कि मैंने सुना है कि आप लोग काफी अच्छे काम करते हो। उन्हें लगा कि यह जानना मुख्यमंत्री की ज़िम्मेदारी थी कि वे अच्छे काम करते हैं।

उन्होंने जिन गांवों का पुनरुद्धार किया उन के बारे में शर्मा बड़े उत्साह के साथ बताते हैं, सोलर लैंप, हैंडपंप, घरों में शौचालय, स्कूलों का नवीनीकरण और स्कूलों को फर्नीचर, किताबें आदि देना। जब भी हमने किसी एक गाँव में ऐसा किया, तो सहायता के लिए हमारे पास अगले गाँव के लोग आ जाते। संक्षेप में कहूँ तो इन 100 वर्षों में हमने 100 गांवों में काम

इस बात को लेकर बहुत संवेदनशील हैं कि हम सदस्य किसे बनाएंगे। हम नहीं चाहते कि यहां आकर कोई अपना व्यवसाय शुरू कर दे।

पूर्णंदु रॉय चौधरी क्लब के अध्यक्ष

किया है। रोहतगी ने आगे जोड़ा, फिलीपींस से PRIP मेट कैपर्स ने, जो RCC की अवधारणा लाए थे, कहा था कि एक बार जब आप एक गाँव को उस स्तर तक ले आएँ जब वे स्वावलम्बी हो जाएँ, खुद का ध्यान रख सकते हों, उस गाँव को छोड़ दें और दूसरे गाँवों में जाएँ। हमने यही किया।

गुप्ता का कहना है कि उन शुरुआती वर्षों में, क्लब ने एक समग्र ग्राम विकास कार्यक्रम की अवधारणा की थी, जिसके तहत गाँव को सिर्फ एक-दो चीजें नहीं देते थे बल्कि स्वास्थ्य, पानी और स्वच्छता, व्यावसायिक कौशल विकास और आय के जरिये सहित एक पूरा पैकेज होता था। हमने 10 RCCयों की स्थापना की है और उनमें से एक का

उद्घाटन रो ई अध्यक्ष कैपर्स ने किया था। वे बहुत सक्रिय हैं। ग्रामीण विकास के अलावा, हम बहुत सारे स्वास्थ्य शिविर लगाते हैं, अस्पतालों की सहायता करते हैं, बहुत सारे उपकरण देते हैं, और भी कई काम करते हैं। हमें अपने क्लब के समृद्ध इतिहास पर बहुत गर्व है।

नीलिमा जोशी, चार्टर्ड एकाउंटेंट, क्लब की दूसरी महिला अध्यक्ष (2016-17) हैं। वह 2001 में शामिल हुई थीं, उस वक़्त हमारे क्लब में महिला सदस्यों की संख्या बहुत कम थी और मुझे बहुत सारे काम करने पड़े, प्रबंधन, व्यवस्थाएं करना, जिम्मेदारियां लेना आदि ... मुझे दिए गए उन सभी अवसरों के लिए मैं आभारी हूँ, क्लब में प्रवेश करने के तीन साल में ही मुझे क्लब का कोषाध्यक्ष बना दिया गया।

तो क्लब अध्यक्ष बनना कितना मुश्किल रहा था? वास्तव में, कुछ वर्षों से लोग मुझे अध्यक्ष बनने के लिए कह रहे थे, लेकिन बच्चों के कॉलेज में प्रवेश की तैयारी के चलते मैंने इसमें देरी की! उन से पूछा कि रोटेरियन बन कर उसे क्या अच्छा लगा और खुशी से दमकती हुई नीलम कहती है, सब कुछ! काम, हमारी मंगलवार की मीटिंग, हमारी परियोजनाएं... विशेष रूप से शिशु हृदय शल्य चिकित्सा। जब हम



उनके माता-पिता से मिलते हैं, तो हमने जो कुछ किया है, उसके लिए वे आभार और कृतज्ञता प्रकट करते हैं, हमें बहुत प्यार और सम्मान देते हैं।

वो गर्व से बताती हैं कि रोटरी क्लब कलकत्ता को मंडल में सर्वश्रेष्ठ क्लब होने की वजह से बड़ी ट्रॉफी मिली थी... कम से कम 20 पुरस्कार मिले होंगे हमें! हमने स्कूली शिक्षा और साक्षरता में बहुत काम किया था और ई-लर्निंग किट वितरित किये थे। आज भी हमें उन लोगों से पत्र मिलते हैं जिन्होंने इस किट का

महिलाओं की तारीफ़ करनी पड़ेगी क्योंकि उन्होंने उन्होंने अपने पतियों के सामने हिम्मत जुटाई, जो उनसे मारपीट करते थे या सास के मना करने के बावजूद भी साक्षरता कक्षाओं में आती थीं।

नीलिमा जोशी

पूर्व अध्यक्ष

इस्तेमाल किया था नीलिमा को याद है प्रौढ़ साक्षरता के लिए वे गाँवों में गए थे, जब हमने लोगों से पूछा कि क्या आपके घर में शौचालय है तो उनमें से अधिकांश ने मुंह फेर लिया पर महिलाओं की तारीफ़ करनी पड़ेगी क्योंकि उन्होंने उन्होंने अपने पतियों के सामने हिम्मत जुटाई, जो उनसे मारपीट करते थे या सास के मना करने के बावजूद भी साक्षरता कक्षाओं में आती थीं। मूल उद्देश्य यह था कि इससे हमें अपने बच्चों के लिए कुछ करने में मदद मिलेगी; अगर हम सीखेंगे तो उन्हें भी पढ़ा सकते हैं।

एक इंजीनियरिंग कंपनी चलाने वाली क्लब की सचिव अनुसुइया दास 2003 में क्लब में शामिल हुई थीं, कहती हैं कि उन्हें चुनौतियाँ पसंद है इस सचिव पद की वो भी इतने महत्वपूर्ण इस शताब्दी वर्ष में। क्लब को यहाँ तक लाने के लिए बहुत से लोगों ने कड़ी मेहनत की है; इसे आगे ले जाने की अब हमारी बारी है।

इन 100 वर्षों में, रो क्लब कलकत्ता के रोटेरियनों की पुश्तों ने लाखों लोगों की ज़िंदगी को छुआ है और हमेशा के लिए बदल दिया। हर्ष की बात ये है कि वर्तमान भी उतना ही बढ़िया है। अमित घोष ने

उनके एक RCC द्वारा किए गए शानदार काम के बारे में मुझे बताया, जिसने उनके दिमाग पर अमिट छाप छोड़ी है।

कौशल विकास के तहत एक RCC द्वारा किया गया सौंदर्य पाठ्यक्रम। उन्हें याद है कि शान्ति निकेतन के एक गाँव में, कंबल बांटते समय, उनकी मुलाकात एक युवा मुस्लिम महिला से हुई जो ये कोर्स कर चुकी थी पर घर से उसे पार्लर में काम करने की अनुमति नहीं थी, उससे पूछा कि वो अपना जीवनयापन कैसे करती है उसने कहा कि उसका अपना व्यापार है; ईद के त्यौहार पर लोगों के घर जाती हूँ, सुबह 7 बजे निकलती हूँ और रात 9 बजे ही लौटती हूँ। मेरे पास बहुत सारा काम है।

उस अवधि में, उसने लगभग ₹20,000 कमाए थे। यह पूछने पर कि वह आती जाती किस तरह से है, उसने एक दोपहिया वाहन के पास इंजिनार कर रहे व्यक्ति की तरफ इशारा किया और बोली, वो मेरे शौहर हैं; वही ले जाते हैं।

सबसे बढ़िया बात ... और वह दो-पहिया वाहन मैंने अपने पैसे से खरीदा है, उसने कहा!

एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा

नीतिश सी लाहरी को श्रद्धांजलि

क्लिफोर्ड ए रैंडल

Lead, kindly Light, amid the encircling gloom;

Lead thou me on!

The night is dark, and I am far from home;

Lead thou me on!

कविता के इन शब्दों के साथ नीतिश सी लाहरी ने जून 1963 में सेंट लुइस, मिसूरी, में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में उनका अंतिम संबोधन समाप्त किया। नीतिश के करीबी इन शब्दों से परिचित थे। वह अक्सर इनका प्रयोग करते थे।

इन पंक्तियों को बोलते वक्त जिस घर का वह चिंतन करते थे वह वो जगह नहीं जिसे वह हर कभी उनका निवास स्थान बोलते थे। नीतिश एक अत्यंत आध्यात्मिक व्यक्ति थे। यह उनकी प्रकृति और उनकी प्रवृत्ति थी कि वह आध्यात्मिक प्रेरणा को पहचान लेते थे जिसे वह मनुष्य की गतिविधि के मूल में होने की कल्पना करते थे और, विशेषरूप से, उन गतिविधियों को जो रोटर की साथ किसी व्यक्ति की सम्बद्धता से जुड़ी होती थी।

एशिया से रोटर अंतर्राष्ट्रीय के पहले अध्यक्ष बने इस शख्स के गुणों ने इन्हें दुनियाभर के रोटेरियनों को अपने अंदर एक चिंगारी सुलगाने की चुनौती देने के लिए प्रेरित किया। उनके शब्दों में, ऐसा करके हमें महसूस होगा कि परम नियति तक का रास्ता इस तथ्य के परितोष में निहित है कि संपूर्ण मानवता एक है और यह कि हम में से प्रत्येक भगवान के ईश्वरत्व की एक चिंगारी है।

52वें रो ई अध्यक्ष कलकत्ता में पैदा हुए और वहीं से शिक्षा भी प्राप्त की। वह अच्छी तरह शिक्षित थे। उन्होंने कलकत्ता विश्वविद्यालय से अंग्रेजी में ऑनर्स के साथ बैचलर ऑफ़ आर्ट्स किया है, साथ ही अर्थशास्त्र और राजनीति विज्ञान में मास्टर्स डिग्री एवं कानून की डिग्री भी प्राप्त की है। चार साल तक कानून का अभ्यास करने के बाद उन्होंने तेज़ी से बढ़ते मोशन-पिक्चर व्यवसाय की ओर रुख किया,

जिसमें उन्होंने अपनी बाकि की ज़िंदगी बिताई। 1926 में वह मोशन पिक्चर डिस्ट्रीब्यूटिंग वर्गीकरण के तहत रोटर क्लब कलकत्ता के सदस्य बने। कलकत्ता क्लब के इतिहास में नीतिश के बारे में यह टिप्पणी है: वह क्लब के पहले भारतीय सचिव नियुक्त किए गए थे। हालाँकि उस समय लेखक उन्हें

एक शांत और शर्मीले युवा के रूप में जानते थे फिर भी शुरुआत से ही वे इसमें पूरी तरह सक्रिय रहे।

अठारह साल बाद वह रोटर क्लब कलकत्ता के अध्यक्ष बने, और उसके 18 साल बाद वह टोक्यो, जापान के रोई अध्यक्ष बने। रोटर की सेवा के 38 साल तक वह हमेशा शांत, विनम्र, संवेदनशील और सुशील बने रहे। फिर भी वह हमेशा रोटर में सक्रिय रूप से शामिल रहे। यहाँ एक उदाहरण दिया जाना जरूरी है: 1958 में दिल्ली में आयोजित एशिया रीजनल कांफ्रेंस में उनकी भागीदारी।

नीतिश ने उस सम्मेलन की अध्यक्षता की जिसे भारत के जानकारों द्वारा भारतीयों की अबतक आयोजित हुई सबसे बड़ी गैर राजनीतिक, गैर धार्मिक सभा कहा गया। सम्मेलन के उद्घाटन से पहले में नीतिश के साथ दिवंगत प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू से मिलने गया था, और हमने उन्हें सम्मेलन के पास स्थित एक गार्डन पार्टी में रोटेरियनों के साथ जुड़ने हेतु आमंत्रित किया था। यह उदारता का संकेत था। हमें बमुश्किल ही कोई उम्मीद थी कि श्री नेहरू के लिए रोटर फेलोशिप को समर्पित एक सामाजिक समारोह में शामिल होना संभव हो पाएगा। हालाँकि, जब



PRIP नीतिश सी लहरी

गार्डन पार्टी 2,000 रोटेरियनों और उनके परिवारों के सदस्यों के साथ अपने चरम पर थी, प्रधानमंत्री नेहरू गार्डन में आए, अकेले और बिना अनुरक्षकों के, रोटेरियनों का अभिवादन किया, और उनसे बातचीत भी की। यह एक नाटकीय घटना थी और इसपर कई विवेचनाएँ की जा सकती थी। मेरी अपनी

विवेचना थी। मुझे लगता है निश्चित ही नीतिश ने अपने हमवतन श्री नेहरू के मन में एक चिंगारी सुलगा दी होगी, और उतनी ही संवेदनशीलता वाले उन प्रधानमंत्री ने नीतिश की सेवा, समर्पण और परिश्रम को देखते हुए उन्हें व्यक्तिगत स्वीकृति दी होगी।

उस समय, रोटर के विकास में, जब पूर्व और पश्चिम के बीच के पुराने अंतरों पर पहली बार इतना ध्यान दिया जा रहा था, तब नीतिश आगे आए और हमारे बीच हमारे नेता के रूप में उभरे। वह इस बात का जीता जागता उदाहरण थे कि वाकई में पूर्व और पश्चिम एक हो सकते हैं। मानव जाति की एकता की आवश्यकता के अपने ही गहरे विश्वास में वह एक प्रेरक प्रतीक थे। अब वह भगवान के पास जा चुके हैं। वह जो भी थे और उन्होंने हमें जो भी दिया उसके लिए आइए हम सब उन्हें धन्यवाद दें। हम सभी सम्मानपूर्वक इस बात का आनंद लें कि आशा भरी एक किरण ने हमारे नीतिश के घर प्रवेश किया था।

लेखक रोटर अंतर्राष्ट्रीय (1958-59)

के पूर्व अध्यक्ष हैं।

चिल्ड्रन्स ट्रीट : शुरुआत

रशीदा भगत



दुनिया में सबसे प्रतिष्ठित और कदाचित सबसे लंबे समय से चल रही रोटरी परियोजनाओं में से एक है चिल्ड्रन्स ट्रीट, जो रोटरी क्लब ऑफ कलकत्ता द्वारा पिछले 95 वर्षों से चलाई जा रही है।

पूर्व अध्यक्ष रित्विक गुप्ता, जो क्लब के इतिहास को खंगाल कर उस का ताज़ा संस्करण लाने में गंभीरता से जुटे हुए हैं, पूरे उत्साह के साथ अपने क्लब की इस हस्ताक्षर परियोजना के बारे में बताते हैं, जिसकी वजह से वे रोटरी से पहली बार जुड़े; वे 1987 में क्लब में शामिल हुए।

कड़ाके की ठण्ड में नव वर्ष की पूर्व संध्या पर एक गरमा-गरम चाय का लुत्फ लेते हुए, उनके क्लब के 100 साल पूरे होने पर गुप्ता कहते हैं: मेरे पिता एक रोटेरियन थे और रो क्लब कलकत्ता के सदस्य थे और चिल्ड्रन स्ट्रीट प्रोजेक्ट का काफी काम उनके कार्यालय से किया जाता था। मेरी ही उम्र का एक व्यक्ति वहाँ काम करता था; मैंने उनसे कहा कि आप इतना बढ़िया काम कर रहे हो, मैं इसका हिस्सा क्यों नहीं बन सकता? और उनका उत्तर था, हमारे साथ जुड़ जाओ! फिर मैंने अपने पिताजी से कहा कि मैं आपके क्लब में शामिल होना चाहता हूँ। उन्होंने एक रोटेरियन से बात की और उस आदमी ने पहले दिन से ही मुझे अपने साथ ले लिया!



पहले दिन से ही मिला सेवा का अवसर, आपको हमेशा प्रेरित करता रहता है, उन्होंने सहजता से कहा जैसे, चिल्ड्रन्स ट्रीट की शुरुआत 1925 में हुई थी - और रो क्लब कलकत्ता की स्थापना 1920 में और अभी हाल ही दिसंबर के शुरू में परियोजना का 95 वां सत्र संपन्न हुआ था। केवल द्वितीय विश्व

युद्ध के दौरान, ब्लैकआउट की वजह से, एक सत्र नहीं हो सका था।

पूर्व अध्यक्ष रित्विक गुप्ता ने बताया, 1925 में इसकी शुरुआत क्रिसमस के दिन हुई थी जब उनके क्लब के कुछ रोटेरियनों ने गरीब बच्चों को सड़क पर भीख मांगते हुए देखा और सोचा कि इस बारे में हमें



रोटरी क्लब कलकत्ता के रोटेरियन बच्चों को ताज़ा खाना परोसते हुए।



कुछ करना चाहिए। कुछ ही दिनों में, उन्होंने कुछ बच्चों को इकट्ठा किया, ये मत पूछना कहाँ से, और उनका एक दिन खुशनुमा बनाया, तब से हमने इसे कभी बंद नहीं किया! इस तरह से क्लब की इस हस्ताक्षर परियोजना चिल्ड्रन ट्रीट की शुरुआत हुई।

इसलिए हर साल क्रिसमस के दौरान, रो क्लब कलकत्ता के सदस्य अनाथालयों, गैर-औपचारिक स्कूलों, झुग्गी-झोपड़ियों के बच्चों को करीब 25 बसों

चिल्ड्रन्स ट्रीट की शुरुआत 1925 में हुई थी – और रो क्लब कलकत्ता की स्थापना 1920 में और अभी हाल ही दिसंबर के शुरू में परियोजना का 95 वां सत्र संपन्न हुआ था।

ऋत्वि क गुप्ता

रोटरी क्लब कलकत्ता के पूर्व अध्यक्ष

में भर कर एक दिन के लिए कोलकाता के प्रसिद्ध निक्को पार्क में ले जाते हैं जहाँ वो पूरा दिन खाना पीना, मौज मस्ती और खेल कर गुजारते हैं।

कितने बच्चों का मनोरंजन करते हैं?

1,200 से 2,000 के बीच ... हम 5,000 को ले जाना चाहते हैं, लेकिन स्वाभाविक रूप से यह संभव नहीं है। दावत की शुरुआत बस में ही हो जाती है, जहाँ बच्चों को केला, अंडा, ब्रेड और जूस दिया जाता है। हम उन्हें बैडमिंटन रैकेट, बैग, टी शर्ट और गेम पार्क में सवारी के लिए टिकट जैसे उपहार देते हैं। गुप्ता कहते हैं, वे सुबह मज़े करते हैं और फिर दोपहर के भोजन के समय एक निर्दिष्ट स्थान पर लौट आते हैं।

खाने की व्यवस्था निक्को पार्क की रसोई में ही क्लब द्वारा करवाई जाती है जिसमें चावल, सब्जी और एक दाल होती है। क्लब के सदस्य, अमित घोष कहते हैं, इस साल 1,500 बच्चे थे और उनमें से 300 रोटरी सदन स्थित हमारे अपने नीतीश चंद्र

लहरी सांस्कृतिक प्रशिक्षण केंद्र से थे, 350 हमारे RCC स्कूल से और बाकि कोलकाता के उपनगरों में स्कूलों और अनाथालयों से आये थे।

शाकाहारी भोजन के अलावा, एक रोटेरियन, बच्चों के लिए एक चिकन व्यंजन भी प्रायोजित करता है।

इस परियोजना में लगभग 70 रोटेरियन, एन्स और उनके साथ कई रोटारैक्टर्स संलग्न हैं और बच्चों को भोजन वे स्वयं परोसते हैं और बच्चों के भोजन कर लेने के बाद ही वे सब खाना खाते हैं। गुप्ता कहते हैं, लंच के बाद मैजिक शो का आयोजन होता है, एक बैंड धुन बजाता है और कार्यक्रम के अंत में हम बच्चों को आइसक्रीम और उपहार देकर विदा करते हैं।

वह कहते हैं, हर साल, स्कूल तय करते हैं कि इस साल कौन-कौन जाएगा क्योंकि सभी बच्चे पूरे साल इस मजेदार कार्यक्रम का इंतज़ार बेसब्री करते हैं। जब हम बस भेजते हैं, तो जो बच्चे उस साल नहीं जा पाते, दूसरों को हाथ हिला कर मुस्कुराते हुए विदा करते हुए कहते हैं जाओ और खूब मस्ती करो। ■



नी हाओ, रोटेरियनों!

शायद सभी मानव प्रयासों में सबसे संतोषप्रद है वापस देना, और ऐसा करने के लिए रोटरी असंख्य अवसर प्रदान करती है, जैसे रोटरी फाउंडेशन में दान करना। हर एक रोटेरियन और क्लब अपने हिसाब से संस्थान में देने के स्तर का चुनाव कर सकता है।

जब आप वार्षिक कोष में 100 डॉलर या उससे अधिक दान करते हैं, तो आप रोटरी संस्थान के सरटेंगिंग मेम्बर बन सकते हैं। उस दान को 10 गुना करने पर आप पॉल हैरिस फैलो बन जाएंगे - उन व्यक्तियों में से एक जो वार्षिक कोष, पोलियोप्लस कोष, या अनुमोदित वैश्विक अनुदानों में 1,000 डॉलर या उससे अधिक का दान करते हैं। 1957 से, 1 मिलियन से अधिक पॉल हैरिस सदस्य हो चुके हैं। और जब रोटेरियन 1,000 डॉलर से अधिक देते हैं या वार्षिक रूप से उससे अधिक देते हैं, तो वे पॉल हैरिस सोसाइटी सदस्य बन जाते हैं। रोटरी क्लब जेम्स रिवर (रिचमंड), वर्जीनिया, एकमात्र क्लब है जिसने समाज में 100 प्रतिशत सदस्यता हासिल की, और आपका क्लब भी ऐसा कर सकता है।

चलो फिर से उसे 10 गुना करें। जो रोटेरियन संस्थान को 10,000 डॉलर या उससे अधिक का भावी दान देने की प्रतिबद्धता करते हैं वे बिबेस्ट सोसाइटी से जुड़ते हैं। प्रमुख दानकर्ता वे होते हैं जो 10,000 डॉलर या उससे अधिक का दान कर चुके होते हैं। मुझे अब तक गर्व है कि ताइवान में रोटरी के शतवर्षीय समारोह के दौरान हमने 100 के हमारे लक्ष्य से बढ़कर 106 प्रमुख दानकर्ता जोड़े थे। अगले वर्ष शामिल किए गए 103 अतिरिक्त प्रमुख दानकर्ताओं के साथ, उन्होंने वार्षिक कोष में 2 मिलियन डॉलर से अधिक का योगदान दिया! इन दानकर्ताओं द्वारा किए गए दान पूरे समुदायों को परिवर्तित कर सकते हैं।

आर्च कल्म्फ सोसाइटी रोटरी में दान के सर्वोच्च स्तर की पहचान करता है, 250,000 डॉलर या उससे अधिक, जो आने वाली कई पीढ़ियों तक सैकड़ों नहीं बल्कि हजारों ज़िंदगियों को छुएगा। इस महीने, मैं इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय सभा में सम्मानित किए गए उन 11 व्यक्तियों एवं जोड़ों को सलाम करता हूँ जिन्होंने समाज के भीतर उनके देने के स्तर में वृद्धि की है। उनकी परोपकारिता का जश मनाने के लिए ये उदार समर्थक जापान, नाइजीरिया, ताइवान और यूनाइटेड स्टेट्स से आए थे।

अब, कल्पना कीजिए कि आपका क्लब क्या कर सकता है, आप कितना योगदान देना पसंद करेंगे, आप विरासत में क्या छोड़कर जाना पसंद करेंगे, और फिर दान देने के एक स्तर का चुनाव कीजिए। दान करने के लिए आप जो भी तय करेंगे, आपके क्लब जो भी लक्ष्य स्थापित करेंगे, याद रखिए कि आज जो दान हम देंगे वे रोटरी और समुदायों की इस वर्ष, अगले वर्ष, और आने वाले वर्षों में भी अनेक तरीकों से मदद करेंगे।

郭其志

गेरी सी के हुआंग
फाउंडेशन ट्रस्टी अध्यक्ष

स्वच्छता एवं सफाई को एक आदत बना लीजिये



हम मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। जब दुनिया कोविड-19 महामारी का मुकाबला कर रही है, मुझे थॉमस पैन के मशहूर शब्दों की

याद आ गई, “ऐसा वक्त आता है जो आदमी की आत्मा की परीक्षा लेता है।” जो हमें आसानी से मिल जाता है, उसकी हमें ज्यादा कद्र नहीं होती: हर चीज़ की बहुमूल्यता ही उसे उसका असली मूल्य देती है।

आज, पहले से कहीं अधिक, जब संगरोधन और एकांत कड़ी सच्चाई बन गए हैं, हम स्वच्छता एवं सफाई पर एवं जन जागरूकता की आवश्यकता पर विश्वास रखते हैं। डबल्यूएचओ ने बेशक बीती सदी में सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने एवं सफाई एवं स्वच्छता को बढ़ावा देने पर ध्यान केन्द्रित करने की आवश्यकता पर जोर दिया है। 2017 में, डबल्यूएचओ का अनुमान था कि दुनिया की आबादी में से कम से कम 2.3 बिलियन लोगों के पास अभी भी स्वच्छता सुविधाओं का अभाव है और 884 मिलियन लोगों के पास अभी भी सुरक्षित एवं स्वच्छ पेयजल तक पहुँच नहीं है।

रोटरी संस्थान, उसकी WASH पहल के माध्यम से, इस चुनौती को संबोधित करने के लिए सबसे आगे रहा है। 2013 से, TRF ने 100 से अधिक देशों में WASH स्टेशनों में निवेश किया है। इसने स्कूलों के लिए एक स्थायी जल, स्वच्छता, सफाई एवं शिक्षा चुनौतियों को विकसित करने के लिए रोटरी क्लबों को प्रेरित करने हेतु एक प्रायोगिक परियोजना की भी शुरुआत की है। इस प्रायोगिक परियोजना के लिए पाँच देशों का चुनाव किया गया है - केन्या (अफ्रीका), ग्वाटेमाला, होन्डुरास और बेलीज (मध्य अमेरीका) और भारत। स्कूल स्वच्छता प्रयासों में उनकी मजबूत, प्रतिबद्ध भागीदारी के लिए उनकी पहचान की गई थी।

यह TRF के ध्यानाकर्षण क्षेत्रों का हिस्सा भी था: जल, स्वच्छता एवं सफाई; और बुनियादी शिक्षा एवं साक्षरता।

मार्क एंटोनी, शेक्सपीयर के जूलियस सीज़र में, कहते हैं, आदमी जो बुरे काम करता है, वह उसके जाने के बाद भी जीवित रहते हैं; अच्छाई अक्सर उसके साथ ही दफन हो जाती है। हालांकि, ज़रूरी नहीं है कि यह सच हो। प्राचीन यूनान के त्रासदियों के महान लेखकों में से एक सोफोकल्स ने कहा था: अच्छे कर्म करना एक इन्सान का सबसे शानदार काम होता है। TRF ऐसा ही करता है - दुनिया में अच्छाई करना। और आज की दुनिया में अत्यधिक संयोजकता को देखते हुए, यह बहुतायत रूप से स्वीकार्य है कि रोटरी दुनिया को आपस में जोड़ती है।

दोस्तों, सुरक्षित रहो और स्वस्थ रहो।

गुलाम ए वाहनवती

गुलाम ए वाहनवती
फाउंडेशन ट्रस्टी

रोटरी क्लब कलकत्ता की परियोजनाएं और प्राथमिकताएं

रशीदा भगत

इस युगांतकारी वर्ष में रोटरी क्लब कलकत्ता द्वारा नियोजित 20 करोड़ की परियोजनाओं में, ध्यान स्पष्ट तौर पर स्वास्थ्य, स्वच्छता और साक्षरता पर दिया गया है। सेंट थॉमस होम एंड हावड़ा साउथ पॉइंट के माध्यम से झुग्गी में रहने वाले 100,000 बच्चों तक इस वर्ष के अंत तक टीकाकरण और स्वास्थ्य देखभाल पहुँचेगी; 700,000 बच्चों को पहले ही कवर किया जा चुका है। रेटिना संबंधी विकारों पर विशेष ध्यान देने के साथ 10,000 बच्चों की समय पर जांच और 1,000 बच्चों का ऑपरेशन भी एक अन्य परियोजना है।

क्लब के अध्यक्ष पूर्णेंद्र राय चौधरी कहते हैं कि एक अन्य शताब्दी वर्ष परियोजनाएं रवीन्द्रनाथ टैगोर इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियक साइन्सेस के साथ साझेदारी में दिल की सर्जरी की है। 700 से अधिक बच्चों एवं वयस्कों का ऑपरेशन किया जा चुका है और वर्ष के अंत तक हमें 1,000 के हमारे लक्ष्य को हासिल करने की उम्मीद है। साथ ही, मर्सी अस्पताल के लिए 271,000 डॉलर के उपकरण एक वैश्विक अनुदान के माध्यम से हासिल किए जा रहे हैं।

दो अन्य महत्वाकांक्षी परियोजनाएं हैं 200 आदिवासी बच्चों के लिए एक स्कूल छात्रावास, 1,000 शौचालयों एवं 300 बोर वेल का निर्माण करना।

वह आगे कहते हैं कि अन्य परियोजनाएं हैं गली के बच्चों के लिए दी हावड़ा साउथ पॉइंट ब्रिज स्कूल जिसके प्रतिपालक एक फ्रांसीसी पादरी है जो डोमिनिक लापियरे की किताब सिटी ऑफ जॉय की प्रेरणा थे।

भारत के अधिकांश वरिष्ठ रोटरी नेतृत्वकर्ताओं ने रोटरी क्लब कलकत्ता को उसके शताब्दी वर्ष की बधाई देते हुये 100 वर्षों की विरासत एवं ज़िम्मेदारी



रोटरी क्लब कलकत्ता के अध्यक्ष पूर्णेंद्र राय चौधरी उत्तर 24 परगनास में दत्तापुर्कुर गाँव में एक लाभार्थी के साथ। यहाँ क्लब की ओर से 120 शौचालय और 12 ट्यूबवेल लगाए जा रहे हैं।

का जिक्र किया जो इसके युवा अध्यक्ष चौधरी के कंधों पर है।

रोई निदेशक भरत पांड्या ने कोलकाता में क्लब के चार्टर दिवस के मौके पर अर्थपूर्ण ढंग से कहा: निस्संदेह, क्लब का अतीत उत्कृष्ट रहा है; हम अतीत पर गर्व करते हैं लेकिन अब भविष्य की ओर बढ़ने का समय है। नेतृत्व की मशाल अब आपके युवा अध्यक्ष चौधरी के हाथों में है। मैं आपसे आग्रह करता हूँ कि आप उस मशाल को थोड़ा ऊंचा रखें, उसे थोड़ा अधिक प्रज्वलित करें और उसे भावी पीढ़ियों तक पहुंचाएं।

चौधरी ठीक ऐसा ही करने की कोशिश कर रहे हैं, और उनकी इस वर्ष की अनेक प्राथमिकताओं में से एक है सदस्यों के बीच एक संबंध स्थापित करना, क्लबों को मजबूत बनाना और बाहर के व्यक्तियों से संपर्क स्थापित करना।

इस लक्ष्य की ओर काम करते हुये क्लब की शताब्दी समिति की अध्यक्षता करने वाले पूर्व अध्यक्ष सौमेन रे एशिया के ऐसे सभी विशिष्ट क्लबों के साथ जुड़ने का प्रयास कर रहे हैं जो 100 वर्ष के हो चुके हैं या शीघ्र ही होने वाले हैं। हम एक एशियाई टाइगर्स बैठक की योजना बना रहे हैं; शंघाई, मनीला, कलकत्ता और टोक्यो, जो अगले वर्ष 100 वर्ष पूरे कर लेंगे। हम इन क्लबों का एक संघ बना रहे हैं और पहली बैठक सेंटिनियल समिट में होगी, चौधरी कहते हैं।

लेकिन प्रसन्नता की बात यह है कि जमीनी स्तर पर सहयोग पहले से ही शुरू हो चुका है। शंघाई क्लब ने एक नाइजीरियाई बच्ची की पहचान की है जिसे दिल की सर्जरी की आवश्यकता है, जो कलकत्ता में की जाएगी, रे कहते हैं।



दार्जिलिंग के बरामंगवा में बुरी हालत में एक स्कूल। क्लब अपनी शताब्दी परियोजनाओं के रूप में लेप्चा और गोरखा जनजातियों के बच्चों को लाभान्वित करने के लिए स्कूल का पुनर्निर्माण कर रहा है।



चिल्ड्रेन्स ट्रीट परियोजना।

क्लब की स्कूलों का निर्माण करने को लेकर भी बड़ी योजनाएँ हैं। पोलियो के बाद, हम साक्षरता को अगली बड़ी चीज के रूप में देखते हैं इसलिए हम ब्रिज स्कूलों का निर्माण करना चाहते हैं। ऐसे दो स्कूलों का कार्य प्रगति पर है और पुरुलिया में तीसरे स्कूल को खोलने की योजना बनाई जा रही है।

पहला स्कूल हावड़ा में एक जर्मन क्लब (रोटरी क्लब कौफ़ुरेन-ओस्टलो) के साथ साझेदारी में एक वैश्विक अनुदान के माध्यम से बनाया जा रहा है, और दूसरा दार्जिलिंग में बनाया जा रहा है।

क्या वह 100-वर्षों की विरासत का भार महसूस करते हैं? बिल्कुल नहीं, क्योंकि सदस्य काम साझा कर रहे हैं; ऋत्विक् गुप्ता द्वारा इतिहास की किताबों को अंतिम रूप दिया जा रहा है, और परियोजना का नेतृत्व एक 61 वर्षीय रोटेरियन पीडीजी रोहतगी

कर रहे हैं, और वह 61 वर्ष के लगते ही नहीं हैं, चौधरी कहते हैं, अपने वरिष्ठ सदस्य की ओर इशारा करते हुये जिनके बाल सफेद होना अभी बाकी है!

क्या आप अपने बालों को ड्राई करते हैं, मैं रोहतगी से पूछता हूँ। जब वह मुस्कराते हुये अपना सर हिलाते हैं, उनकी पत्नी प्रभा कहती हैं: कभी नहीं, पूरे परिवार के बाल ऐसे ही हैं। उनकी माँ का एक भी बाल कभी सफेद नहीं हुआ। खैर, मैं 50 का हूँ और मेरे बाल अभी से सफेद हो गए हैं, चौधरी आह भरते हैं। अपना साल खत्म करो, और यदि तुम्हारा एक भी बाल बच गया तो तुम भाग्यशाली होगे, वरिष्ठ चुटकी लेते हैं।

मज़ाक से अलग, चौधरी आगे कहते हैं, सौमेन रे के नेतृत्व में लगभग 40 क्लब सदस्य मेरी ज़िम्मेदारी साझा कर रहे हैं! वह कहते हैं कि कई वर्षों से क्लब सदस्य कलकत्ता के समीप बिष्णुपुर RCC में एक स्कूल पर काम कर रहे हैं और हाल ही में हमने श्री अरविंदो शिक्षा केंद्र रोटरी प्राथमिक स्कूल का निर्माण किया है। अब हमारी योजना बिष्णुपुर को एक आदर्श RCC बनाने की है, सौमेन रे कहते हैं।

सोने पर सुहागा बेशक क्लब की सबसे प्रिय परियोजना - चिल्ड्रेन्स ट्रीट - है जो 95 वर्षों से चल रही है, और जो हर क्रिसमस पर एक विशेष दावत प्राप्त करने वाले उन 1,500 बच्चों से अधिक उस परियोजना में शामिल होने वाले रोटेरियनों, उनकी एन्स और रोटरेक्टर्स को खुशी देती है। ■

श्रीलंका में रोटेरियन उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं: मलोनी

रशीदा भगत

कोलंबो में पूर्व गवर्नर, रोटरेक्टर, और इंटरेक्टर और रो इ मंडल 3220 के अन्य रोटरी नेताओं की बैठक को संबोधित करते हुए, रो इ अध्यक्ष मार्क मलोनी ने कहा कि रो इ अध्यक्ष होने की एक बढ़िया बात यह थी कि मुझे और गे को दुनिया की यात्रा करते हुए पूरे संसार के रोटेरियनों द्वारा किये जा रहे उत्कृष्ट कार्य को देखने का, उनकी फ़ेलोशिप और प्रतिबद्धता का अनुभव करने का मौका मिला था।

सुबह, इससे पहले, उन्होंने दो बड़ी परियोजनाओं का दौरा किया, विकलांग बच्चों के लिए रोटरी क्लब कोलंबो वेस्ट द्वारा की गई ग्लोबल ग्रांट परियोजना, अयति सुविधा केंद्र, और लेडी रिजवे अस्पताल स्थित ह्यूमन हार्ट वाल्व बैंक, रोटरी क्लब कोलंबो द्वारा की जा रही एक अन्य ग्लोबल ग्रांट परियोजना, उन्होंने कहा था -

श्री लंका में और बाकी दुनिया में रोटेरियन जिस तरह के अद्भुत कार्य कर रहे हैं, उन्हें देख कर आश्चर्य होता है। मेरे मंडल में, सबसे बड़े क्लबों में

से एक है रोटरी क्लब बर्मिंघम, जिसमें 640 सदस्य हैं और PRIP के आर रविन्द्रन उस रोटरी क्लब के मानद सदस्य हैं। पिछले कई वर्षों से रोटरी क्लब बर्मिंघम और कोलंबो दोनों ने कई परियोजनाओं में भागीदारी की है, जिनमें, मेरी राय में, सबसे महत्वपूर्ण है श्रीलंका से सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन परियोजना। मैं इस परियोजना से इतना प्रभावित हूं कि मैंने रवीन्द्रन और रोटरी क्लब बर्मिंघम के डॉ दु को इंटरनेशनल असेंबली 2020 में आगामी सभी गवर्नरों के समक्ष इस परियोजना को प्रदर्शित करने

बाएँ से: रोटेरियन कुमार नदेसन, TRF ट्रस्टी चेंबर इलेक्ट के आर रविन्द्रन, श्रीलंका में अमेरिका के राजदूत अलाइना टेपलिट्ज़, रो ई अध्यक्ष मार्क मलोनी और गे।





बाएँ से: विनीता, RIDN ए एस वेंकटेश, PRID सी भास्कर, TRF ट्रस्टी चयर इलेक्ट के आर रविंद्रन और रो ई मंडल 3070 के DG सुनील नागपाल ।

के लिए, विशेष रूप से कहा था। व्यक्तिगत संबंध कितने महत्वपूर्ण होते हैं, मलोनी ने कहा कि 1994 में जब रविंद्रन (उस समय पीडीजी) को लगातार दूसरे वर्ष इंटरनेशनल असेंबली में प्रशिक्षण नेता के रूप में आमंत्रित किया गया था, उसी असेंबली में, एक और पूर्व गवर्नर थे, अलबामा के, उन्हें पहली बार प्रशिक्षण नेता बनने का निमंत्रण मिला था। और वह युवा पीडीजी और कोई नहीं बल्कि मैं ही था, और मेरे से वरिष्ठ रवि के साथ तब मैंने मुश्किल वक्त गुजारा था, काम के मामले में वो बहुत सख्त थे और आज भी वो मुझे चैन से नहीं बैठने देते ! लेकिन आगामी जुलाई से ट्रस्टी चयर के रूप में हम उनके नेतृत्व का इंतजार कर रहे हैं। आगामी रोटरी वर्ष 20-21 में रोटरी फाउंडेशन उनसे बेहतर हाथों में नहीं हो सकता।

मलोनी ने कहा कि रवींद्रन पहले भी टीआरएफ के प्रबंधन के लिए काफी मंथन कर चुके हैं। उन्होंने महसूस किया कि इस वक्त पोलियो का उन्मूलन हमारे लिए कितना महत्वपूर्ण है। हाल ही में पाकिस्तान में वह और निर्वाचित अध्यक्ष होलार नैक पाकिस्तान के प्रधान मंत्री और सेना प्रमुख के

साथ चर्चा कर रहे थे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हम दुनिया के उस अशांत क्षेत्र में पोलियो उन्मूलन का पटाक्षेप करें।

रो इ अध्यक्ष ने ये भी कहा कि, रवींद्रन अपने व्यवसाय की बारीकियों को टीआरएफ में भी लागू करेंगे और इस सुनियोजित संस्थान का संचालन दक्षता के साथ करेंगे।

रोटेरियन और रोटरेक्टरों के नेतृत्व कौशल के प्रशिक्षण कार्यक्रम में टोस्टमास्टर्स इंटरनेशनल और

श्रीलंका जैसे, 1.6 मिलियन लोगों का प्रतिनिधित्व करने वाले छोटे देश में, किसी अंतरराष्ट्रीय संगठनों के दो नेताओं का होना इस देश के लिए निश्चित ही एक बड़ी उपलब्धि है!

मार्क मलोनी

रो इ अध्यक्ष

मंडल की साझेदारी की प्रशंसा करते हुए, मलोनी ने सभागार में टोस्टमास्टर्स इंटरनेशनल के पूर्व अध्यक्ष बलराज अरुणासलन की उपस्थिति का उल्लेख किया और चुटकी ली: आपके पास इस हाल में यहां टोस्टमास्टर इंटरनेशनल और रोटरी इंटरनेशनल दोनों के पूर्व अध्यक्ष मौजूद हैं और दोनों श्रीलंका से हैं? मुझे लगता है कि ये आपके सामर्थ्य से कहीं अधिक है! अमेरिका में तो बहुत सारे रो इ अध्यक्ष हैं। लेकिन श्रीलंका जैसे, 1.6 मिलियन लोगों का प्रतिनिधित्व करने वाले छोटे देश में, किसी अंतरराष्ट्रीय संगठनों के दो नेताओं का होना इस देश के लिए निश्चित ही एक बड़ी उपलब्धि है!

उन्होंने कहा: आज हम उस पड़ाव पर पहुँच गए हैं जहाँ हम अकेले नहीं कर सकते, हमें साझेदारी करनी ही होगी। जिस तरह पोलियो में हमने गेट्स फाउंडेशन, डब्ल्यूएचओ, यूनिसेफ, आदि के साथ साझेदारी की थी, ऐसी ही अद्भुत साझेदारी के माध्यम से, दोनों संगठनों के बीच सामंजस्य बिठा कर, हम रोटरी का विकास कर उस के प्रभाव को बढ़ा सकते हैं।

चित्र: रशीदा भगत

कोलंबो में रो ई अध्यक्ष



ऊपर: PDG गण सेम मोवा और टी एन सुब्रमणियन के साथ RI अध्यक्ष मलोनी।

दाएं : गे मलोनी ने अपना जन्मदिन कोलंबो में मनाया।

मलोनी



ऊपर: (बाएं से) TRF ट्रस्टी चैयर इलेक्ट के आर रविंद्रन, वानती, अध्यक्ष मलोनी और गे।

बाएं: रो ई अध्यक्ष मार्क मलोनी और गे, वानती और TRF ट्रस्टी चैयर इलेक्ट के आर रविंद्रन, रोटरी क्लब कोलंबो वेस्ट के सदस्य अजय अमलीन, DG सेबेस्टियन करुणाकरण और रोटरी क्लब कोलंबो वेस्ट के अध्यक्ष प्रवीर सामरासिंहे के साथ आयथि ट्रस्ट में।



एक रोटरी कार्यक्रम ...
चेन्नई में नहीं बल्कि
कोलंबो में।

चित्र: रशीदा भगत

रोटरी श्रीलंका में अयति ट्रस्ट के माध्यम से विशेष बच्चों में आशा की किरण जगाता है

रशीदा भगत

विशेष बच्चों की हर जगह वही पुरानी कहानी है ...

जिन्हें आम तौर पर सामान्य समुदाय से अलग रखा जाता है जिसे विकलांगता की या तो बहुत कम जानकारी है या बिल्कुल नहीं है। श्रीलंका भी इसका अपवाद नहीं है; और कुछ साल पहले, श्रीलंका

के रोटेरियनों ने श्रीलंका सरकार, अपनी सेना, चिकित्सा और शैक्षणिक संस्थानों और बड़े कॉर्पोरेट्स के साथ मिल कर विशेष बच्चों के लिए एक अनूठी परियोजना में सहयोग करने का निर्णय किया।

इस बड़ी साझेदारी के परिणामस्वरूप, मानसिक और शारीरिक दोनों तरह के विकलांग

बच्चों के लिए एक आकर्षक, जीवंत, दक्षतापूर्ण संचालित सुविधा केंद्र विशाल क्षेत्र में फैला हुआ है, जिसे बिल्कुल उपयुक्त नाम दिया गया है अयति (संस्कृत अर्थ आशा)। कोलंबो विश्वविद्यालय, हेमास होलिंग्स, MAS होलिंग्स (श्रीलंका में दोनों ब्लू चिप कम्पनियां हैं) और रोटरी श्रीलंका

के पारस्परिक सहयोग से स्थापित ये एक धर्मार्थ ट्रस्ट है, उच्च कोटि का आधुनिकतम ये नया सुविधा केंद्र विशेष बच्चों की जांच, इलाज, इंटरवेंशन और उपचार के लिए कई सुविधाएं उपलब्ध करवाने की तैयारी कर रहा है।

कोलंबो की अपनी हालिया यात्रा के दौरान, रो इ अध्यक्ष मार्क



बाएँ से: वानती, TRF ट्रस्टी चैयर इलेक्ट के आर रविंद्रन, गे और रो इ अध्यक्ष मार्क मलोनी।

मलोनी ने रोटरी क्लब कोलम्बो
वैस्ट द्वारा किए गए टीआरएफ
वैश्विक अनुदान द्वारा वित्त पोषित
अयति परिसर में आधुनिक
उपकरणों से सुसज्जित ध्वनि केंद्र
का उद्घाटन किया।

परियोजना का विवरण देते
हुए, आगामी ट्रस्टी अध्यक्ष के आर
रवींद्रन ने विस्तार से समझाया कि
3 मिलियन डॉलर का यह केंद्र दो
एकड़ भूमि क्षेत्र में फैला हुआ है
और 42,000 वर्ग फीट में बनाये
गए परिसर में मुफ्त सेवाएं प्रदान
करेगा और संभव है कि यह दक्षिण
एशिया के सर्वश्रेष्ठ केंद्र में से एक
होगा।

इस परियोजना के लिए कोलंबो
विश्वविद्यालय ने भूमि उपलब्ध कराई
थी। श्रीलंका की सेना द्वारा परिसर
का निर्माण 13 महीनों में किया



विकलांगता से जुड़ा कलंक

उपस्थित श्रोताओं को विकलांगता से जुड़े
कलंक का क्या स्तर है इस का अंदाजा
लगाने के लिए, अयति ट्रस्ट के कार्यकारी
निदेशक शिरोमि मासाकोराला ने, जो बाल
मनोवैज्ञानिक भी हैं, कुछ हृदय विदारक किस्से
सुनाये। इस सुविधा केंद्र की स्थापना के दौरान,
उन्होंने दक्षिण श्रीलंका के गहन क्षेत्रों में एक
जागरूकता अभियान चलाया और वहां एक माँ
ने धन्यवाद देते हुए, कहा: 'हर माँ चाहती है कि
उसका बच्चा 400 साल जिए, लेकिन मैं चाहती
हूँ कि मेरा बेटा मेरी मृत्यु आने के एक घंटा
पूर्व ही इस दुनिया से चल बसे।'

अयती की एक प्रमुख दान दाता, उनकी
कंपनी, हेमास होल्डिंग्स, बच्चों के लिए कई प्ले
स्कूल चलाती है और उनमें से एक बच्चे की माँ
ने उनसे कहा: मैं अपने बेटे को आपके केंद्र में
लाने के लिए 3 किमी चलती हूँ। फिर भी मेरे
लिए बस इसलिए नहीं रुकती है क्योंकि मेरा बेटा
मशकल से बदसूरत म दिखता है ... उसे सुबह-
सुबह देखना हर किसी को अपशुन लगता है।
लेकिन मेरे लिए तो वो सबसे कीमती रत्न है

एक और माँ ने अपनी छोटी विकलांग बेटी
की तरफ देखते हुए उससे कहा: मेरी प्यारी बेटी
जब तुम मेरे गर्भ में थीं मैंने बहुत सारे सपने देखे
थे पर वो केवल सपने थे और इस दुनिया में
तुम अपने पाप भुगतने के लिए आई हो। लेकिन
तुम जैसी जो भी हो, मैं तुम्हें बहुत चाहती हूँ
और तुम्हारी देखभाल करूंगी; दुर्भाग्य से तुम्हारे

पिता और उनके परिवार ने हमें अपने हाल पर
जीने के लिए छोड़ दिया है। लेकिन मैं तुम्हारे
साथ मरते दम तक रहूंगी।

एक बार की बात है, शिरोमी ने कहा, एक
नदी के पास उसने एक बच्चे को पेड़ से रस्सी
से बंधा हुआ पाया, जबकि माँ करीब ही काम
कर रही थी। तो मैंने माँ से पूछा और उसने कहा
कि मेरे परिवार ने हमें छोड़ दिया है क्योंकि मेरा
बच्चा मानसिक रोगी है, इसलिए दोनों का जीवन
यापन करने के लिए मुझे काम करना होगा।
पर मैं उसे खुला नहीं छोड़ सकती, क्योंकि उसे
संभालने वाला कोई नहीं है और वह नदी में कूद
सकता है, इसलिए उसे पेड़ से बांधने के अलावा
मेरे पास और कोई चारा नहीं है। इसकी कल्पना
कर सकते हैं आप?

इसके अलावा, उनके प्ले स्कूलों में, वे अक्सर
देखते हैं कि यदि एक विकलांग बच्चे को भर्ती
कराया जाता है, तो अन्य माता-पिता अपने
बच्चों को निकाल कर ले जाते हैं। यह स्तर है
विकलांगता से जुड़े अभिशाप का।

इसलिए अयति को पैसे देने के अलावा,
रोटरियन कैसे मदद कर सकते हैं, मैं उससे
पूछती हूँ। ओह, विकलांगता से जुड़े अभिशाप
को मिटाने के लिए सामाजिक अभियान चला कर
वे बड़े पैमाने पर मदद कर सकते हैं। आखिरकार,
उन्होंने श्रीलंका से पोलियो का उन्मूलन किया है
और निश्चित रूप से इस में भी मदद कर सकते
हैं, उसने जवाब दिया।

गया। इस में हेमास और MAS
होल्डिंग्स ने 600,000 डॉलर के दो
बड़े निवेश किये हैं और रोटरी के
सदस्य इन दोनों कंपनियों के मुख्य
बोर्ड में हैं। रोटरी कोलंबो वैस्ट ने
टीआरएफ वैश्विक अनुदान के साथ
भारत और अमेरिका के मंडलों से
मिले डीडीएफ सहयोग के साथ

लगभग 400,000 डॉलर मूल्य के
उपकरण उपलब्ध कराए हैं।

परिचालन और रखरखाव
की सारी लागत विश्वविद्यालय
का मेडिसिन संकाय उठाएगा।
यह विकलांगता अध्ययन के
क्षेत्र में प्रशिक्षित पेशेवर उपलब्ध
करवाएगा। यहां सभी श्रेणी के

विकलांग (शारीरिक और मानसिक)
की प्रारंभिक जांच और इंटरवेंशन
की जाएगी जिसमें वाक् चिकित्सा
और भाषा थेरेपी, ऑडियोलॉजी,
फिजियोथेरेपी, फैमिली थेरेपी,
व्यावसायिक थेरेपी आदि शामिल
हैं। यह केंद्र माता-पिता और
विकलांग की देखभाल करने वाले

सहायकों को मार्गदर्शन भी प्रदान करेगा। केंद्र के शुरू होने से पूर्व ही देश भर से 5,000 से अधिक बहिरंग रोगी (बच्चे) पंजीकृत हो चुके हैं, रवींद्र ने कहा।

अयति ट्रस्ट के कार्यकारी निदेशक शिरोमि मासकोराला ने कहा कि देश में विकलांग बच्चों को समाज के महत्वपूर्ण और उपयोगी सदस्य बनाने के लिए उन्हें प्रशिक्षित कर, व्यावसायिक कौशल सिखाने की बहुत ज़रूरत है।

आंकड़ों का जिक्र करते हुए, वो बोली कि जब 2016 में इस तरह का सुविधा केंद्र बनाने का विचार आया, तो हमने व्यापक रूप से सर्वेक्षण किया और पाया कि श्रीलंका में लगभग 20 प्रतिशत बच्चे - प्रत्येक पांच में से एक बच्चा - किसी ना किसी रूप में विकलांग था। वैश्विक स्तर पर देखें तो 2 से 5 प्रतिशत बच्चों में प्रमस्तिष्क पक्षाघात (सेरेब्रल

पाल्सी) है और 18 फीसदी को डिस्लेक्सिया है। श्रीलंका में, अमूमन वे नहीं जानते कि डिस्लेक्सिया क्या है, और बच्चा या तो अलग-थलग रहेगा या मंद बुद्धि या मंद गति से सीखने वाला कहलायेगा और दरकिनार कर दिया जाएगा।

यदि ऐसे बच्चों की पहचान कम उम्र में हो सके तो इलाज के बाद प्रशिक्षित कर उन्हें समाज की मुख्यधारा में जोड़ा जा सकता है, यहां तक कि नियमित स्कूलों में भेजा जा सकता है। हमारा उद्देश्य यहां ऐसी सुविधाएं उपलब्ध करवाना है; जहां पूरे देश से बच्चों को उपचार के लिए इस केंद्र में भेजा जाएगा, दिन के क्लिनिक में चिकित्सकों की (मल्टी स्पेशलिटी) टीम द्वारा उनकी जांच की जाएगी, जिसके बाद विकलांग बच्चों को व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जाएगा जो विशेष रूप से उनके लिए

बनाया गया है। बाल रोग विशेषज्ञों द्वारा जांच करने के बाद उनका उपचार किया जाएगा।

बच्चों के लिए मजेदार मनोरंजक खिलौने और रोचक सामग्री से भरपूर इस अत्याधुनिक सुविधा संपन्न केंद्र में सबसे अच्छी बात यह है कि भले ही यह मेडिसिन संकाय के अंतर्गत आता हो, पर यह अस्पताल के भीतर नहीं है, बल्कि एक सामुदायिक इकाई है, इसलिए बच्चे यहां बीमार या रोगी महसूस नहीं करते। यहाँ हम विभिन्न प्रकार की अक्षमताओं, कमियों और विकलांगताओं का इलाज कर बच्चों को क्रियात्मक रूप से सक्षम बना सकते हैं, उन्होंने कहा।

इस केंद्र के भ्रमण के दौरान वरिष्ठ रो इ नेताओं की टीम को विशेषज्ञों ने प्रशिक्षण के विभिन्न तरीकों के बारे में बताया, गे मलोनी को बच्चों के साथ बातचीत करते



बाएँ से: अध्यक्ष मलोनी, गे, प्रवीर समरसिंघे, अध्यक्ष, रोटरी क्लब कोलम्बो वेस्ट, डीजी सेबेस्टियन करुणाकरण, रो ई मंडल 3070 के डीजी सुनील नागपाल, शिरोमि मासाकोराला, अयति ट्रस्ट की कार्यकारी निदेशक, रोटरी क्लब कोलंबो वेस्ट के रोटेरियन अजय अमलियन, ट्रस्टी चेयर इलेक्ट के आर रवींद्रन, वानती, रोटरी क्लब कोलंबो के रोटेरियन अब्बास एसूफअली और RIDN ए एस वेंकटेश।



ट्रस्टी चेयर इलेक्ट के आर रवींद्रन एक बच्चे को ट्रम्पोलिन पर खेलते हुए देखते हैं। तस्वीर में अध्यक्ष मलानी भी चित्र में शामिल हैं।



और उनके साथ खेलते हुए देखा जा सकता था।

शिरोमि ने कहा कि इन बच्चों को समाज की मुख्यधारा में जोड़ने में सबसे बड़ी चुनौती है विकलांगता से जुड़ी हुई कुरीति, मान्यताएं, केवल श्रीलंका या एशिया में ही नहीं बल्कि दुनिया के विकसित देशों में भी ऐसी मान्यताएं हैं। एक ओर जहां इन विशेष बच्चों के साथ उचित व्यवहार करने के लिए प्रशिक्षित पेशेवरों की कमी है, वहीं दूसरी ओर देखभाल करने वालों, अभिभावकों और शिक्षकों के लिए उचित सहयोग, व्यवस्था

और प्रोत्साहन की कमी है। फिर ये नकारात्मकता भी व्याप्त है; जब एक बच्चा विकलांग पैदा होता है, तो माता-पिता और पूरा परिवार हताश हो जाता है, असहाय हो जाता है, उसे ठीक करने के लिए हर तरह की चीजों पर पैसा खर्च करना शुरू कर देता है। ऐसे माता-पिता, और देखभाल करने वालों में उम्मीद की किरण जगाने के लिए ही हमने अपने ट्रस्ट का नाम अयति रखा है।

प्रगति करते हुए, अयति बोर्ड यह सुनिश्चित करना चाहता है कि यह न केवल विश्वस्तरीय उत्कृष्ट

सुविधा केंद्र बने बल्कि लम्बे समय तक टिकाऊ भी बना रहे इसलिए सार्वजनिक और निजी भागीदारी का बहुत महत्व है। साथ ही, स्वास्थ्य मंत्रालय इस अवधारणा को अन्य शिक्षण अस्पतालों तक ले जाने की योजना बना रहा है। एक आवासीय केंद्र की योजना भी बनाई जा रही है क्योंकि इस केंद्र में समस्त श्रीलंका से लोग आते हैं।

रोटरी द्वारा वित्त पोषित, पूर्ण सुविधायुक्त ऑडीयोलॉजी सेंटर का उद्घाटन करते हुए, रोड अध्यक्ष मैलोनी ने कहा, रोटरी

विकलांगता से जुड़े अभिशाप
को मिटाने के लिए सामाजिक
अभियान चला कर रोटरी बड़े
पैमाने पर मदद कर सकती हैं।

शिरोमि मासाकोराला

अयति ट्रस्ट की
कार्यकारी निदेशक

विभिन्न संस्थाओं के साथ मिल कर दुनिया भर के रोटरियनों को आपस में जोड़ती है, विकलांग बच्चों के लिए बनाया गया यह विश्व स्तरीय केंद्र इस का उत्कृष्ट उदाहरण है। रोटरी के लिए कितने गर्व का दिन है।

पीआरआईपी रवींद्र ने कहा कि यह परियोजना उस स्तर की है जो अगले साल टीआरएफ द्वारा शुरू की जाने वाली बड़े पैमाने की नई परियोजनाओं के समकक्ष खड़ी होगी। यह कार्यक्रम रोटरी क्लबों को और बड़ा सोचने और सह-भागीदारों और प्रायोजकों को समाज के प्रमुख मुद्दों के विस्तृत समाधान में शामिल करने के लिए प्रोत्साहित करेगा, जिसका फायदा आबादी के बड़े हिस्से तक पहुंचेगा। इस मामले में सम्पूर्ण राष्ट्र की सेवा की जाएगी।

इसके पश्चात, अध्यक्ष मैलोनी कोलम्बो के लेडी रिजवे अस्पताल भी गए, जहां उन्होंने रोटरी क्लब कोलम्बो फोर्ट द्वारा एक वैश्विक अनुदान के माध्यम से स्थापित एक मानव हृदय वाल्व और ऊतक बैंक (ह्यूमन हार्ट वाल्व एंड टिश्यू बैंक) का दौरा किया। यहां मानव हृदय वाल्वों का सृजन कर रखा जाता है और जिन बच्चों के वाल्व खराब हैं उन में प्रत्यारोपित किया जाता है। हृदयरोग विशेषज्ञ ने अतिथियों को बताया कि कृत्रिम हृदय वाल्व या जानवरों से लिए गए वाल्व का उपयोग भी कर सकते हैं, ये वाल्व जल्दी निष्क्रिय हो सकते हैं, जबकि मानवों से लिए वाल्व अधिक



गे अयती कॉम्प्लेक्स में एक विशेष बच्चे के साथ।

समय तक चलते हैं, और जहाँ कहीं भी दोनों उपलब्ध होते हैं, इन्हें प्राथमिकता दी जाती है।

इस तरह के वाल्वों को मृत्यु के 24 घंटों के भीतर शव से अलग किया जाता है और यहां तक कि वयस्क के वाल्व का इस्तेमाल बच्चों में भी किया जा सकता है। इस बैंक में बहुत ठंडे तापमान पर इन्हें एक साल तक संग्रहीत किया जा सकता है; वर्तमान में हमारे पास प्रयोग करने योग्य चार हृदय वाल्व रखे हैं। निकाले गए सभी वाल्व का उपयोग नहीं किया जा सकता है; यह सुनिश्चित करने के लिए कि वाल्व में कोई जीव

नहीं हैं, हमें एक कल्चर टेस्ट करना होता है। ज़रा भी संदेह होने पर हम वाल्व का उपयोग नहीं करते, एक डॉक्टर ने बताया।

लेकिन श्रीलंका के सम्बन्ध में अच्छी बात यह है कि उसके नागरिक बिना किसी हिचकिचाहट के अपने अंग दान करते हैं; आज तक किसी भी व्यक्ति ने अंग दान के लिए मना नहीं किया है।

चित्र: रशीदा भगत
एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा



A new assignment for PRID Desai

PRID Manoj Desai is appointed by RI as one of the six members of the Operations Review Committee which is chaired by PRID Karen Wentz. The assignment is for a six year term and involves reviewing the effectiveness and efficiency of operations, administrative procedures, standards of conduct and other operational functions as assigned by the Board. This committee also serves as the advisory compensation committee to the Executive Committee.

Rotary News Subscription Remittances

You can pay the Rotary News / Rotary Samachar subscription online

Our Bank details:

Bank : HDFC Bank
SB Account

Branch : Montieth Road
Egmore, Chennai

A/c Name : Rotary News Trust

A/c No. : 50100213133460

IFSC Code : HDFC0003820

E mail us following details:

Name of Club

President/Secretary's name

Amount/Date of transfer/UTR Number

For physical payment by cheque or cash in bank, write **Club Name only** without prefixing "Rotary club of". Eg. Rotary Club of Delhi Central should be written: Delhi Central.

Membership Summary

As on March 2, 2020

RI District	Rotary Clubs	No of Rotarians	Women Rotarians	Rotaract Clubs	*Interact Clubs	RCC
2981	114	4,893	254	48	35	223
2982	67	3,122	162	84	82	55
3000	130	5,510	522	187	249	211
3011	88	3,696	939	51	83	25
3012	102	3,772	952	53	69	59
3020	73	4,260	244	54	54	350
3030	94	5,097	688	100	159	287
3040	89	2,102	245	37	45	144
3053	64	2,825	488	19	39	99
3054	128	6,186	1,146	79	137	502
3060	96	4,523	665	55	59	143
3070	106	3,170	445	45	20	58
3080	84	3,477	320	89	136	115
3090	79	2,070	56	37	5	122
3100	99	2,666	377	13	13	146
3110	123	3,736	328	28	7	105
3120	79	3,345	469	42	18	53
3131	135	5,505	1,225	103	171	116
3132	84	3,520	375	33	81	158
3141	103	5,780	1,402	116	129	87
3142	93	3,369	700	79	115	65
3150	93	3,645	382	58	121	116
3160	72	2,497	171	28	3	83
3170	128	5,767	735	75	187	169
3181	81	3,575	347	63	192	118
3182	83	3,203	266	46	90	97
3190	128	5,069	744	137	133	60
3201	145	5,673	459	104	72	50
3202	129	5,257	327	84	243	46
3211	143	4,649	349	8	23	132
3212	103	4,219	333	101	183	146
3231	92	3,798	457	51	71	357
3232	127	5,147	896	127	184	92
3240	90	3,117	418	50	365	190
3250	101	3,949	705	62	63	182
3261	72	2,655	379	16	18	43
3262	105	3,632	431	46	36	77
3291	155	3,852	808	86	84	616
India Total	3,877	1,52,328	20,209	2,494	3,774	5,697
3220	70	1,973	281	82	123	73
3271	93	1,537	278	63	19	22
3272	150	1,814	311	52	15	43
3281	221	5,934	927	227	45	195
3282	167	4,934	647	154	38	44
3292	124	4,992	792	132	111	115
S Asia Total	4,702	1,73,512	23,445	3,204	4,125	6,189

Source: RI South Asia Office



**Rotary
India
Centennial
Summit
2020**

मिनी-कोलकाता ने शतवर्षीय शिखर सम्मेलन में बिखेरा जादू

वी मुत्तुकुमारण

वक्ताओं, सत्रों और देर-रात तक पार्टी करने के बहुत समय बाद जब सब शांत होकर धुंधली याद बनकर रह गया, तब भी एक चीज़ हमारे दिलों में चमकती रही। जी हाँ, हाउस ऑफ़ फ्रेंडशिप, जिसे कोलकाता का अड्डा ज़ोन भी कहा गया, कोलकाता में रोटरी भारत के शतवर्षीय उत्सव का मुख्य आकर्षण रहा।

हाउस ऑफ़ फ्रेंडशिप में देखे गए तीन दिवसीय सौहार्द और समागम ने प्रतिनिधियों को सक्रिय रखा, नए मित्र बनाने के लिए उत्तेजित किया, सर्वोत्तम अभ्यासों पर विचार साझा किए, स्वादिष्ट कोलकाता भोजन एवं पारंपरिक भारतीय भोजन को डट कर खाया, विभिन्न दुकानों से खरीदारी की, और इन सबसे ऊपर, संगीत और

नृत्य का आनंद लिया क्योंकि दिन के अंत में वे तनावमुक्त हो गए थे। हम हमारे प्रतिनिधियों को जीवन में एक बार मिलने वाला अनुभव प्रदान करना चाहते थे और हाउस ऑफ़ फ्रेंडशिप को ऐसा माहौल बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया था जो तीनों दिन ज्यादा से ज्यादा लोगों को शामिल होने हेतु आकर्षित करें, हाउस ऑफ़ फ्रेंडशिप समिति के प्रमुख पीडीजी वी राजा सीनिवासन ने कहा।

मोटे तौर पर, आंतरिक स्थल को चार भागों में विभाजित किया गया था - फूड कोर्ट; बैठने की व्यवस्था वाला मंच; हाउस ऑफ़ फ्रेंडशिप के स्टाल; और एक सुसज्जित प्रतीक्षालय - जो सारा दिन हलचल और शोरगुल से गुंजाएमान था। रोटरी परियोजनाएँ (77 स्टाल), व्यावसायिक बूथ



नर्तक रो ई अध्यक्ष मार्क मलोनोनी और गे का हूफ ऑफ़ फ्रेंडशिप में स्वागत करते हुए। चित्र में RID कमल सांघवी, सोनल और RIPN शेखर मेहता भी शामिल हैं।



बाएं से: शताब्दी शिखर सम्मेलन के सचिव किशोर कुमार, PDG टिक्कू, शोभा किशोर, और डीजी एम वीराभद्र रेड्डी HoF फूड कोर्ट में भोजन का आनंद लेते हुए।



(14) और कोलकाता बाजार (14 प्रदर्शनी) सब मिलाकर अड्डा ज़ोन में कुल 105 स्टाल हो गए थे।

उत्कृष्ट परियोजनाएं

रोटरी भारत की कुछ प्रमुख और प्रसिद्ध परियोजनाओं जैसे TEACH, पोलियोप्लस, एलएन4 और जयपुर लिम्बस, हृदय सर्जियाँ, WASH कार्यक्रम, और हैप्पी स्कूल के अलावा रो ई मंडल 3291, 3030, 3170, 3201, और 3012 के बृथ आंतरिक क्षेत्र के आधे हिस्से में प्रदर्शित किए गए थे। कोलकाता बाज़ार को आनंद के शहर की सड़कों और गलियों की खरीदारी का एहसास दिलाने के लिए डिज़ाइन किया गया। शतवर्षीय बैठक ने प्रतिनिधियों को गद्दीदार असबाब पर बैठकर तनाव मुक्त होने, शांत रहने और अनौपचारिक वार्तालाप करने में मदद की, सीनिवासन ने कहा। एक अन्य मंच पर, बॉलीवुड संगीतों के सम्मिश्रण और सामूहिक नृत्य ने दर्शकों को प्रसन्न किया।

फूड कोर्ट में, विभिन्न भारतीय पकवानों, इतालवी, चीनी और यूरोपीय व्यंजनों के 20 फूड स्टालों ने रोटेरियनों की स्वाद कलिकाओं को उत्तेजित किया।

शतवर्षीय शिखर सम्मेलन के हाउस ऑफ़ फ्रेंडशिप ने एक दिन में करीब 4,000 लोगों को आकर्षित किया, जिसमें अद्वितीय फेलोशिप का मजा लेने के लिए कई प्रतिनिधि एक दिन में कई बार आए।



ऊपर: प्रतिनिधि एक सेल्फी के लिए पोज देते हुए।

बाएं: DGE एस मुथुपालान्यप्पन और उनकी पत्नी कमला।

नीचे: अध्यक्ष मलोनी एक नर्तक में भाग लेते हुए।



शहर के ऐतिहासिक स्थल

वास्तव में, मिनी कोलकाता के एक पुरानी ट्राम और हाथ से खींचने वाले एक रिक्शा के मॉडल प्रतिनिधियों के लिए बड़ी हिट बन गए। वहाँ के रंगीन दृश्यों और माहौल से उत्तेजित होकर, कनाडा की RIDE वेलरी के वेफर, रो ई मंडल 7010 ने कहा, अध्यक्ष मार्क और गे द्वारा हाउस ऑफ़ फ्रेंडशिप का उद्घाटन बहुत ही मजेदार और शानदार था। मंच कार्यक्रमों के साथ यह प्रदर्शनी बुलकुल वैसी ही थी जैसे कनाडा में हमने की थी, लेकिन यहाँ की विविधता वाकई अद्भुत है। हमें पकवान बहुत पसंद आए और हमें आपकी प्रदर्शित की गई परियोजनाओं के साथ सहयोग करने का अवसर प्राप्त हुआ।

अनेक प्रतिनिधियों के लिए, हाउस ऑफ़ फ्रेंडशिप रोटरी नेताओं से बातचीत करने, उनसे जुड़ने और नए मित्र बनाने का एक मंच था। हमने पुराने दोस्तों को फिर से पा लिया, नए लोगों से दोस्ती की और मेलमिलाप किया, रोटरी क्लब जयपुर राउंड टाउन, रोई मंडल 3052, के अध्यक्ष निर्वाचित अभिषेक सोंथालिया ने कहा।

दक्षिणावर्त:

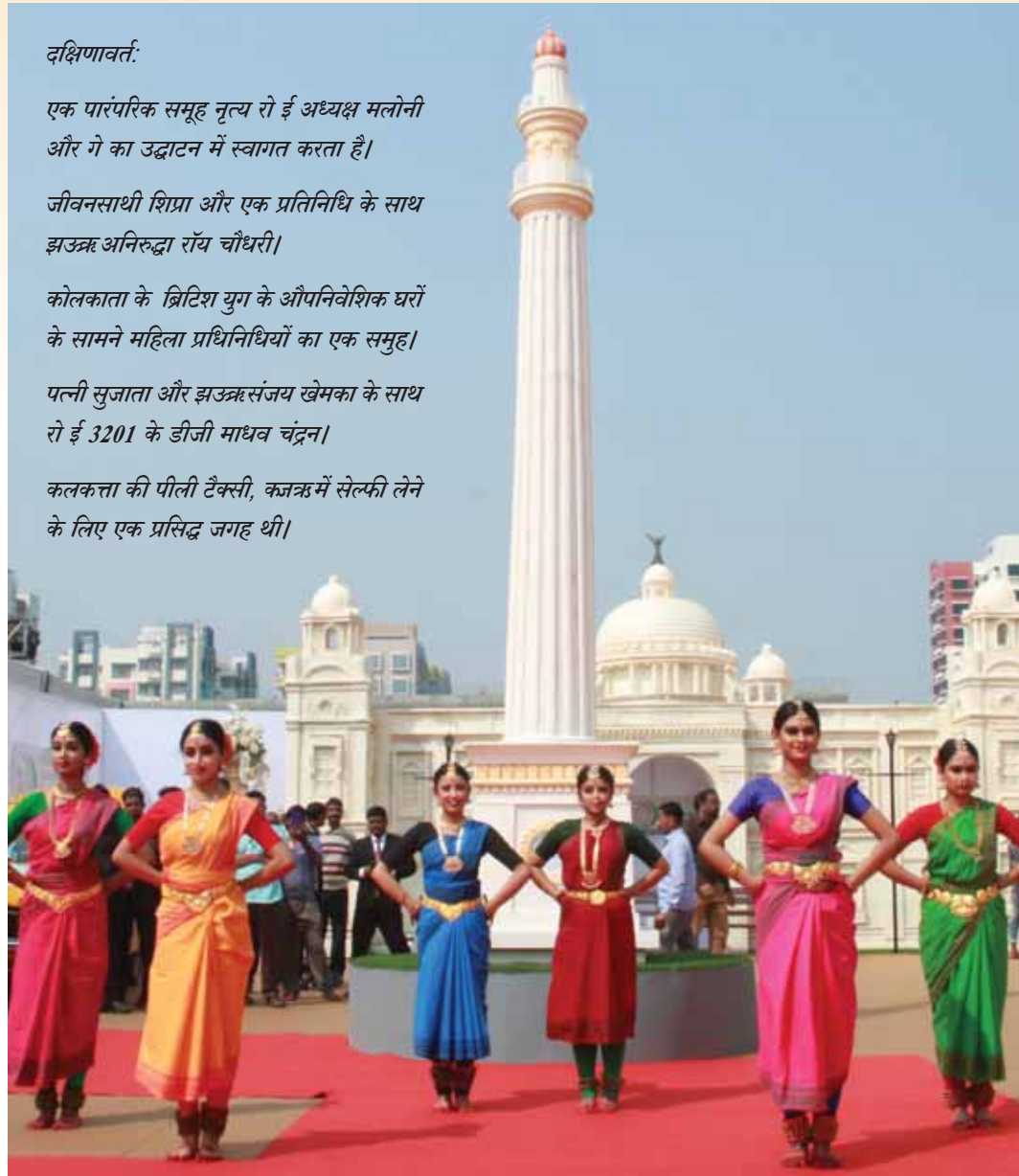
एक पारंपरिक समूह नृत्य रो ई अध्यक्ष मलोनी और गे का उद्घाटन में स्वागत करता है।

जीवनसाथी शिप्रा और एक प्रतिनिधि के साथ झुझरू अनिरुद्धा रॉय चौधरी।

कोलकाता के ब्रिटिश युग के औपनिवेशिक घरों के सामने महिला प्राधिनधियों का एक समूह।

पत्नी सुजाता और झुझरू संजय खेमका के साथ रो ई 3201 के डीजी माधव चंद्रन।

कलकत्ता की पीली टैक्सी, कज्जमें सेल्फी लेने के लिए एक प्रसिद्ध जगह थी।





के RIDE पीटर काइल ने कहा कि हाउस ऑफ़ फ्रेंडशिप उपयोगकर्ता के अनुकूल, अच्छी तरह से डिज़ाइन किया गया और भ्रमण हेतु बहुत आनंद देने वाला था।

रोटरी क्लब मद्रास सेंट्रल से विनोद सरावगी और उनकी पत्नी उषा, अध्यक्ष-निर्वाचित, इनरक्वील 323, ने कहा कि खूबसूरत आंतरिक और बाहरी संरचनाओं के माध्यम से उन्हें एक श्रेष्ठ कलकत्ता का एहसास हुआ। यदि फूड कोर्ट और स्टालों ने प्रतिनिधियों से

रोटरी क्लब कानपुर, रो ई मंडल 3110, के गौरव अग्रवाल जैन और डीआरआर अलोक पांडे के लिए हाउस ऑफ़ फ्रेंडशिप में “आनंदपूर्वक सीखन” की प्रक्रिया सहज थी। इस स्थल पर मौजूद होना वाकई में हर्ष की बात है क्योंकि हमने दुनियाभर के प्रतिनिधियों के साथ अपने विचारों का आदान-प्रदान किया। और Elevate Rotaract के संदर्भ में, युवाओं को जानकारी मिलेगी कि ज्ञान साझा करने के मामले में एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन कितना अच्छा हो सकता है, पांडे ने कहा।

अड्डा ज़ोन के प्रवेश द्वार पर, विकटोरिया मेमोरियल, हावड़ा ब्रिज, दक्षिणेश्वर काली मंदिर, कलकत्ता उच्च न्यायालय, कोलकाता मेट्रो, पीली कलकत्ता कैव, शहीद मीनार, और कलकत्ता के श्रेष्ठ घरों की एक श्रृंखला जैसी विरासती इमारतों के अग्रभाग सेल्फी लेने, और रोटेरियन जोड़ों के लिए कुछ रूमानी पलों को कैद करने के केंद्र थे।

एक प्रभावशाली शो

स्टालों, ऐतिहासिक नमूनों और झांकियों के आसपास घूमने के बाद, वाशिंगटन डीसी, रोई मंडल 7620,

अधिक प्रशंसा हासिल की है, तो इसका श्रेय पीडीजी संजय खेमका और संदीप नारंग को जाना चाहिए जिन्होंने पूरे अड्डा ज़ोन की संकल्पना की और उसे डिज़ाइन किया।

डीजीई एस मुथुपालनीअप्पन, रो ई मंडल 3232, ने कहा कि हाउस ऑफ़ फ्रेंडशिप अनोखा था और इसने वैश्विक प्रतिनिधियों को जुड़ने हेतु एक बेहतरीन मंच प्रदान किया। कार्यक्रम स्थल विशाल, सौन्दर्यपरकता से डिज़ाइन किया हुआ था और इसने रोटेरियनों को परस्पर मिलने और दीर्घकालिक मित्रता करने का अवसर दिया, उन्होंने कहा। रोटरी भावना और मिलनसारिता के एक केंद्र, शतवर्षीय शिखर सम्मेलन के हाउस ऑफ़ फ्रेंडशिप ने एक दिन में करीब 4,000 लोगों को आकर्षित किया, जिसमें अद्वितीय फेलोशिप का मजा लेने के लिए कई प्रतिनिधि एक दिन में कई बार आए।

चित्र: रशीदा भगत और
वी मुत्तुकुमारण

एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा

जब TRF की मदद से रोटेरियन चमत्कार का सृजन करते हैं

रशीदा भगत

भारत में वैश्विक अनुदान
(ग्लोबल ग्रान्ट्स) - आगामी
TRF ट्रस्टी अध्यक्ष के आर रवींद्रन
और ट्रस्टी गुलाम वाहनवती
के साथ एक बातचीत



इंदौर जोन इंस्टीट्यूट में, जिस एक सत्र में लोगों ने काफी रुचि दिखाई और तर्क-वितर्क भी हुआ, वो सत्र वैश्विक अनुदानों (GGs) से संबंधित था। अपने अनुदान आवेदनों के अस्वीकृत हो जाने पर कईयों ने अप्रसन्नता जताई। आम धारणा थी कि उन्हें अनुदान आवेदन के अस्वीकृत होने का कोई कारण या स्पष्टीकरण नहीं बताया गया था।

पैनल में मौजूद आगामी ट्रस्टी अध्यक्ष के आर रवींद्रन और महासचिव जॉन हेको ने मौके पर ही कुछ प्रश्नों का समाधान किया और रवींद्रन ने वादा किया कि ग्लोबल ग्रांट से संबंधित प्रश्नों का जवाब

तीन महीनों के भीतर देंगे, GG से संबंधित तथ्यों और आंकड़ों के साथ।

वो क्या कारण हैं कि GG के कुछ आवेदन तो पास हो जाते हैं और बाकी निरस्त, ये जानने के लिए *रोटरी न्यूज* ने रवींद्रन, टीआरएफ ट्रस्टी गुलाम वाहनवती, और ग्लोबल ग्रांट को देख रहे रो इ के अधिकारी एबी मैकनियर और मेरेडिथ बर्ले के साथ बातचीत की। सबसे महत्वपूर्ण, GG के सहयोग से, एक क्लब को प्रभावी और सफल परियोजना की रूपरेखा बनाने से लेकर उसे निष्पादित करने तक, किन नियमों और मानदंडों का पालन करना चाहिए ताकि शीघ्रता से उनका अनुमोदन हो।

भारत में इन दिनों एक चर्चा ज़ोरों पर है कि रोटरी इंडिया रो इ के ताज में सुशोभित कोहिनूर है, ये अभिव्यक्ति पहली बार रो इ अध्यक्ष मनोनीत शेखर मेहता ने की थी। ये उन्होंने *रोटरी न्यूज* को दिए एक साक्षात्कार के दौरान, भारत में रोटरी की सदस्यता के शीर्ष पर पहुँचने, टीआरएफ में दूसरा स्थान हासिल करने और शानदार सामुदायिक सेवा परियोजनाओं के सफल निष्पादन के सन्दर्भ में कहा था।

कोहिनूर खिताब और भारतीय रोटेरियनों द्वारा की जा रही सेवा परियोजनाओं पर प्रतिक्रिया देने के लिए कहे जाने पर, रवींद्रन कहते हैं: यदि



आगामी ट्रस्टी अध्यक्ष के आर रविंद्रन
ट्रस्टी गुलाम वाहनवती

हमें टीआरएफ गतिविधियों में नज़र आ रहे उनके उत्साह और परिणाम के आधार पर निर्णय करना है तो निश्चय ही हम उनसे सहमत होंगे, ज़ाहिर है, टीआरएफ के अन्य बड़े प्रयोक्ताओं को कमतर आंके बिना ।

वह कहते हैं, GG के बड़े प्रयोक्ताओं का विश्लेषण बताता है, कोई शक नहीं कि भारत इस क्षेत्र में अग्रणी है और यह इस देश को रहने के लिए एक बेहतर जगह बनाने में अपना योगदान देता है। हम इस पर गर्व कर सकते हैं।

आगामी ट्रस्टी चेयर द्वारा दिए गए कुछ आंकड़े हैं: रो वर्ष 2019 में (उल्लिखित सभी वर्ष रोटरी

ज़िंदगी खुद हमारा कारोबार है – और हम जिन लोगों की सहायता करते हैं, उनमें से बहुतों के लिए, हमारा व्यापार चमत्कारों का व्यापार है।

के आर रविंद्रन
आगामी ट्रस्टी अध्यक्ष

वर्ष - जुलाई - जून), भारत ने संयुक्त रूप से 269 ग्लोबल ग्रांट्स में 21,516,796 डॉलर यानि लगभग रु151 करोड़ के वैश्विक अनुदान की मेजबानी की है। काफी बड़े अंतर के साथ 101 वैश्विक अनुदानों की मेजबानी करने वाले इंग्लैंड दूसरी पायदान पर था। अनुदानों की प्रकृति का विश्लेषण करने से, यह स्पष्ट है कि चिकित्सा उपकरण (विशेष रूप से डायलिसिस), स्कूलों में शौचालयों और उपकरणों की आपूर्ति के लिए बहुत सारे धन उपयोग किया जाता है। पिछले साल, 44 परियोजनाएं बुनियादी शिक्षा और साक्षरता (BEL) से सम्बंधित थीं। लेकिन हमें हमें इस पर भी गौर करना चाहिए कि



मेरेडिथ बरलू

स्टीवर्डशिप मैनेजर, रोटरी इंटरनेशनल

2019 में पूरी दुनिया से आई जिन 53 बीईएल परियोजनाओं को टीआरएफ ने अस्वीकृत कर दिया था उनमें से 33 भारत से ही प्रायोजित थीं।

2018 में, फाउंडेशन ने 95 प्रतिशत GG आवेदन मंजूर किये थे; 2019 में जब फाउंडेशन ने आवेदकों से आवेदन के साथ सामुदायिक आकलन के परिणाम संलग्न करने के लिए कहा, यह संख्या घट कर 89 प्रतिशत हो गई और इस वर्ष यह 85 प्रतिशत रह गई है। उन्होंने कहा कि किसी भी फाउंडेशन के लिए 85 प्रतिशत की अनुमोदन दर निश्चित ही बहुत अधिक है, लेकिन यह पूर्व में 95 प्रतिशत के उच्च स्तर से नीचे है, उन्होंने कहा।

तो आखिरकार यह हुआ कैसे और क्यों, मैंने रवींद्रन से पूछा। अस्वीकृत परियोजनाओं के अध्ययन में पाया कि एक बात तो सभी में समान थी। बजाये इसके कि उनकी परियोजना की रूप रेखा और दिशा सामाजिक मूल्यांकन निश्चित करे इस की अपेक्षा, बहुधा हमारे रोटेरियन लाभान्वित होने वालों की बड़ी से बड़ी संख्या तक पहुंचने के लिए तत्पर रहते हैं। हालाँकि ये बात समझ में तो आती है पर परियोजना की परिकल्पना और प्रबंधन में खामियों की वजह से उस के क्रियान्वन पर सवाल खड़े हो सकते हैं।

ट्रस्टी वाहनवती कहते हैं कि वो परियोजनाएं सबसे प्रबल थीं जिनका, सामुदायिक मूल्यांकन कड़ा था और

यह कहना कि महमने 100 स्कूलों में कुछ उपकरण उपलब्ध करवाए हैंफवेसा नहीं है जैसा कि ये कहना, मरोटरी की बदौलत, बच्चों के ज्ञान में 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और आज की उपस्थिति अब तक की सर्वाधिक है।फ

एबी मैकनियर

ग्रांट्स निदेशक, TRF

उनमें रोटेरियनों की पुख्ता भागीदारी थी, जिसमें सदस्यों मेंसिर्फ प्रमुख संपर्क ही नहीं बल्कि क्लब या मंडल के अन्य सदस्यों की सक्रिय भागीदारी शामिल थी।

रवींद्रन रोटरी को एक व्यवसाय के रूप में लेते हैं और रो इ अध्यक्ष ने परिचालन की लागत को कम करने पर अपना बहुत सारा समय दिया और ऊर्जा लगाई है और काफी हद तक वो इसमें सफल भी रहे थे। पूछने पर कि वह रोटरी को एक व्यापार के सामान क्यों मानते हैं, वह कहते हैं, हाँ, वास्तव में यह एक व्यापार है, लेकिन हम इसकी तुलना किसी भी अन्य व्यवसाय से नहीं कर सकते। हमारा व्यवसाय है साक्षरता और स्वास्थ्य। हमारा व्यवसाय है आजीविका और आशा। ज़िंदगी खुद हमारा कारोबार है - और हम जिन लोगों की सहायता करते हैं, उनमें से बहुतों के लिए, हमारा व्यापार चमत्कारों का व्यापार है।

मान लीजिये हम किसी राजमार्ग पर एक पेट्रोल पंप बना रहे हैं। पहले हम उस राजमार्ग से गुजरने वाले वाहनों की संख्या का आकलन करेंगे। जिन प्रश्नों का उत्तर चाहियें, वे हैं: निकटतम पेट्रोल पंप कहाँ है? डीजल की खपत ज्यादा है या पेट्रोल की और इस हिसाब से कितने पंप लगाने की ज़रूरत है? ईंधन भंडारण के विकल्प क्या हैं ? पंप कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने की आवश्यकता होती है, कार्यालय प्रबंधक को किस स्तर पर पुनः आर्डर देना है और नकदी संग्रहण आदि के बारे में सिखाया जाता है।

लेकिन हम एक पेट्रोल पंप का निर्माण सिर्फ इसलिए नहीं करेंगे कि यह खूबसूरत दिखता है और किसी ऐसे व्यक्ति की सेवा कर सकता है जिसे कभी ना कभी पेट्रोल या डीजल





ट्रस्टियों का कहना है कि अगर किसी स्कूल में सात शौचालयों की आवश्यकता है तो एक शौचालय पर्याप्त नहीं होगा। उनका मानना है कि एक शौचालय शायद कुछ दिनों में अनुपयोगी हो जाएगा और बच्चे और शिक्षक फिर से पुराने ढर्रे पर चल पड़ेंगे।

गुलाम वाहनवती TRF ट्रस्टी

की आवश्यकता होगी, और फिर ये आशा करें कि यह पंप चल निकलेगा! तो फिर रोटरी प्रोजेक्ट में यह भिन्न क्यों हो?

हमारे अध्ययन से पता चला है कि लाभार्थियों की आवश्यकताओं की प्राथमिकता निश्चित करने के लिए, रोटेरियनों द्वारा सामुदायिक आकलन नहीं करना या परियोजना की रूप रेखा बनाने में लाभान्वित होने वाले समुदाय को शामिल नहीं करना, अनुदान प्रबंधन के सबसे आम मुद्दे थे। हमने इस का प्रत्यक्ष उदाहरण देखा, जब रोटेरियन उचित प्रकार से सामुदायिक मूल्यांकन नहीं करते तो उसकी परिणीति क्या होती है।

मैंने पूछा कि इस विश्लेषण से क्या सामने आया, ट्रस्टी वाहनवती कहते हैं, हमने टीआरएफ के स्टीवर्डशिप विभाग की प्रमुख मेरेडिथ बरलू के साथ चर्चा की। मेरेडिथ 13 वर्षों से टीआरएफ के साथ है और 2012 से रोटरी की स्टीवर्डशिप प्रबंधक है, वो हमारे कैंडर के सदस्यों के साथ मिलकर काम करती है और अभी तक 300 से अधिक रोटरी अनुदानों की समीक्षा कर चुकी हैं। इस वर्ष की शुरुआत में, कोलकाता में आयोजित दिशा कार्यक्रम में वह मौजूद थीं जहाँ उन्होंने करीब 40 से ज्यादा ऑडिट के कुछ उदाहरण दिए

जो इस वर्ष के भीतर ही पूरे किए गए थे, जिनमें अधिकांश का प्रबंधन अच्छी तरह से किया गया था।

उन्होंने जिस परियोजना का उल्लेख किया, उसे स्कूलों में स्वच्छ पेय जल उपलब्ध कराने के लिए अनुमोदित किया गया था। उन्होंने बताया कि मुख्य रूप से यह परियोजना एक दुकानदार द्वारा संचालित थी; रोटेरियनों ने घरों में इस्तेमाल किये जाने वाले फिल्टर स्कूलों में वितरित कर दिए थे जबकि कुछ स्कूलों में तो 800 से अधिक बच्चे पढ़ते थे। अलग अलग स्कूलों में बच्चों की संख्या या पानी की गुणवत्ता का आकलन किये बिना हर स्कूल में एक जैसे फिल्टर दिए गए थे। इनमें से कई फिल्टर खराब हो गए और फाउंडेशन का कीमती फंड बर्बाद हो गया और उस घटिया किस्म की परियोजना के कारण रोटरी की छवि भी धूमिल हुई।

एक अन्य परियोजना में, एक मंडल ने कई स्कूलों में बड़ी मात्रा में लोहे की स्कूल बेंच देने के लिए अपने क्लबों के माध्यम से अनुदान लिया। कुछ स्कूलों में, छोटे बच्चों के हिसाब से बेंच का आकार काफी बड़ा था। उनमें जंग लगने की वजह से बेंच के तीखे, नुकीले किनारे खतरनाक साबित हुए, आखिरकार उन्हें कक्षाओं

सुनियोजित और भली भांति निष्पादित ग्लोबल ग्रांट्स

लेकिन प्रत्येक अस्वीकृत आवेदन या GG गलत हो जाने के बावजूद, कई GG ऐसी भी हैं जो योजनाबद्ध और सुनियोजित तरीके से निष्पादित की गईं। अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए, रोटरी न्यूज ने एवान्स्टन में ग्रांट्स के निदेशक एबी मैकिनयर से मुलाकात की ताकि पता लग सके कि वैश्विक अनुदान प्राप्त करने के लिए क्या जरूरी है।

ऐबी ने कहा, अधिकांश समस्याएं इस से पैदा होती हैं कि हम स्कूलों में परियोजनाओं को किस प्रकार सम्बोधित करते हैं। फाउंडेशन के पास लगातार ऐसी परियोजनाएं आती हैं जिनका प्राथमिक लक्ष्य अधिक से अधिक स्कूलों में, उपकरण की आपूर्ति होता है। ट्रस्टियों द्वारा बनाई गई इएड नीति या WASH पॉलिसी स्टेटमेंट में, उपकरण प्रदान करने का लक्ष्य आपको कहीं भी नहीं दिखेगा।

मंडल अनुदान के लिए परियोजनाओं की रूप रेखा बनाने का जो तरीका काम करता है, GG की पात्रता के लिए, उस के मानदंड बिल्कुल अलग हैं, फाउंडेशन की शोकेस परियोजनाएं कौन सी हैं। वे परियोजनाएं जो परिवर्तनकारी हैं और जिनमें लाभार्थियों के लिए हुए सुधार और उन्नति को मापा जा सकता है। यह कहना कि 'हमने 100 स्कूलों में कुछ उपकरण उपलब्ध

करवाए हैं' वैसा नहीं है जैसा कि ये कहना, 'रोटरी की बदौलत, बच्चों के ज्ञान में 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और आज की उपस्थिति अब तक की सर्वाधिक है।' सामुदायिक मूल्यांकन के बिना हम पहली परियोजना तो कर सकते हैं लेकिन आकलन के अभाव में दूसरी संभव नहीं होगी।

एक अच्छी GG परियोजना का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा, रोटरी क्लब बॉम्बे (रो ई मंडल 3141), रो क्लब ठाणे हिल्स (रो ई मंडल 3142) और कोलंबो (रो ई मंडल 3220) ने ठाणे के 100 स्कूलों में शिक्षक, प्रिंसिपल, शिक्षा अधिकारियों के पेशेवर विकास के लिए GG के साथ मिल कर एक भागीदारी की। इन पेशेवरों पर ध्यान केंद्रित करके, क्लबों को मालूम था कि अंततः ठाणे में स्कूल जाने वाले 24,000 बच्चे लाभान्वित होंगे।

उन्होंने GG के दो अन्य उदाहरण भी दिए जो सुचारू रूप से निष्पादित किये गए थे क्योंकि उन्होंने ट्रस्टियों द्वारा निर्धारित सभी मानदंडों को पूरा किया था।

रो क्लब मद्रास साउथ (रो ई मंडल 3232) और रो क्लब पेसिडिना (रो ई मंडल 5300) द्वारा प्रायोजित की गई एक परियोजना। इसका उद्देश्य चेन्नई के सूर्या अस्पताल में लगभग 230 सुधारात्मक दिल की सर्जरी

करना और लाभार्थियों की देखभाल करना था। साथ ही गरीब बच्चों की कार्डियो दिल से सम्बंधित सर्जरी की जरूरतें पूरी करवाना था ताकि वो स्वस्थ और खुश हाल ज़िंदगी बिता सकें।

परियोजना द्वारा जन्मजात हृदय रोग वाले बच्चों का निदान व उपचार किया गया और उन के माता-पिता को सम्पूर्ण समाधान का आश्वासन दिया गया था। सूर्या अस्पताल और दो रोटरी क्लबों द्वारा समर्थित सर्जरी, बाजार में कई अन्य की तुलना में न केवल अधिक सस्ती और सुलभ थी बल्कि परिवार के लिए मुफ्त भी थीं।

ये परियोजना अपने उद्देश्य में सफल भी हुईं जिन परिवारों के बच्चों की मदद की ज़रूरत थी, उन्हें आश्चर्य कर, एक ताज़ा हवा के झोंके की मानिन्द ये परियोजना उनके लिए सुरक्षा कवच साबित हुई।

एक अन्य वैश्विक अनुदान जिसने टीआरएफ के सभी माप दंडों को पूरा किया था, छात्रों और शिक्षकों को स्वच्छता की शिक्षा व प्रशिक्षण प्रदान करने के साथ जोधपुर के आठ स्कूलों में शौचालय ब्लॉक बनाने के लिए एक WASH इन स्कूल प्रोजेक्ट के तहत काम किया। रो क्लब जोधपुर पद्मिनी (रो ई मंडल 3053) और रो क्लब बेंटनविले (रो ई मंडल



6110) अमेरिका द्वारा प्रायोजित, इस परियोजना का उद्देश्य राजस्थान के इस शहर में आठ स्कूलों में स्वास्थ्य सम्बन्धी और स्वच्छता में स्थायी परिवर्तन करना था, जिससे लगभग 2,000 छात्रों को लाभ हुआ। इसका उद्देश्य नए हैंडवाश स्टेशन, बर्तन धोने के स्टेशन, पीने के पानी के स्टेशन निर्माण और लड़कों और लड़कियों के लिए पृथक टॉयलेट ब्लॉक का नवीनीकरण करना था।

परियोजना के अंतर्गत कक्षा 6 की लगभग 630 लड़कियों में सैनिटरी नैपकिन बांटे गए और मासिक धर्म पर प्रशिक्षण दिया गया, सुविधाओं के लिए एक रखरखाव प्रणाली की व्यवस्था की गई, स्वास्थ्य और स्वच्छता प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इससे प्राथमिक और माध्यमिक सरकारी स्कूल लाभान्वित हुए, जहां सुविधाओं से वंचित गरीब छात्र पढ़ते थे। उन्नत सुविधाओं ने एक बेहतर और स्वस्थ शैक्षिक वातावरण बनाया और प्रशिक्षण द्वारा छात्रों और संकायों में जागरूकता पैदा होने से उनके आचरण में परिवर्तन आया जिसके कारण पढ़ाई में उन की रुचि बढ़ी और कम हो रही विद्यार्थियों की संख्या में वृद्धि कर इस परियोजना ने योगदान दिया, विशेषकर छात्राओं की संख्या में।

रो क्लब जोधपुर पद्मिनी क्लब के सदस्यों ने, परियोजना से करीब एक साल पहले, तत्कालीन



एबी मैकिनयर
ग्रांट्स निदेशक, TRF

परिस्थितियों का सर्वेक्षण करने के लिए 30 सरकारी स्कूलों का भ्रमण किया। इसके अलावा पिछले पांच वर्षों के अंतर्गत क्लब ने सरकारी स्कूलों में स्वच्छता प्रशिक्षण सहित कई सेवा परियोजनाएं चलाई हैं। इन परियोजनाओं और स्कूलों की यात्रा के माध्यम से क्लब ने स्वास्थ्य और स्वच्छता, शिक्षा और बुनियादी ढांचे में सुधार की आवश्यकता को पहचाना और परियोजना के लिए आठ स्कूलों को चिन्हित किया।

क्लब के सदस्यों की स्कूल यात्रा के दौरान स्कूल के कर्मचारियों और छात्रों ने अपनी समस्याओं को उन

से साझा किया। पिछले पांच वर्षों के दौरान विभिन्न सेवा परियोजनाओं के माध्यम से क्लब ने पहले से ही जो योगदान किया हुआ था, उसकी वजह से स्कूल ने उनके प्रस्ताव को बड़े उत्साहपूर्वक स्वीकार किया और इस अवसर पर अपनी स्वास्थ्य और स्वच्छता के बुनियादी ढांचे और इस के इस्तेमाल के तरीकों को बेहतर बनाने के प्रस्ताव को ले कर बहुत उत्साहित थे, एबी ने कहा।

इसलिए, स्कूलों में बड़ी संख्या में वैश्विक अनुदान परियोजनाएं सफलतापूर्वक की जा सकती हैं, लेकिन इसका तात्पर्य है परियोजना के लक्ष्यों के संदर्भ में बड़ी सोच और केवल उपकरण प्रदान करने की अपेक्षा बच्चों की बेहतर शिक्षा पर ध्यान केंद्रित किया जाए। यह परियोजना लक्ष्य के बारे में है।

अच्छा तो यहां से अब हम कहा जायेंगे?

एबी ने जवाब दिया: सहायता प्रचुरता में उपलब्ध है। ग्रांट्स के अधिकारी आपके प्रोजेक्ट की परिकल्पना की पूर्व-समीक्षा कर सकते हैं और सलाह दे सकते हैं। वे मदद के लिए आपको स्थानीय कैडर सदस्य से भी जोड़ सकते हैं। फाउंडेशन के पास फोकस के हर क्षेत्र में GG परियोजनाओं के लिए दिशा निर्देश उपलब्ध हैं, लेकिन GG फंडिंग के लिए BEL के दिशा निर्देश स्कूल परियोजनाओं के लिए सबसे अधिक सहायक हैं।

से हटा दिया गया। एक बार फिर, फाउंडेशन के मंहंगे संसाधन बर्बाद हुए और रोटरी की प्रतिष्ठा को धक्का लगा, सिर्फ इसलिए कि बिलकुल आसान सा सामुदायिक आकलन नहीं किया गया था, वाहनवती ने स्पष्ट किया।

एक अन्य उदाहरण, एक मंडल ने अपने क्लबों को सैनिटरी नैपकिन के लिए इंसीनेटर लगाने के लिए अनुदान दिया। क्लबों को परियोजना की कोई समझ नहीं थी, इंसीनेटर या तो एक प्राथमिक विद्यालय में लगा दिए गए थे, जहां इन की जरूरत ही नहीं थी, या इससे भी बदतर, ये शौचालय के नजदीक लगा दिए गए थे, जहां इंसीनेटर की गर्म धातु से बच्चे जल सकते थे। इस भस्मक में प्लास्टिक जलने से निकलने वाले धुएं ने हवा को दूषित कर दिया था।

फाउंडेशन को इन परियोजनाओं में शामिल नहीं होना चाहिए। यह वैश्विक अनुदान के लिए दान दाताओं द्वारा दिए गए सीमित संसाधनों की बर्बादी है और रोटरी की प्रतिष्ठा में ज़रा भी झंझा नहीं करती। हम इससे कहीं बेहतर कर सकते हैं और करना चाहिए, वाहनवती ने कहा।

इन में दार्शनिक अंतर भी है ट्रस्टी जिसे उचित व सही मानते हैं और मंडल द्वारा भेजे गए कुछ प्रस्तावों में, रवींद्र ने कहा। रोटरियनों ने हमें अक्सर बताया है कि भारत जैसे देश में, स्कूल में शौचालय न होने की स्थिति में कम से कम एक का होना तो बेहतर है; लेकिन दुनिया भर से GG के लिए इकट्ठे किये गए धन को संरक्षित रखने के लिए, ट्रस्टी का दृष्टिकोण अलग है। ट्रस्टियों का कहना है कि अगर किसी स्कूल में सात शौचालयों की आवश्यकता है

तो एक शौचालय पर्याप्त नहीं होगा। उनका मानना है कि एक शौचालय शायद कुछ दिनों में अनुपयोगी हो जाएगा और बच्चे और शिक्षक फिर से पुराने ढर्रे पर चल पड़ेंगे। अगर किसी कक्षा में 10 बेंच या बंक्स बैड की आवश्यकता है तो दो से काम नहीं चलेगा।

हालांकि, उनका कहना था, अगर वित्त का स्रोत मंडल अनुदान हैं, तो स्पष्ट रूप से टीआरएफ का इस पर कोई मालिकाना हक नहीं बनता और यह मंडल का अपना निर्णय है।

वाहनवती कहते हैं, यह हमारा शताब्दी वर्ष है। आइए हम अपने GGs पर काम करें और रोटरी को इसके सर्वश्रेष्ठ के लिए तैयार करें।

चित्र: रशीदा भगत

एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा



Rotary
India
Centennial
Summit
2020

युवाओं को कृषि-उद्यमी बनने के लिए कुशल बनाएं

जयश्री

को लकाता शताब्दी शिखर सम्मेलन के अंतिम दिन भारत के उप राष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू मुख्य अतिथि थे। उन्होंने अपना भाषण शुद्ध बंगाली में शुरू किया और दोहराया कि प्रत्येक व्यक्ति को

चार पहलुओं - अपनी माँ (पिता भी), जन्मस्थान या गृहनगर, मातृ भाषा और मातृभूमि - का प्रोत्साहन, अभ्यास और उनपर गर्व महसूस करना चाहिए।

दुनिया में कहीं भी यात्रा करो लेकिन यह सुनिश्चित करो कि आप अपनी मातृभूमि को

लौटाओगे। उसी तरह, मातृभाषा आपकी आँखों की तरह है और अन्य भाषाएँ चश्मों की तरह। बिना दृष्टि के, चश्मों का कोई प्रयोग नहीं होता, उन्होंने कहा।

कृषि को एक पेशे के रूप में अपनाने के लिए युवाओं के मध्य घटती रूचि पर चिंता जताते हुए,



RID कमल संघवी भारत के उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू को पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़, विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री ब्रात्यू बासु, RIPN शेखर मेहता, ट्रस्टी अध्यक्ष गैरी हुआंग, RID भारत पांड्या और शिखर सम्मलेन सचिव किशोर कुमार चेरुममाली की उपस्थिति में सम्मानित किया।

*HoF में RIPN शेखर मेहता,
उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू, पश्चिम
बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़
और राज्य के विज्ञान और प्रौद्योगिकी
मंत्री ब्रात्य बासु को एक WinS
प्रोजेक्ट समझाते हुए। चित्र में शताब्दी
शिखर सम्मेलन के संयुक्त अध्यक्ष
अनिरुद्ध रॉय चौधरी, HoF कमेटी के
अध्यक्ष वी राजा भी शामिल हैं।*



नायडू ने सुझाव दिया कि रोटरी को युवाओं को कृषि-उद्यमी बनाने के लिए प्रशिक्षित करना चाहिए।

2014 चेन्नई ज़ोन इंस्टिट्यूट के दौर को याद करते हुए जब रोटरी ने भारत सरकार के साथ स्वच्छ भारत अभियान के लिए काम करने हेतु समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया था, उन्होंने कहा, मैं आपके साथ मिलकर काम करने और एक दूसरे के अनुभवों से सीखने की महत्ता को समझता हूँ, और देशभर में विभिन्न क्षेत्रों में रोटरी की मानवीय गतिविधियों के बारे में बताया।

इससे पहले वरिष्ठ रोटरी नेतृत्वकर्ता - RIPN मेहता, रो ई निदेशक भरत पंड्या और कमल संघवी, शताब्दी शिखर सम्मेलन के प्रमुख विनोद बंसल, संयुक्त अध्यक्ष अनिरुद्ध रॉय चौधरी और सचिव किशोर कुमार के साथ, उपराष्ट्रपति को हाउस ऑफ़ फ्रेंडशिप तक ले

गए। वह विशेषरूप से उन स्टालों से प्रभावित हुए जो रोटरी के WinS और साक्षरता कार्यक्रमों को प्रदर्शित कर रहे थे और रोटरी भारत द्वारा शताब्दी वर्ष के दौरान निष्पादित की जाने वाली गतिविधियों की श्रृंखला के लिए उन्होंने मेहता की प्रशंसा की।

जलवायु परिवर्तन और दुनिया पर पड़ने वाले इसके प्रभाव के बारे में मोटे तौर पर चर्चा करते हुए, उन्होंने पर्यावरण को बचाने वाले कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करने के लिए रोटेरियनों का आह्वान किया। उन्होंने स्वच्छता और स्वच्छ जल के महत्व और, गैर-संचारी रोगों की बढ़ती संख्या पर जोर दिया। रोटरी को गतिहीन जीवनशैली और अस्वास्थ्यकर भोजन आदतों के प्रति, विशेषरूप से युवाओं के मध्य, जागरूकता को बढ़ाना चाहिए।

उन्होंने संयुक्त राष्ट्र जैसे मंच पर आतंकवाद के सभी रूपों के खिलाफ़ एक मजबूत नीतिगत ढांचे के लिए एक वैश्विक सर्वसम्मति तैयार करने और एक साथ मिलकर काम करने के लिए नागरिक समाज का आह्वान किया। विकास के लिए शान्ति एक पूर्वपिक्षा है। सभी को आतंकवाद के खतरे को कम करने के लिए कार्य करना चाहिए, उन्होंने कहा।

इस बात पर प्रकाश डालते हुए कि 60 प्रतिशत से अधिक भारतीय अभी भी गाँवों में रहते हैं, नायडू ने रोटरी से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने पर

ध्यान केन्द्रित करने का आग्रह किया। ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं और रोजगार के अवसरों की कमी पलायन करने के लिए मजबूर कर रही है। हमें इस ग्रामीण-शहरी विभाजन को कम करने के लिए गंभीरता से काम करना चाहिए, उन्होंने कहा और सभी देशों से साक्षरता, गरीबी, और लिंग आधारित एवं सामाजिक भेदभाव जैसी चुनौतियों का सामना करने के लिए एक साथ होने की अपील की।

आदित्य बिड़ला फाउंडेशन फॉर कम्युनिटी इनिशिएटिव एंड रूरल डेवलपमेंट की अध्यक्ष, राजश्री बिड़ला और रोटरी क्लब बैंगलोर ऑर्चर्ड्स के पूर्व अध्यक्ष, डी रविशंकर, द्वारा रोटरी को दिए गए उदार योगदान का उन्होंने विशेष तौर पर जिक्र किया। भारत में ऐसे बड़े दिलवाले लोगों की कोई कमी नहीं है और उन लोगों की पहचान करके उन्हें इस अभिप्राय हेतु दान करने के लिए मनाने की जिम्मेदारी हमारी है, उन्होंने कहा।

भारत से पोलियो उन्मूलन में रोटरी की अद्भुत भूमिका को स्वीकार करते हुए, नायडू ने कहा कि यह उपलब्धि इस बात को दर्शाने का उचित उदाहरण है कि कैसे सरकार और प्रतिबद्ध गैर सरकारी संगठन अच्छे कार्य हेतु काम करने के लिए प्रभावी और सफल साझेदारियों को विकसित कर सकते हैं।

चित्र: जयश्री

रोटरी को गतिहीन जीवनशैली
और अस्वास्थ्यकर भोजन
आदतों के प्रति, विशेषरूप से
युवाओं के मध्य, जागरूकता
को बढ़ाना चाहिए

कड़ी आर्थिक वास्तविकताओं की एक झलक

वी मुत्तुकुमारण

दो सामाजिक उद्यमी
कोलकाता में
आयोजित शताब्दी
समारोहों में दो मुद्दों - बाल
भूख और कपड़ों की कमी - पर
तीखी आलोचना करने से बचे।
पीआरआईडी सी. भास्कर ने
“प्रगतिशील स्थानीय अर्थव्यवस्थाएँ”
नामक एक सत्र की अध्यक्षता की।

जहाँ अंशु गुप्ता का दिल्ली स्थित
एनजीओ, गूँज, लाखों गरीब परिवारों
को सम्मान देने के लिए शहरी कचरे
एवं कपड़ों के पुनर्चक्रण का काम
करता है, वहीं अक्षय पात्र के मुख्य
विपणन अधिकारी संदीप तलवार
एनजीओ के मध्याह्न भोजन कार्यक्रम
के माध्यम से सरकारी स्कूलों में
नामांकन अनुपात को बढ़ाने को
लेकर उत्सुक है।

भारत में लोगों की मौत
प्राकृतिक आपदाओं से अधिक
उचित कपड़ों की चाह में होती है,
इसके बावजूद भी कि वंचित लोगों
को सभ्य कपड़े प्रदान करने के
संसाधनों में कोई कमी नहीं है, अंशु
गुप्ता ने कहा। उन्होंने एक उच्च कॉर्पो-
रेट पद से इस्तीफा दिया और 1999
में गूँज की शुरुआत की ताकि वंचित
लोगों को सभ्य कपड़े देकर एवं उन्हें
स्वच्छता एवं सफाई अपनाने पर
शिक्षित करके उनकी बेहतरी के लिए
काम किया जा सके।

एक व्यक्ति का आंकलन उसके
द्वारा पहने जाने वाले कपड़ों से
किया जाता है; सच्चाई यह है कि



PRID सी भास्कर और PDG महेश कोटबागी ने गूँज फाउंडेशन की संस्थापक अंशु गुप्ता को सम्मानित किया। संदीप तलवार, CMO अक्षय पात्र (बाएं) और झुंझु जवाहर वडलामणि (दाएं) भी चित्र में शामिल हैं।

जहाँ उच्च शिक्षा को भारी आर्थिक
सहायता मिलती है, वहीं हमें खेती
की सबसिडी पर आपत्ति होती है
जो किसानों को एक सम्मानजनक
आय अर्जित करने में मदद करती
है, उन्होंने समझाया। एक साल में,
गूँज ने 6,000 टन शहरी सामग्री,

सच्चाई यह है कि जहाँ उच्च शिक्षा
को भारी आर्थिक सहायता मिलती
है, वहीं हमें खेती की सबसिडी पर
आपत्ति होती है जो किसानों को
एक सम्मानजनक आय अर्जित
करने में मदद करती है।

अपशिष्ट एवं फेंकी गई चीजों को
नए कपड़ों एवं सैनिटरी नैफ्किन में
परिवर्तित करके उनका पुनर्चक्रण
किया। उन्होंने कहा कि जहाँ शहरों
में कपड़े, आश्रय एवं भोजन की
कमी के कारण होने वाली गरीबी
से निपटना है, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में
किसानों की आत्महत्याओं के बढ़ते
मामले, न्यूनतम मजदूरी की पात्रता
के बावजूद भी, केवल सरकार की
अजीब प्राथमिकताओं की ओर
इशारा करते हैं।

दान को बंद होना चाहिए

यदि गांवों से आने वाले निर्धन
प्रवासियों को सामाजिक अलगाव
के बजाय गरिमामय जीवन जीना है,

तो निरंतर मिलने वाले दान को एक
हृद के बाद बंद होना होगा क्योंकि
यह लाभार्थी की आत्म-मूल्य की
हत्या करता है। ग्रामीण प्रवासियों
के लिए हमेशा से गर्व महत्वपूर्ण
रहा है जिन्होंने एक वक्त में अपने
घर में स्वयंभारी जीवन जिया था
और अब उन्हें आवश्यकताओं
की पूर्ति के लिए भी संघर्ष करना
पड़ता है, उन्होंने बताया। गरीबों
की समस्याओं को समझकर हमें
उन्हें निर्णय लेने के काबिल बनाना
होगा और मूलभूत सुविधाओं को
प्राप्त करने एवं उनमें स्वामित्व की
भावना पैदा करने के लिए अवसरों
का सृजन करना होगा, गुप्ता ने
समझाया।

“अप्रशिक्षित श्रमिका” एवं ग्रामीण श्रमबल पर नज़रिये एवं विचार प्रक्रिया को बदलने की आवश्यकता है, क्योंकि, औपचारिक शिक्षा ना मिलने के बावजूद भी, उन्होंने गांवों में सड़कें बनाई है, बांधों का निर्माण किया और सम्मान एवं संतुष्टि की भावना के साथ बिना किसी पात्रता के स्कूलों का निर्माण किया है, उन्होंने आगे कहा।

जब उन्होंने 2004-05 में मासिक धर्म स्वच्छता पर काम करना शुरू किया, गुप्ता ने पाया कि इसे अनुचित विषय समझा जाता था और सैनिटरी पैड्स की भारी कमी थी जिसके कारण किशोरियाँ उनके मासिक धर्म चक्र को प्रबंधित करने के लिए खतरनाक एवं अवास्थ्यकर चीज़ें जैसे झाड़ी,

घास, अनाज, पुनःचक्रित कपड़े और सूखी पत्तियों का इस्तेमाल कर रही थी।

तलवार अपने भाषण में चौंका देने वाले तथ्य सामने लाए। हमारी लगभग 15 प्रतिशत आबादी अल्पपोषित है क्योंकि प्रतिदिन भारत में 196 मिलियन लोग भूखे रह जाते हैं जिनमें 60 प्रतिशत महिलाएं होती हैं; पाँच वर्ष से कम उम्र के 21 प्रतिशत बच्चों का वजन सामान्य से कम है; जिनमें हर 4 में से 1 बच्चा कुपोषित होता है।

बच्चे स्कूल क्यों छोड़ देते हैं?

बच्चों के स्कूल छोड़ने के कुछ कारण हैं स्कूल का घर से बहुत दूर होना, बच्चों का घरेलू आय में सहयोग देना, शिक्षा को आवश्यक ना समझना या घर के रोजाना के

यदि गांवों से आने वाले निर्धन प्रवासियों को सामाजिक अलगाव के बजाय गरिमामय जीवन जीना है, तो निरंतर मिलने वाले दान को एक हद के बाद बंद होना होगा क्योंकि यह लाभार्थी की आत्म-मूल्य की हत्या करता है।

काम-काजों में हाथ बंटाना। 52 रसोइयों की मदद से 13 राज्यों के 16,800 स्कूलों के 18 लाख विद्यार्थियों को कवर करते हुये अक्षय पत्र मध्याह्न भोजन कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों को वापस स्कूलों की ओर आकर्षित कर रहा है। यह 13 में से 9 बच्चों के स्कूल आने का एक प्रमुख प्रोत्साहन है, उन्होंने

कहा। परियोजना में अब दोपहर के भोजन के साथ सुबह का नाश्ता भी शामिल है।

अपार संभावनाएं

तलवार ने कहा, रोटरी क्लब अक्षय पत्र के स्थानीय खंडों के साथ मिलकर डिलीवरी ट्रकों में स्कूली बच्चों को पैक किया हुआ भोजन प्रदान करने में सहयोग कर सकते हैं। धन एकत्रित करने के लिए मिलान अनुदानों एवं क्राउडसोर्सिंग मंचों का भी सहारा लिया जा सकता है। रसोइयों को स्थापित करने, कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने एवं मध्याह्न भोजन परियोजना में रोटरेक्टरों को सम्मिलित करके आप हमारी मदद कर सकते हैं, उन्होंने आगे कहा।

चित्र: बी मुत्तुकुमारण

TRF की मदद से अच्छे कार्य

बच्चों को मिली सुरक्षित पेयजल की सुविधा

टीम रोटरि न्यूज

विरुधुनगर एलीट के रोटरि क्लब, रो ई मंडल 3212, ने मदुरै के पास के शहर विरुधुनगर में

11 स्कूलों में आरओ प्लांट लगाकर 15,000 स्कूली बच्चों के लिए सुरक्षित पेयजल की सुविधा प्रदान की है।

65,265 डॉलर की लागत वाली इस परियोजना को अंतरराष्ट्रीय भागीदार के रूप में रोटरि क्लब FMAM, रो ई मंडल 5580, यूएसए के साथ वैश्विक अनुदान के माध्यम से लागू किया गया था।

परियोजना के प्राथमिक संपर्क सूत्र सी मारिमुथु ने कहा कि 2016 में रोटरि क्लब राजपलायम की स्वर्ण जयंती के अवसर पर टीआरएफ को

डीजीई पी एन बी मुरुगादॉस द्वारा दी गई 50,000 डॉलर के टर्म गिफ्ट की बदौलत हम इस अनुदान को पाने में सक्षम हुए, इसके लिए उन्हें धन्यवाद। मुरुगादॉस ने जल तथा स्वच्छता के लिए अपना योगदान दिया था, जो रोटरि के छह प्रमुख क्षेत्रों में से एक है।

छात्र अपने स्कूलों में पेयजल की सुविधा पाकर खुश हैं। लाभार्थी स्कूल के एक छात्र ने कहा, हम घर से पानी की दो बोतलें ले आते थे और हमारे माता-पिता हमें दूसरों के साथ पानी साझा करने से मना करते थे। अब हम खाली बोतल लाते हैं, उनमें पानी भरते हैं और उन्हें घर ले जाते हैं। ■

DGE पी एन बी मुरुगादॉस, DG शेख सलीम और PDG बी अरुमुगपांडियन एक लाभान्वित स्कूल में।





**Rotary
India
Centennial
Summit
2020**

साक्षरता के लिए एक सवारी

जयश्री

अपनी पीली और काली टी-शर्ट के साथ, 12 आदमियों ने इस फरवरी को कोलकाता में शताब्दी शिखर सम्मेलन में उनकी उपस्थिति को चिन्हित किया। RIPN शेखर मेहता और सम्मेलन के संयोजक और RID कमल संघवी और RID भरत पांड्या की उपस्थिति में रो ई अध्यक्ष मार्क मलोनी द्वारा उन्हें सम्मानित किया गया। सुनील टेलकर के नेतृत्व वाला एक दल कन्याकुमारी से शुरुआत करते हुए 19 दिनों में 16 शहरों और 14 रोटरी मंडलों से गुजरकर 4,600 किमी की यात्रा करने के साथ एक रैली जिसे “रोटरी साक्षरता सवारी 2020” कहा गया, को पूर्ण करते हुए कोलकाता पहुँचा। रैली रोटरी भारत साक्षरता मिशन की आशा किरण परियोजना को बढ़ावा देने के लिए की गई थी ताकि बच्चे वापस स्कूल आ सकें।

जो केवल एक मजेदार सवारी के साथ शुरू हुआ वह हम सभी के लिए जीवन में एक बार मिलने वाले अनुभव में परिवर्तित हो गया, रोटरी क्लब बेंगलूर कल्याण, रो ई मंडल 3190 के सदस्य, टेलकर ने कहा। रैली करने वालों में रो ई मंडल 3190, और इंटरनेशनल फेलोशिप ऑफ़ मोटरसाइकिलिंग रोटेरियंस के सदस्य शामिल थे। टेलकर इस संगठन के पूर्व अध्यक्ष हैं।

सवारी का यह विचार रोटरी क्लब बेंगलूर ऑर्चर्ड्स के पूर्व अध्यक्ष डी रविशंकर द्वारा संकल्पित किया गया था, जिन्होंने सवारी के खर्चे को वहन करने के लिए ₹150,000 का योगदान देकर सहायता की थी। RIPN शेखर मेहता और RID कमल संघवी ने धन एकत्रित करने के लिए हमारे अभियान का समर्थन किया और रास्ते में हमारे द्वारा दौरा किए जाने वाले मंडलों में आशा किरण को बढ़ावा दिया। डीजी समीर हरियानी ने अन्य गवर्नरों के साथ समन्वय किया, उन्होंने आगे कहा।

बाइक बेंगलूर से कन्याकुमारी लाई गई थी जहाँ (मंडल 3212) डीजी शेखर सलीम ने रैली की शुरुआत की। वह बस अद्भुत थे, हमें कन्याकुमारी से तिरुनेलवेली और विरुद्धनगर तक ले गए, और रोटरी क्लबों के साथ बैठकें आयोजित कीं। और इन सबके अंत में, 350 से अधिक आशा किरणें थी, उन्होंने कहा।

PRID सी भास्कर ने उनके अगले पड़ाव करूर, रो ई मंडल 3000, में उनका भव्य स्वागत किया।

सवारी के अंत में, जब बाइक चालक कोलकाता पहुँचे, तो उनके पास करीब 600 बच्चों को प्रायोजित करने के लिए ₹15 लाख की कीमत की प्रतिबद्धताएं थी और करीब

4,000 बच्चों को स्कूल वापस लाने के लिए क्राउडफंडिंग की शुरुआत की।

पूरी यात्रा के दौरान, यह एक अद्भुत अनुभव रहा। विभिन्न मंडलों के गवर्नरों और रोटेरियनों के साथ जो संबंध हमने स्थापित किए और साक्षरता के प्रति उन सबकी प्रतिबद्धता की भावना उल्लेखनीय थी और मैं देख सकता हूँ कि 2025 तक भारत को साक्षर बनाने का हमारे RIPN का सपना एक वास्तविकता बन सकता है, टेलकर ने कहा।

उन्होंने अपने दिल के करीब का एक अनुभव सुनाया। झाँसी के लिए टीम के साथ सवारी करने के दौरान वह अन्य सदस्यों का इंतजार करने हेतु सड़क किनारे रुके। उनकी बाइक के टेल बॉक्स पर कुछ फुगो, जो रोड शो के लिए जबलपुर रोटेरियनों ने





लगाए थे, बंधे देखकर दो छोटे बच्चे उनके पास आए। सबसे छोटे बच्चे ने मुझे फुगो के बदले पांच रूपए दिए यह सोचकर कि मैं उन्हें बेच रहा हूँ। उन्हें वे फुगो देकर मैं बहुत खुश था। फिर उन्होंने बच्चों से पूछा वो कहाँ से है और कहीं पढ़ते है क्या। बच्चों ने कहा कि वे राजस्थान से है, और यह कि उनके माता-पिता के पास उन्हें स्कूल भेजने के लिए पर्याप्त पैसे नहीं है।

मैं कुछ पैसे देना चाहता था मगर इस बात से सुनिश्चित नहीं था कि बच्चों को पैसे देना सही होगा या नहीं। उन्होंने उनके माता-पिता की तलाश की, लेकिन वो नहीं मिले। फिर उन्होंने बच्चों को फूल दिए जो उनके पास पिछले दिन के समारोह से रखे थे। और फिर बच्चे खुशी-खुशी चले गए।



दक्षिणावर्त: रो ई मंडल 3190 से सुनील तेलकर और उनकी टीम कोलकाता शताब्दी सम्मेलन में ठक्क कमल संघवी, सोनल, झठक्क सी भास्कर और झउक्क राजेंद्र राय के साथ; डी रविशंकर, पूर्व अध्यक्ष, रोटरी क्लब बेंगलोर ऑर्चर्ड्स; रो ई मंडल 3020 से रवि मांडा (बाएँ) और उनकी टीम शिखर पर अपनी सवारी पूरी करने के बाद; डी रविशंकर (बाएँ से पांचवें स्थान पर) के साथ रो ई मंडल 3190 की टीम के साथ।



आशा किरण परियोजना जिसे हम प्रचारित कर रहे है वास्तव में ऐसे बच्चों को वापस स्कूल में लाने के लिए लक्षित है। हालाँकि उस घटना ने मुझे उदास कर दिया, लेकिन मन में थोड़ा संतोष था कि हम इस उद्देश्य को पूर्ण करने के लिए अपना कार्य कर रहे है। साक्षरता परियोजनाओं के लिए मेरी प्रतिबद्धताएं और मजबूत हुई है, टेलकर ने कहा।

सार्वजनिक छवि रैली

रोटरी क्लब विजयनगरम, रो ई मंडल 3020, के अध्यक्ष रवि मांडा, मंडल के अन्य पांच रोटरियनों के साथ, रोटरी क्लब चेन्नई मेराकी, रो ई मंडल 3232 का एक अखिल महिला क्लब, के आठ सदस्यों और रोटरी क्लब संकागिरी से दो सवारों के साथ, बाइक और कारों से आंध्रप्रदेश के विशाखापट्टनम से कोलकाता पहुंचे। रैली करने वाले रास्ते भर रोटरी की सार्वजनिक छवि का प्रसार कर रहे थे। बहुत से युवा दिलचस्पी ले रहे थे। कुछ ने यह भी पूछा कि क्या रोटरी से जुड़ना तब भी संभव है जब उनके पास पैसे ना हो। मंडा ने कहा, जिनकी बांह में फ्रैक्चर हो गया था।

जब वह अपनी रोटरियन पत्नी वाणी के साथ सवारी कर रहे थे, जो उनकी गाड़ी की पिछली सीट पर बैठी थी, तब उनके साथ इच्छापुरम में एक दुर्घटना हो गई थी। वह इच्छापुरम के अस्पताल में आईसीयू में है लेकिन उन्होंने मुझे रैली खत्म करने के लिए राजी कर लिया। जैसे ही हम कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे, मैंने उसे व्हाट्सएप पर तस्वीरें दिखाई और उससे कहा, यह तुम्हारी भावना है जिसने रैली को पूर्ण करने में हमारी मदद की, मांडा ने कहा। ■

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल ने रोटरी को किया सम्मानित

जयश्री

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने हाल ही में कोलकाता में आयोजित शताब्दी सम्मेलन में भाग लेते हुए 32 देशों के 4,000 रोटेरियन लोगों की सभा को संबोधित करते हुए कहा, मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि मैं भी एक रोटेरियन हूँ। जब से मैं इसमें शामिल हुआ, रोटरी ने मुझे उच्च स्थानों पर रखा। मैं इस महान अवसर पर यहां उपस्थित होने का आनंद उठाऊंगा।

जब न्यायमूर्ति बी. पी. बेरी उन्हें अतिथि के रूप में रोटरी क्लब की बैठक में ले गए, तब धनखड़ एक वकील हुआ करते थे। उन्होंने कहा, राजस्थान के एक छोटे से गाँव से होने के कारण, यह अनुभव मेरे लिए एक अच्छा अनुभव था, और मैं बहुत प्रभावित हुआ। और उन्होंने 90 के दशक में दिवंगत पीआरआईडी सुदर्शन अग्रवाल के साथ अपने जुड़ाव को याद किया।

उन्होंने मुझे निर्देशित किया और मैंने उनसे संसदीय कार्यों को सीखा।

रोई अध्यक्ष मार्क मैलोनी के संदेश का हवाला देते हुए उन्होंने कहा, रोटरी में, हममें से कोई भी अकेला नहीं है। हम सभी रोटरी में एक साथ हैं, हम जो भी हैं, जहाँ से भी हैं, हम जो भी भाषा बोलते हैं या जिस भी परंपराओं का पालन करते हैं। हम सभी एक दूसरे से जुड़े हुए हैं - हमारे समुदायों का हिस्सा और हमारे क्लब के सदस्य ही नहीं, बल्कि वैश्विक समुदाय के भी, जिनसे हम संबंधित हैं।

रोटरी का दर्शन हमारे देश की सदियों पुरानी सभ्यता का प्रतिबिंब है। फोकस क्षेत्रों और फोर-वे टेस्ट में हमारे मूल्यों के साथ एक बड़ी समानता है, उन्होंने आरआईपीएन शेखर मेहता को उनके नए कार्यभार के लिए बधाई दी। उन्होंने याद किया कि

जब मेहता उनसे मिले थे, तो उन्होंने तालियों के बीच कहा, उन्होंने वादा किया था कि मेरी शिखर सम्मेलन की यात्रा के सम्मान में रोटरी बच्चों के लिए 50 हृदय की सर्जरी प्रायोजित करेगा। मैं आश्चर्यचकित था क्योंकि यह पहली बार है जब कोई मुझसे कुछ माँगने के बजाय कुछ देने आया है।

उन्होंने भारत को पोलियो मुक्त बनाने में रोटरी के योगदान की सराहना की और समुदाय के लिए कल्याणकारी उपायों को क्रियान्वित करने हेतु रोटेरियन को धन्यवाद दिया। धनखड़ ने कहा, हमें मानवता की सेवा तथा दुनिया भर में लोगों के उत्थान हेतु ऐसे और लोगों की जरूरत है। धनखड़ ने कहा, मफ जब भी आपको मेरी सेवाओं की आवश्यकता हो, तो मैं रोटेरियन को अपने समर्थन का आश्वासन देता हूँ। ■

बाएं से: पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ और उनकी पत्नी सुदेशी को शिखर सम्मेलन में (बाएं) राशी, गो, RIPN शेखर मेहता, रोई अध्यक्ष मार्क मलोनी, RID कमल संघवी और DG अजय अग्रवाल की उपस्थिति में सम्मानित किया गया।



रोटरी के विकास के लिए रोटरेक्ट के सिद्धान्त: न्यासी जेनिफर

वी मुत्तुकुमारण

कोलकाता के शताब्दी सम्मेलन में PRID मनोज देसाई की अध्यक्षता में सदस्यता पर हुई एक पैनल चर्चा में विविधता का जश्न मनाना, अधिक युवाओं को रोटरी में आकर्षित करना, नेतृत्व की भूमिकाएँ और रणनीतिक दृष्टिकोण रखना कुछ ऐसे मुद्दे हैं जिनपर विचार-विमर्श किया गया।

अपनी शुरुआती टिप्पणियों में, PRID पांडुरंगा शेड्डी ने ध्यान दिलाया कि जबकि एशिया में विकास दर संतोषजनक है, यह बाकी की पूरी दुनिया, जिसमें उत्तरी अमेरिका शामिल है, में चिंता का विषय है। एक पल के लिए हम 1.2 मिलियन की पूरी सदस्यता को अगले स्तर पर ले जाना चाहते थे, लेकिन ऐसा कभी भी नहीं हुआ। न्यासी जेनिफर जोन्स ने कहा कि विज़न स्टेटमेंट 2025 ने आगामी दशकों में रोटरी को आगे

ले जाने पर नेतृत्व की भूमिका पर उचित रूप से जोर दिया है। रोटरेक्ट आंदोलन और रोटरेक्टरों को अपना ही सही चीज़ है क्योंकि यह रोटरी के विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण है, उन्होंने कहा। हाल ही में बताए गए विज़न स्टेटमेंट और एक्शन प्लान दोनों ही चार प्राथमिक क्षेत्रों पर ध्यान केन्द्रित कर रहे हैं - पहुँच को बढ़ाना, व्यस्तता को बढ़ाना, अधिक विविधता और सदस्यता को संवहनीय बनाना - जो रोटरी को 30 साल से कम उम्र के लोगों के लिए एक आकर्षक संगठन बनाता है जिनकी संख्या दुनिया की 7.5 बिलियन लोगों की आबादी में आधे से अधिक है, कोरिया से न्यासी सांग क्यू ने कहा।

युवा पीढ़ी रोटरी के भविष्य को प्रभावित करेगी और जनसांख्यिकी अध्ययन के अंतर्गत हमें उन पर ध्यान देने की ज़रूरत है। उनका जुनून रोटरी

जहाँ सेवा गतिविधियाँ ज़रूरी हैं, वहीं युवाओं को आकर्षित करने के लिए नेतृत्व विकास के अवसर प्रदान करना भी ज़रूरी है

PRID मनोज देसाई

की सदस्यता को प्रेरित करेगा, उन्होंने कहा। ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड क्षेत्र से रोटेरियन सरिता मैकलीन ने कहा कि घटती सदस्यता उनके ज़ोनों में एक बहुत बड़ी चिंता का विषय है।

21A और 21बी ज़ोन (सेंट्रल एशिया और ईस्ट यूरोप) से RIDE कैटरिना कोतसली ने कहा, हमारे क्षेत्र में युवाओं को आकर्षित करने के लिए रोटरी की शांति पहले अत्यंत आवश्यक है। एक अलग दृष्टिकोण देते हुये, RIDN विकी पुलिज़, रोई मंडल 5190, यूएस, ने कहा, चूंकि हमारी

सेवाएँ बहुआयामी हैं, इसलिए युवा रोटरी में नेतृत्व विकास और नेटवर्किंग को आकर्षक तत्वों के रूप में देखते हैं।

देसाई ने सत्र का समापन यह कहते हुए किया कि मंडल नेतृत्वकर्ताओं को उनके क्लबों की ज़रूरतों को समझने का प्रयास करना चाहिए। जहाँ सेवा गतिविधियाँ ज़रूरी हैं, वहीं युवाओं को आकर्षित करने के लिए नेतृत्व विकास के अवसर प्रदान करना भी ज़रूरी है, उन्होंने कहा। पीडीजी स्वप्न कुमार चौधरी ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।■

बाएँ से: RIDN विकी पुलिज़, ट्रस्टी जेनिफर जोन्स, PRIDs मनोज देसाई, एम के पांडुरंगा सेटी, रोटेरियन सरिता मैकलीन, ट्रस्टी सांग क्यू नून और RIDE कैटरिना कोतसली।



डीजीईयों को प्रेरित करना चाहिए और क्लबों से जुड़ना चाहिए

वी मुत्तुकुमारण

डुनिया में सबसे अच्छे नेता कौन है और आप उनके कौन से गुणों का अनुसरण करना चाहते हैं, पीडीजी दीपक कपूर ने इंदौर इंस्टीट्यूट के GETS प्रशिक्षण सत्र में पूछा।

कार्यवाही के किसी भी क्षेत्र में एक नेता को दूसरो को प्रेरित एवं सशक्त करना चाहिए, संकट की घड़ी में शांत रहना चाहिए, अच्छे कार्य को स्वीकार करना चाहिए, नए नेतृत्वकर्ताओं को प्रेरित एवं तैयार करना चाहिए, कपूर ने कहा। साथ ही, एक व्यक्ति को विनम्र और आत्म-विश्वासी होना चाहिए। जहाँ रोटरी मंडलों का उद्देश्य क्लबों को सहारा और समर्थन प्रदान करना है, वहीं वे रोई और रोटेरियनों के मध्य एक सेतु का कार्य भी करते हैं; डीजीईयों को फेलोशिप और कार्यक्रमों के माध्यम से क्लबों के मध्य एक तालमेल बैठाना चाहिए जो विभिन्न पृष्ठभूमियों के पेशेवरों को जोड़ते हैं।

जो क्लब स्वयं को अलग रखते हैं और मंडल कार्यक्रमों एवं अन्य गतिविधियों में शामिल नहीं होते हैं, उन्हें जिम्मेदारियाँ दी जानी चाहिए; उन्हें प्रशिक्षण सत्रों में शामिल करें और उनकी मासिक गतिविधियों पर नज़र रखें, कपूर ने कहा।

अन्य चुनौती गुटबाजी और सत्ता की होड़ से जूझ रहे एक मंडल में परस्पर-विरोधी नेतृत्व पद्धति का प्रबंधन करने की है। मंडल नेतृत्वकर्ताओं के बीच की तकरार को खत्म करने के लिए आपके पास मध्यस्थता कौशल होने चाहिए।

ब्रेकअवे सत्रों ने मंडल क्लबों और मंडल पदाधिकारियों के मध्य संघर्ष की स्थिति से निपटने के तरीकों पर चर्चा की। समस्या सुलझाने के विभिन्न विचार सामने आए: अच्छे कार्य को स्वीकार करने के लिए एक प्रदर्शन समिति अध्यक्ष, या इन संघर्ष मुद्दों से निपटने के लिए एक संघर्ष प्रबंधन समिति;

समस्याएं खड़ी करने वाले मुद्दों की जाँच करने के लिए डीजी एक सहायक की नियुक्ति कर सकते हैं; और क्लब की कोर टीम के साथ संचार चैनलों को मजबूत किया जाना चाहिए ताकि उनकी नकारात्मक धारणा और पहचान संकट को दूर किया जा सके।

चर्चा को सार प्रस्तुत करते हुए, कपूर ने कहा कि आगामी राज्यपालों के रूप में उन्हें संघर्षों से निपटने की रणनीति तैयार करनी चाहिए और समुदाय की भलाई के लिए सभी क्लबों में सामंजस्य बैठकर एकजुटता के साथ उनसे काम करवाना चाहिए।

सामाजिक मीडिया की ताकत

जोन 5 और 7 के डीजीईयों के लिए एक अन्य सत्र में, पीडीजी जे बी कामदार ने क्लबों के साथ संपर्क

करने और उनसे जुड़ने पर जोर दिया। क्लबों के मध्य बड़ा प्रभाव डालने के लिए सामाजिक मीडिया का बेहतर तरीके से फायदा उठाया जा सकता है। बड़ी परियोजनाएं करने हेतु रोटेरियनों को प्रेरित करने के लिए व्हाट्सएप, फेसबुक, यूट्यूब, Rotary.org, GML (डिजिटल), मंडल वेबसाइट, ईमेल, ब्लॉग, इन्स्टाग्राम और वेबिनार का प्रयोग किया जा सकता है। प्रिंट मीडिया, ब्रोशर, पैम्फलेट और GML न्यूज़ लेटर्स जैसे पारंपरिक मंच अभी तक प्रासंगिकता रखते हैं। उनके कार्यों की त्वरित समीक्षा हेतु उनके द्वारा की जा रही परियोजना, सदस्यता की स्थिति और टीआरएफ़ दान के बारे में जानने के लिए सहायक गवर्नरों, क्लब अध्यक्ष और सचिव से





रीजनल लीडर्स
सेमिनार में RID
भरत पांड्या/ चित्र
में PRID सी भास्कर
और ट्रस्टी जेनिफर
जोन्स शामिल हैं।

चर्चा करके पहले से ही अपने जउत (आधिकारिक क्लब दौरा) की योजना बना लें, उन्होंने समझाया।

मंडल वेबसाइट

1-10 के पैमाने पर, आपके मंडल की वेबसाइट कितनी महत्वपूर्ण है? सभी डीजीई 8-9 की रैंक से सहमत थे और क्लब कार्यक्रमों, परियोजनाओं और अतिरिक्त उपकरणों की नियमित अपडेट की अनुशंसा की ताकि मार्गनिर्देशन करना आसान हो। क्लब का इतिहास, और एक फोटो गैलरी जोड़ी जा सकती है। डीजीई एस मुत्तुपालनिअप्पन, 3232, ने कहा विचार साझा करने और परियोजनाओं को अपलोड करने के लिए मंडल पोर्टल पर रोई वेबसाइटों के लिंक दिए जा सकते हैं। डीजीई रंगनाथ भट, 3181, संग्राम विष्णु, 3170, डॉ थॉमस वावानीकुचेल, 3211, और के एस वेंकटेशन, 2982, ने इस बात पर सहमति जताई कि क्लब गतिविधियों को सक्रिय करने और फेलोशिप को बढ़ाने के लिए मंडल वेबसाइटें शक्तिशाली डिजिटल उपकरण बन सकती हैं।

GML का नया रूप

जहाँ सभी सदस्यों को GML की सॉफ्ट कॉपी भेजी जा सकती है, वहीं हार्ड कॉपी को मंडल नेतृत्वकर्ताओं को पोस्ट करना पड़ता है। मासिक न्यूजलेटर को मंडल परियोजनाओं के अलावा, प्रासंगिक आंकड़ों के साथ सदस्यता, टीआरएफ

दान, मुख्य दान और संस्थान गतिविधियों पर भी प्रकाश डालना चाहिए, कामदार ने कहा।

क्षेत्रीय नेतृत्वकर्ताओं के लिए निरंतर सीखते रहना जरूरी है

रोटरी के प्रभाव को बढ़ाने, उसकी पहुँच को विस्तृत करने, भागीदारों की नियुक्ति को बढ़ाने और दुनिया में हो रहे विवर्तनिक परिवर्तनों के अनुकूल होने की क्षमता को बढ़ाने के लिए नयी प्राथमिकताओं ने पुरानी योजनाओं की जगह ले ली है, रीजनल लीडर्स प्रोग्राम, इवेंसटन, की सहायक कर्मचारी नोरा बीमिश ने कहा।

जहाँ Rotary.org वेबसाइट का उपयोग प्रशिक्षण संसाधनों को संग्रहित करने के लिए किया जाता है, वहीं नई कार्य योजना क्षेत्रीय नेताओं (RRFCs, ARRFCs, EMGAs, EPNCs, DRFCs, RPICs और न्यासियों) के कुशल दलों का निर्माण करने पर ध्यान केन्द्रित कर रही है जो रोई मंडलों के साथ एक मजबूत संबंध स्थापित करने में सक्षम है, PRID सी भास्कर की अध्यक्षता वाले इंदौर के एक सेमिनार में उन्होंने कहा। क्षेत्रीय नेताओं को आवश्यकता है कि वे अधिक व्यस्त रहे, सिलसिलेवार जानकारी प्रदान करें और रोई के ध्यानाकर्षण क्षेत्र में नए बदलाव के साथ मंडल नेतृत्व में सामंजस्यता को बनाए रखने के लिए विचार प्रस्तुत करें, नोरा ने कहा। अब चूंकि रोटरेक्टर रोटरी के हिस्से के रूप में उभरे हैं; रोई के विजन स्टेटमेंट में विविधता, निष्पक्षता और समावेशन शामिल किए गए हैं।

न्यासी जेनिफर जॉस जिन्होंने सत्र की सह-अध्यक्षता की, ने RPICयों से रोटरी की सार्वजनिक छवि में वृद्धि करने का आग्रह किया क्योंकि अधिकतर लोग यह नहीं जानते हम कौन हैं और क्या करते हैं। क्षेत्रीय नेताओं को छवि निर्माण में रोटरेक्टरों को शामिल करना चाहिए, अधिक महिला सदस्यों को जोड़ना चाहिए और उनकी साप्ताहिक बैठकों को संचालित करने में क्लबों का लचीलापन सुनिश्चित करना चाहिए, उन्होंने आगे कहा।

EPNC डॉ ई के सागधेवन ने एक अखिल भारतीय पहल प्रोजेक्ट पॉजिटिव हेल्थ - स्टॉप NCDs का एक संक्षिप्त विवरण दिया जिसका उद्देश्य रोटरी द्वारा एक श्रेणीबद्ध त्रिस्तरीय पद्धति के माध्यम से मोटापा, उच्च रक्तचाप और मधुमेह जैसी महामारियों पर लगाम लगाना है। प्रत्येक व्यक्ति को अपना बॉडी मास इंडेक्स, बीपी और शुगर स्तर पता होना चाहिए जिसके लिए क्लब विशेष NCD शिविरों में रोटरी पहचान पत्र जारी करेंगे, उन्होंने कहा।

एक चम्मच कम, चार कदम आगे - नमक, शक्कर और तेल कम करें, चार कदम आगे बढ़ें - अभियान के अलावा, रोटेरियन स्कूलों में रैलियों, विशेष शिविरों और NCD सत्रों जैसे जागरूकता कार्यक्रमों को करने के साथ ही सरकार की स्वास्थ्य पहल का समर्थन करेंगे और एक मजबूत पक्ष-समर्थक की भूमिका निभाएँगे, सागधेवन ने कहा।

चित्र: वी मुत्तुकुमारण

बंगाल के मंत्री ने रोटरी MSME सेल का दिया सुझाव

वी मुत्तुकुमारण

पश्चिम बंगाल के वित्त, उद्योग और वाणिज्य, मंत्री अमित मित्रा ने ह्यूमिनिटी हीरो अवार्ड सेशन में अपने भाषण के दौरान स्वास्थ्य तथा उद्यम क्षेत्र में रोटरी के लिए तिन सुझाव दिए।

उन्होंने रोटरी से तीन और एक्स-रे डायग्नोस्टिक सेंटर स्थापित करने का आग्रह किया क्योंकि अल्ट्रासाउंड, हेमटोलॉजी और ईसीजी मशीनों से जरूरतमंद मरीजों के इलाज का आंकड़ा बहुत अधिक

हो गया है। मित्रा ने कहा, इस सेंटर में पिछले चार वर्षों में 150,000 से अधिक रोगियों का इलाज हुआ है जहां बाजार मूल्य से 40 प्रतिशत कम शुल्क लिया जाता है। मैंने बस सेवा को फिर से शुरू किया, जो कि एक्स-रे सेंटर पर ग्रामीण मरीजों को लाने का कार्य करती थी, जिसमें 27 व्यक्ति कार्यरत थे। अब, इसका अधिशेष 200,000 अमेरिकी डॉलर है जो बैंक में जमा है।

आरआईपीएन शेखर मेहता ने उन्हें बीच में रोकते हुए कहा कि रोटरी की स्थापना निकट भविष्य

में तीन नहीं, बल्कि छह और नैदानिक केंद्रों में की जाएगी।

बाल हृदय शल्य चिकित्सा में रोटरी द्वारा दी गई जानकारी के बाद - शताब्दी वर्ष में 1,000 किए गए - मंत्री ने कहा कि सरकार ने शिशु स्वास्थ्य योजना शिशु साथी को प्राथमिकता दी है, जो बच्चों को मुफ्त हृदय शल्य चिकित्सा प्रदान करती है।

मित्रा ने पूरे बंगाल में 2019-20 में 30 मिलियन अमेरिकी डॉलर (₹ 200 करोड़) की विविध परियोजनाएं लेने हेतु रोटरी की सहायता की, और क्लबों से जमीनी स्तर पर परियोजनाओं को बढ़ावा देने का आह्वान किया।

उनका दूसरा सुझाव MSME के मोर्चे पर थी; मंत्री ने रोटरी से मंत्रालय से जुड़े MSME के लिए एक विशेष सेल बनाने का आग्रह किया जो सूक्ष्म तथा लघु उद्यमियों, मेंटर्स को कौशल प्रदान कर सके और उन्हें निर्यात बाजार को खोजने में मदद कर सके। उन्होंने कहा कि, अपनी विशेषज्ञता के साथ, आप उन्हें अपने काम को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं, अपने व्यवसाय का विस्तार करने हेतु मार्गदर्शन कर सकते हैं। हमने MSME क्षेत्र की राज्य में 900,000 इकाइयों की वृद्धि हेतु ₹ 70,000 करोड़ अलग से निर्धारित किए हैं और रोटरी के किसी भी प्रस्ताव को मेरे द्वारा तुरंत ही मंजूरी दे दी जाएगी।

तीसरा, पश्चिम बंगाल में 549 औद्योगिक क्लस्टर हैं और उनमें से कम से कम पांच को रोटरी अपना सकती है और सुधार कर सकती है, विशेष रूप से टेनरी और लेदर क्लस्टर जो सबसे बड़ा है। हम आपकी पहल का समर्थन करेंगे।

उन्होंने उम्मीद जताई कि राज्य भर में रोटरी परियोजनाएं अगले तीन वर्षों में ₹ 500 करोड़ का आंकड़ा छू लेंगी और उन्होंने रोटरी नेताओं से पश्चिम बंगाल में नौकरियों का सृजन करने का बीड़ा उठाने का आह्वान किया। ■

पश्चिम बंगाल के वित्त, उद्योग और वाणिज्य मंत्री अमित मित्रा को RIPN शेखर मेहता सम्मानित करते हुए। चित्र में PDG सुभाष जैन और शताब्दी शिखर सम्मेलन के अध्यक्ष विनोद बंसल शामिल हैं।

वी मुत्तुकुमारण



अशांति के समय में शांति का निर्माण

वी मुत्तुकुमारण



वी मुत्तुकुमारण

बाएं से: रो ई मंडल 3141 पीस फेलोशिप चेयर राजेंद्र रुइया, IPS अधिकारी लुइश एंड, ट्रस्टी-इलेक्ट अजीज मेमन, RIDE पीटर काइल, पीस फेलो सलोनी लाखिया और PDG कल्पना खौंड।

RIDE पीटर काइल, रो ई मंडल 7620, वाशिंगटन डीसी ने कहा कि, निन्यानवे साल पहले, एडिनबर्ग में आयोजित हुए रो ई कन्वेंशन में सद्भावना तथा शांति के अंतर्राष्ट्रीय मानकों पर एक संकल्प को अपनाया गया था, जिसने भविष्य के सम्मेलनों में मानवाधिकारों तथा वैश्विक शांति पर संकल्पों के एक समूह की नींव रखी थी। जब अमेरिकी राष्ट्रपति हैरी ट्रूमैन तथा ब्रिटिश प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल 1945 में द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सैन फ्रांसिस्को में संयुक्त राष्ट्र चार्टर का मसौदा तैयार करने के लिए साथ आए, तो उस वक्त ड्राफ्टिंग कमेटी में 49 रोटेरियन शामिल थे।

शताब्दी शिखर सम्मेलन में मशांति को बढ़ावा: सपने को साकार करने पर आयोजित एक पैनल चर्चा की अध्यक्षता करते हुए, काइल ने कहा कि शांति तथा संघर्ष संकल्प रोटर की छह केन्द्रित क्षेत्रों में से एक है और कार्यशालाओं, सम्मेलनों, रोटरी पीस चेयर्स, पीस फेलो और पीस अकादमी सहित कई पहले आयोजित की जाती हैं, जो रो ई के प्राथमिक लक्ष्यों में से एक है। उन्होंने कहा, शांति रोटर की डीएनए में है और हमारे 1,350 पीस फेलो दुनिया भर में फैले हुए हैं और अपने मिशनों को लेकर उत्सुक हैं।

गुवाहाटी के आईपीएस अधिकारी और रो ई मंडल 3240 के पीस स्कॉलर डीआईजी लुइश एंड ने कहा कि 2,000 से अधिक बोडो उग्रवादियों द्वारा हथियार डालने से उन्हें बहुत संतुष्टि मिली। पीस स्कॉलर्स का उनका बैच सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय है, जो उन्हें निहित स्वार्थों द्वारा फर्जी समाचारों तथा विघटन अभियान के खिलाफ जनता को सचेत करने में मदद करता है।

उन्होंने कहा, लेकिन समाज में सभी आत्मसमर्पित आतंकवादियों का पुनर्वास करना एक चुनौती है।

पीडीजी कल्पना खौंड, रो ई मंडल 3240 ने कहा कि, उत्तर-पूर्व क्षेत्र जहां से वह हैं, उग्रवाद और परस्पर विरोधी आदिवासी हितों से घिरा हुआ है और कमजोर युवाओं को चरमपंथी समूहों द्वारा आकर्षित किया जाता है जो समान जातीयता, भाषा और संस्कृति को साझा करते हैं। उन्होंने कहा, उत्तर-पूर्व में स्थायी शांति स्थापित करने में रोटरी शांति केंद्रों की बड़ी भूमिका है। “कमजोर बॉर्डर बेरोजगार लोगों के लिए असामाजिक गतिविधियों में लिप्त होना आसान बनाता है, अशांति पैदा करता है।”

पाकिस्तान के टीआरएफ ट्रस्टी-नॉमिनी पीडीजी अजीज मेमन ने याद दिलाया कि, कैब्रिज यूनिवर्सिटी में हाल ही में एक बहस में यह बताया गया था कि

युद्ध न होना शांति नहीं है और जमीन पर परिणाम हासिल करने हेतु निरंतर प्रयासों की आवश्यकता है। मेमन ने कहा, पाकिस्तान तथा अफगानिस्तान में पोलियो उन्मूलन के हमारे प्रयासों को हत्याओं और आतंकवादी हिंसा के कारण कई असफलताओं का सामना करना पड़ा है। हमारे फ्रंटलाइन वैक्सीनेटर में से लगभग 70 प्रतिशत लड़कियां हैं और उनमें से 190 से अधिक व्यक्ति पिछले तीन वर्षों में स्वाट क्षेत्र में अपने पोलियो कार्य के दौरान मारे गए।

उन्होंने कहा कि उस समय आतंकवाद जैसी स्थिति न होने के कारण पाकिस्तान 1968 में चेचक के प्रकोप से बाहर निकलने में सफल रहा।

रोटरी पीस फेलो, सलोनी लाखिया ने कहा, पिछले छह महीनों में हम सफल होने के बाद, हम संसाधनों को साझा कर रहे हैं, शोध पत्रों में योगदान कर रहे हैं तथा सीमा पार से सहयोग की तलाश कर रहे हैं। राजेंद्र रुइया, डिस्ट्रिक्ट एवेन्यू चेयर, पीस फेलोशिप, रो ई मंडल 3141 ने कहा, मुम्बई के सभी 25 पीस स्कॉलर्स क्लब प्रोजेक्ट्स को विकसित करने में मदद करते हैं क्योंकि वे थिंक-टैंक में से हैं। उन्होंने कहा कि, वो नेतृत्व कौशल वाले उम्मीदवारों का भी साक्षात्कार लेते हैं और सामुदायिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के माध्यम से शांति-निर्माण के प्रयासों को सामने लाते हैं। ■

मंडल सम्मेलन 3250: आनंद और मैत्री का एक सम्मिश्रण

किरण जेहरा

नवाबों के शहर, लखनऊ, में रोई मंडल 3250 के मंडल सम्मेलन जूनून को एक शब्द में वर्णित करने के लिए आनंद उचित संकेतपद है जिसमें 800 से अधिक रोटैरियनों ने अपने परिवारों के साथ उनकी उपलब्धियों का संस्मरण करने, और एक साथ मिलकर सप्ताहांत का आनंद लेने के लिए कार्यक्रम में हिस्सा लिया। मंडल सम्मेलन में RIPR फ्रांसेस्को अरेज़्ज़ो, RIPN शेखर मेहता, RID कमल संघवी, RID भरत पांड्या और RIDN ए एस वेंकटेश शामिल हुए। तुरही और ढोल की आवाजों के मध्य, रोटरी नेताओं को घोड़ी गाड़ी में बैठाकर लाया गया और पारंपरिक आरती से उनका स्वागत किया गया।

अपने उद्घाटन भाषण में, RIPR अरेज़्ज़ो ने रोटैरियनों से अपने व्यक्तिगत जीवन और व्यापार में चार मार्ग परीक्षण लागू करने के लिए कहा। मेहनत करें, अतीत को संभाल कर रखें, वर्तमान को संजोएं और भविष्य के लिए रास्ते तैयार करें। उन्होंने मुख्य दानकर्ताओं द्वारा रोटरी संस्थान को दिए गए समर्थन को स्वीकार किया और उनके मंडल में महिला रोटैरियनों की संख्या को बढ़ाने के लिए डीजी गोपाल खेमका की प्रशंसा की।

RIPN मेहता ने सभी को याद दिलाया कि एक मंडल सम्मेलन नए दोस्त बनाने, पुरानी दोस्ती में नई जान डालने, हमारे वरिष्ठजनों से सीखने और हमारे संगठन के युवाओं से जुड़ने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने टिप्पणी की कि रोटरी में उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि यह थी, मैंने कभी मुझे दी गई जिम्मेदारियों या कार्यों को करने से झुकाव नहीं बोला। उन्होंने कहा, इसने बड़ी जिम्मेदारियों के लिए दरवाजों को खोला और रोटरी एवं उसके उद्देश्य के सही मूल्य को समझने में मेरी मदद की।

एक मनोहर शेर-ओ-शायरी वाले अंदाज़ में, रोई मंडल कमल संघवी ने उनके उद्देश्य Each one bring one को एक काव्यात्मक बनाएं स्पर्श दिया। रोटरी को मजबूत बनाने के लिए यह जरूरी

RIPR फ्रांसेस्को अरेज़्ज़ो और उनकी पत्नी एना मारिया का मंडल सम्मेलन में भव्य स्वागत किया गया। उखऊ कमल संघवी और सोनल भी चित्र में शामिल हैं।



बाएँ से: RIPN शेखर मेहता और
राशी के साथ कविता और DG
गोपाल खेमका।



है कि हम अपने बेटे और बेटियों को एक गर्वित रोटेरियन, उन्होंने कहा। उन्होंने हॉल में मौजूद उन महिलाओं को बधाई दी जो एक रोटेरियन या एक एन्स के रूप में रोटरी को मजबूत बनाने के लिए सहायनीय कार्य कर रही हैं।

RID पांड्या ने कहा, रोटरी को असली ताकत रोटेरियनों द्वारा उनके क्लबों और समुदायों में गंभीरता के साथ कार्य करने से मिलती है। उन्होंने

सार्थक सेवा परियोजनाओं को कार्यान्वित करने हेतु सदस्यता वृद्धि, अवरोधन और अन्य संगठनों, सरकार एवं अन्य गैर सरकारी संगठनों के साथ साझेदारी करने पर जोर दिया। उन्होंने रोटेरियनों को अच्छे स्वास्थ्य की महत्ता और यह हमारी जिंदगी के लक्ष्यों और उद्देश्यों को हासिल करने में कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, के बारे में याद दिलाया। RIDN वेंकटेश ने साक्षरता की आवश्यकता पर बात की

और ई-लर्निंग एवं वयस्क साक्षरता की महत्ता पर जोर दिया।

मजिदर सत्रों के साथ मंडल सम्मेलन आनंद और मैत्री से भरपूर थे। डीजी खेमका ने अपने समापन भाषण में अपने गृह क्लब रोटरी क्लब पाटलीपुत्र को धन्यवाद दिया और मंडल सम्मेलन को सफल बनाने के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। ■



कन्नड़ के छात्रों के लिए मल्टीलिंगुअल कीबोर्ड

टीम रोटरी न्यूज



कन्नड़ भाषा में डिजिटल लर्निंग का समर्थन करने तथा छात्रों को अपनी मातृभाषा में विभिन्न विषयों को समझने में मदद करने हेतु रोटरी क्लब बेंगलूर ओएसिस, रो ई मंडल 3190, ने एक मल्टीलिंगुअल कीबोर्ड पेश किया है जिससे गवर्नमेंट हाई स्कूल, राजनकुंटे में कंप्यूटर साक्षरता को बढ़ावा मिलेगा।

विद्यालय के लैंग्वेज लैब में का-नाडा नामक इस बहु उपयोगी कीबोर्ड को स्थापित किया गया था। क्लब के सामुदायिक सेवा के निदेशक पॉल मुंडैकल ने कहा, का-नाडा इंडिक भाषाओं के लिए मल्टीलिंगुअल

टाइपिंग की सुविधा वाला एक कीबोर्ड है और इसमें अंग्रेजी भाषा के लिए रोमन वर्णमाला वर्ण सेट हैं। कानाडा फोनेटिक्स के डॉ. गुरु प्रसाद द्वारा विकसित यह डिवाइस, छात्रों के सीखने के अनुभव को बढ़ाने हेतु कम लागत वाली पॉकेट कंप्यूटर के साथ आती है।

यह कीबोर्ड बच्चे को उसकी मातृभाषा में कक्षा 1 से ही शब्दों और वाक्यों को लिखने में सक्षम करेगा।

इस स्कूल के छात्रों ने मल्टीलिंगुअल कीबोर्ड का उपयोग करते हुए कन्नड़ में लिखना शुरू कर दिया है और साथ ही वो कन्नड़ का उपयोग करते हुए अन्य इंडिक भाषाओं को भी टाइप करते हैं। उन्होंने

कहा, वे अंग्रेजी भी सीखते हैं और टाइप करते हैं। कई छात्र ऐसे भी हैं जिन्होंने इससे पहले कभी भी माउस तक नहीं पकड़ा हुआ था। अब उन्हें लग रहा है कि वे इस डिजिटल दुनिया में पीछे नहीं रहेंगे।

क्लब स्कूल की इमारतों में सुधार कर रहा है, नए बेंच तथा प्रशिक्षण शिक्षकों और छात्रों को महत्वपूर्ण सोच के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। क्लब के अध्यक्ष हेमंत शर्मा ने कहा, विनस कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं और छात्राओं को दुबारा इस्तेमाल के योग्य पैड वितरित किए जाते हैं। ■



कल्याण बेनर्जी के साथ रोटरी क्लब भावनगर के अध्यक्ष राकेश कनाड़ा, DG अनीश शाह (PRIP बेनर्जी के पीछे), PDG पिंकी पटेल (बाएं से तीसरे) और साइकिल चालक।

रोटरी क्लब भावनगर ने अपने अंदाज और मनोहर ढंग से 75वां जन्मदिन मनाया

रशीदा भगत



रोटरी क्लब भावनगर
की स्थापना 1945
में वैलेंटाइन्स डे के

दिन हुई थी, और उसने इस फरवरी को अपनी प्लैटिनम जयंती मनाई। कार्यक्रम प्रमुख और पूर्व अध्यक्ष मनीष कोठारी कहते हैं, तब से, और पिछले 75 वर्षों से, हमारे क्लब के सदस्य प्यार और सेवा के माध्यम से भावनगर मंडल के दलितों के लिए वैलेंटाइन की भावना को जी रहे हैं।

वह कहते हैं कि उनका क्लब, छठवां सबसे पुराना और रोई मंडल 3060 के सबसे बड़े क्लबों में से एक, के सभी 131 सदस्यों ने हमेशा पुरानी समस्याओं से निपटने के रचनात्मक तरीकों के बारे में सोचा है, और सबसे महत्वपूर्ण, और हम तक पहुँचने से पहले ही वे समस्याओं को हल करने के बारे में सोच लेते हैं। इस दूरदर्शिता ने हमारे शहर में रोटरी की छवि निर्मित की है। हमारे क्लब के पास एक सुन्दर वातानुकूलित, ध्वनिक साउंड प्रूफ हॉल है, जहाँ हम केंद्रीकृत सामुदायिक सेवा गतिविधियों की योजना बनाते हैं और उन्हें निष्पादित करते हैं।

रोटरी क्लब भावनगर ने दो दिवसीय विशाल उत्सव कार्यक्रम का आयोजन करके अपनी 75वीं जयंती को चिन्हित किया, जिसकी

अध्यक्षता PRIP कल्याण बेनर्जी ने की और इसमें डीजी अनीश शाह, डीजीएन संतोष प्रधान, आईपीडीजी पिंकी पटेल, और पीडीजी प्रदीप गोहिल और पीडीजी दीपक अग्रवाल शामिल हुए।

क्लब की प्लैटिनम जयंती के उत्सव की शुरुआत एक रक्तदान शिविर के साथ हुई, जिसमें 100 बोतल रक्त एकत्रित किया गया। फिर वरिष्ठ रोटरी नेतृत्वकर्ताओं को क्लब की प्रतिष्ठित परियोजनाओं को दिखाने हेतु ले जाया गया। इनमें से एक थी अ रे ऑफ होप - एक बाल देखभाल परियोजना जो लावारिस बच्चों को पढ़ाने और पोषित करने की पुरानी और महत्वपूर्ण स्थानीय जरूरत को कवर करती है, क्लब अध्यक्ष राकेश कणाद कहते हैं। 20 वर्षों से चल रही इस परियोजना को शहर में काफी पहचान मिली और इससे बहुत सारे बच्चे पोषित हुए ग्रेजुएट हुए और वे आज बहुत अच्छी नौकरियों में हैं, उन्होंने आगे कहा।

अन्य परियोजना, लाइट देर पाथ एक स्कूल बैंच परियोजना है जिसके अंतर्गत ₹90 लाख की प्रभावी राशी की लागत से 4,300

स्कूल बैंच दान की गई। रोटरी ई-लाइब्रेरी कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए एक अनोखी स्टेट ऑफ आर्ट वातानुकूलित लाइब्रेरी है।

अमृतम भू-जल तालिका में सुधार करते हुए, कुओं को फिर से भरने और उनका कायाकल्प करके जल संचयन करने की परियोजना है, और रोटरी परमानेंट वेक्सिनेशन सेंटर में, पिछले 20 वर्षों से प्रत्येक रविवार को योग्य डॉक्टरों और नर्सों के द्वारा रियायती दरों पर 300 से अधिक बच्चों का टीकाकरण किया जाता है।

अन्य परियोजना, रोटरी पारेख डायग्नोस्टिक्स एक चिकित्सीय पैथोलॉजिकल लैब है जहाँ योग्य और कुशल व्यक्तियों द्वारा उचित दामों पर परीक्षण किए जाते हैं। समुदाय की जरूरतों को संवेदनशीलता, हमदर्दी



पिछले 75 वर्षों से, क्लब के सदस्य प्यार और सेवा के माध्यम से भावनगर मंडल के दिलितों के लिए वेलेंटाइन की भावना को जी रहे हैं।



ऊपर: दाएं से: **PRIP** बेनर्जी, **PDG** पिंकी पटेल और उनके पति **रोटेरियन सुमुद पटेल**।

बाएं: **PRIP** बेनर्जी, **Ray of Hope** प्रोजेक्ट के बच्चों, और **रोटरी एन्स जो इन बच्चों को रोटरी सर्विस सेंटर में शाम को पढ़ाते हैं** के साथ।

नीचे: क्लब के अध्यक्ष कणाद, **DG** अनीश शाह (दाएं) को **EREY** योजना के तहत **TRF** के लिए एक चेक सौंपते हुए। पूर्व अध्यक्ष मनीष कोठारी भी चित्र में शामिल हैं।



और प्रभावशीलता के साथ पूरा करने के लिए **PRIP** बेनर्जी ने क्लब को इसके महान कार्य के लिए बधाई दी।

झंडे और मोमबत्तियों के साथ देर शाम एक विशाल उत्सव का आयोजन किया गया। जिले के वरिष्ठ नेतृत्वकर्ताओं के अलावा, इसमें शहर के गणमान्य और प्रमुख नागरिकों, दानकर्ताओं, रोटरेक्टरों और क्लब सदस्यों के परिवारों ने हिस्सा लिया।

कोठारी, जो अपने क्लब के टीआरएफ अध्यक्ष भी हैं, ने आगे कहा कि इस ऐतिहासिक वर्ष में, क्लब ने एक योजना शुरू की है जिसका शीर्षक है **EREY**- एवरी रोटेरियन एवरी इयर। यह इसके सभी सदस्यों को प्रतिवर्ष टीआरएफ में दान करने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए है। इस वर्ष हम टीआरएफ को 131*100 डॉलर, या 13,100 डॉलर दान करेंगे और इस अवसर पर हमने हमारे डीजी अनीश शाह को एक प्रतीकात्मक चैक सौंपा है।

अगले दिन, एक शानदार सार्वजनिक संबंध और सार्वजनिक छवि अभ्यास आयोजित किया गया जिसमें रोटरी लोगो वाली नीली टी-शर्ट और टोपियां पहने 5,000 युवाओं की एक बड़ी संख्या ने साइक्लोथोन में भाग लिया। हम यह सब पिछले 10 सालों से कर रहे हैं और इसके माध्यम से ग्रीन भावनगर को एक मजबूत और प्रतीकात्मक सन्देश भेज रहे हैं, कोठारी ने कहा, आगे कहते हुए कि इस ऐतिहासिक घटना को चिन्हित करने के लिए, क्लब ने जरूरतमंद स्कूली बच्चों को 75 नई साइकिलें प्रदान की है।

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

महान परियोजनाओं के साथ रोटरी क्लब मद्रास साउथ ने अपने 60 वर्षों का जश्न मनाया

किरण ज़ेहरा



बाएं से: PDG रामकृष्ण राजा, TRF ट्रस्टी चैयर इलेक्ट के आर रविन्द्रन, चार्टर सदस्य आर एन वीरप्पन और PRID पी टी प्रभाकर।

जब रोटरी क्लब मद्रास साउथ (ठउचड), रोई मंडल 3232, ने अपनी डायमंड जुबली का उत्सव मनाया, महिला सदस्यों ने पट्टू साड़ियाँ पहनने के साथ बालों में मल्लिपू (चमेली के फूल) लगाकर सबका दिल जीत लिया और कमरों को मंद खुशबू से भर दिया। 60वीं वर्षगांठ का कार्यक्रम रोटेरियनों, इंटरैक्टर्स, एन्स, और एनेट्स द्वारा की गई प्रस्तुतियों के कारण मौज-मस्ती और मनोरंजन से भरा हुआ था। 30 जून, 1960 को अधिकृत, यह चेचई का दूसरा सबसे

पुराना क्लब है और इसने चार रोटरेक्ट और पांच इंटरैक्ट क्लबों को प्रायोजित किया।

आपने अपने सदस्यों की कड़ी मेहनत और समर्पण के माध्यम से यह उपलब्धि हासिल की है। इस क्लब को इतनी पारिवारिक घनिष्ठता के साथ अपनी 60वीं वर्षगांठ मनाते देखना अद्भुत है, टीआरएफ न्यासी निर्वाचित के. आर. रविन्द्रन ने कहा और क्लब को याद दिलाया कि जश्न मनाते समय यह सुनिश्चित करें कि आपका ध्यान अगले 60 वर्षों को और अधिक प्रभावी एवं सफल बनाने के प्रयासों पर केन्द्रित हो।

रविन्द्रन ने क्लब के सदस्य एस. आर. मधु द्वारा संपादित की गई किताब स्पेशल डायमंड जुबली का विमोचन किया। डीजी जी. चन्द्रमोहन ने एक विशेष पुरस्कार ड्रॉइएन ऑफ़ दी डिस्ट्रिक्टफे लिए प्रशंसात्मक उल्लेख पढ़ा, जिसे पीडीजी रामकृष्ण राजा को प्रदान किया गया। डीजी ने क्लब को बधाई दी और कहा, आप एक मजबूत क्लब हैं। जब भी हमने आपके क्लब से किसी रोटरी मुद्दे पर राय मांगी है, कोई विभिन्न राय नहीं दी गई है। आपकी आवाज़ एक है और आजकल ऐसा बहुत कम देखने को मिलता है। अच्छा काम करते रहिए।

ऑस्ट्रिया, नीदरलैंड्स से दस विदेशी प्रतिनिधियों, और रोटरी क्लब पासदेन, यूएस के रोटेरियनों को क्लब के साथ उसकी कैरिंग फॉर लिटिल हार्ट्स परियोजना हेतु भागीदारी करने के लिए सम्मानित किया गया। इस वैश्विक अनुदान परियोजना के अंतर्गत, जन्मजात हृदय की बीमारी से पीड़ित वंचित परिवारों के 225 बच्चों की 2019 तक दो वर्षों तक निःशुल्क हृदय सर्जियाँ की गईं।

परियोजना की प्रशंसा करते हुए, रविन्द्रन ने कहा, जब हम पूरे ध्यान से, अपनी पूरी विशेषज्ञता, और पूरे दिल से व्यावसायिक सेवा पद्धति को अपनाते हैं तो यह दिखाता है कि हम रोटरी में क्या कर सकते हैं और आगे कहा कि साझेदारियों के माध्यम से बहुत कुछ किया जा सकता है।



TRF ट्रस्टी चैयर इलेक्ट के आर रविन्द्रन, DGE एस मुतुपालनियप्पन के साथ।

बाएं से: क्लब के अध्यक्ष
एम सी श्रीकांत, TRF
ट्रस्टी चेयर इलेक्ट के आर
रविंद्रन, डायमंड जुबली
पुस्तक के संपादक रोटेरियन
एस आर मधु और क्लब
सचिव आर राजन बाबू।



क्लब के अध्यक्ष एम. सी. श्रीकांत ने टीआरएफ और साझेदार क्लबों को उनके प्रगतिशील समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। हम आश्चर्य है कि हमारे समर्पित सदस्यों और आपके समर्थन के साथ हम अधिक ज़िंदगियों को छूने के काबिल होंगे।

उनके व्यक्तिगत, पेशेवर और रोटरी कैरियर पर एक दृश्य-श्रव्य के माध्यम से प्रकाश डालने

के बाद क्लब के पूर्व सदस्यों को मंच पर तीन बैचों में आमंत्रित किया गया। निराशा के साथ यह दुखद क्षण था जब गुजर चुके रोटेरियनों की एन्स को सम्मानित किया गया। कुछ महत्वपूर्ण परियोजनाओं - कुमारन स्पेशल स्कूल का विस्तार, कट्टूर में वंचित महिलाओं के लिए सिलाई कक्षाएं, क्लब का गोद लिया गया गाँव, और उसकी वर्षा

जल संरक्षण पहल - पर विशेष अवसर को चिन्हित के लिए प्रकाश डाला गया।

झलखऊ पी. टी. प्रभाकर, पीडीजी कृष्णन वी. चारी, पी. टी. रामकुमार, जी. ओलीवन्म, आई. एस. ए. के. नज़र, नटराजन नागोजी, सी. आर. राजू और डीजीई एस. मुथुपालनीअप्पन ने भाग लिया। ■

Rotary  PEOPLE OF ACTION

जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे बढ़े हाथ

टीम रोस्ट्री न्यूज़



RID भारत पांड्या एलएन 4 शिविर में।

रोस्टरी क्लब मेरठ विराट, रो ई मंडल 3100 द्वारा मेरठ में आयोजित एक मेगा एलएन-4 हैंड फिटमेंट कैंप में दुर्घटना में या जन्म से ही अपना हाथ खो चुके लगभग 250 लोगों को कृत्रिम हाथ

प्रदान किए गए। आरआईडी भारत पांड्या ने कैंप में आए रोटेरियन की सराहना की और उनसे बड़े समुदाय को निरंतर लाभ पहुंचाने वाली बड़ी परियोजनाओं को निष्पादित करने का आग्रह किया।

क्लब के अध्यक्ष समीर अग्रवाल ने कहा कि क्लब के सदस्यों ने पूरे शहर में लाभार्थियों की पहचान करने हेतु 10 महीने तक काम किया और उन्हें अपने नए महाथफ का उचित उपयोग करने हेतु प्रशिक्षित किया। ■



किताबों को लेकर तकरार

संध्या राव

कुछ किताबें इतनी खलबली क्यों मचाती हैं?
हम किस बात से डरते हैं?

दुनियाभर की सरकारें तेज़ी से फैलते कोरोना वायरस को लेकर दहशत भरी प्रतिक्रियाएं दे रही हैं, यात्रा पर प्रतिबन्ध लगा दिए गए हैं; कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में से कुछ ने परीक्षाओं को स्थगित करने के साथ ही लंबी छुट्टी घोषित कर दी है; सम्मेलनों को रद्द कर दिया गया है। हालाँकि एक उम्मीद की किरण है: कि इस वजह से कार्बन फुटप्रिंट में बड़ी मात्रा में कमी आ गई है क्योंकि ऐसा लगता है कि बस बैठे रहने के अलावा कोई और बेहतर विकल्प नहीं है। और बैठे रहना हमेशा मुझे यह उम्मीद देता है कि घर से काम करने और सामाजिक मीडिया का अत्यधिक उपयोग करने के मध्य, हम में से कुछ किताबों की ओर रुख करेंगे: क्या आप कोई एक ऐसी किताब उठाएंगे जिसे आप हमेशा से पढ़ना चाहते थे पर आपको कभी समय नहीं मिला?

पढ़ने के लिए यह बहुत अच्छा अवसर है। विभिन्न विषयों पर बहुत सारी रोचक किताबें प्रकाशित की जा रही हैं और आप अपनी पसंद की किताब ढूँढ़कर पढ़ने हेतु बाध्य है। जब हैरी पॉटर पहली बार प्रकाशित हुई, तो दुनिया भर में कोलाहल मच गया, आंशिक रूप से कुछ शानदार विपणन रणनीतियों के कारण लेकिन साथ ही जे. के. रोलिंग के दमदार लेखन की वजह से भी। जिन लोगों ने पहले कभी कुछ भी नहीं पढ़ा था अब वह सीरीज

की मोटी, अधिक मोटी, बहुत अधिक मोटी प्रतियों को हासिल करने के लिए उन झुनामी-गिरामीपन स्थानों पर देखें जाने लगे। हालाँकि वह पागलपन अब धीरे-धीरे थमने लगा है, लेकिन हैरी पॉटर का बेहतर प्रदर्शन जारी है। अभी तक...

हाँ, अभी तक, हैरी पॉटर की किताबों को अमेरिका के कुछ स्कूलों में प्रतिबंधित कर दिया गया है क्योंकि कथित रूप से यह जादू-टोने का प्रचार करती है। हालाँकि, इसका कारण उचित भी है, क्योंकि यह पूरी तरह एक जादू-टोने के स्कूल

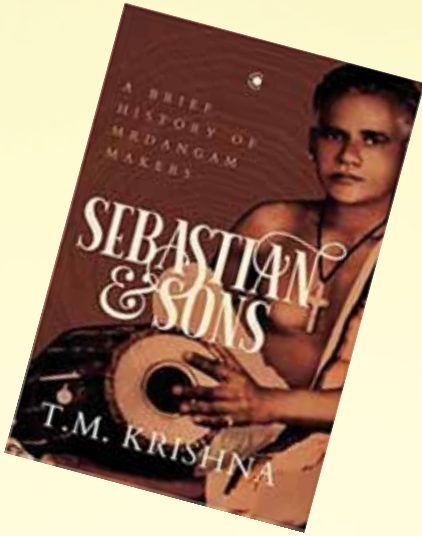


में पढ़ने वाले बच्चों के बारे में है। कुछ स्कूलों और यहाँ तक कि देशों के द्वारा इस किताब को प्रतिबंधित किए जाने का कारण धार्मिक हठधर्मिता है। उन्होंने इस तर्क को अस्वीकार कर दिया कि श्रृंखला जादू टोने या शैतानिक उपासना से अधिक जादू और फंतासी से जुड़ी हुई है। उदाहरण के लिए, इन किताबों पर यूएई के सभी स्कूलों ने प्रतिबंध लगा दिया है, हालाँकि एक रिपोर्ट के अनुसार इन्हें वहाँ की किताबों की दुकानों पर पाया जा सकता है। किताबों की निंदा करने में अमेरिका के कुछ गिरजाघर मुखर हैं, बुल्गारिया और ग्रीस के कुछ गिरजाघरों में भी ऐसा ही होता है।

इस सब हू-हा के बारे में रोलिंग का स्वयं क्या कहना है? 1999 में उच्छ को दिए गए एक साक्षात्कार में उन्होंने घोषणा की, बेशक मैंने किसी भी बच्चे को जादू टोने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु लिखना शुरू नहीं किया था। मुझे थोड़ी हँसी आ रही है क्योंकि मेरे लिए, यह विचार बेहूदा है। मैं हजारों बच्चों से मिली हूँ और एक बार भी मुझसे किसी बच्चे ने यह नहीं कहा, झमिस रोलिंग, मैं यह किताबें पढ़कर बहुत खुश हूँ क्योंकि अब मैं एक जादूगर बनना चाहता हूँ।

प्रत्यक्ष रूप से, इस प्रतिबंध का कारण यह है कि यह जादू टोने के बारे में बात करती है और कुछ समुदायों में इसकी मनाही है। खैर, चूँकि बहुत सी गतिविधि एक जादू-टोने के स्कूल में होती है, जहाँ स्वाभाविक रूप से जादूगरों की भरमार है, यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है। हालाँकि, एक तरह से, यह है, है ना?

यदि हैरी पॉटर फतवे आमंत्रित कर सकता है, तो इस बात में क्या आश्चर्य है कि *द सैटेनिक वर्सेज़* किताब लिखने की वजह से उसके लेखक सलमान रुश्दी को दस साल तक छुपकर रहना पड़ा था क्योंकि ईरान के अयातुल्लाह खुमैनी ने इस आधार पर उनकी हत्या का फतवा जारी कर दिया था कि यह पैगम्बर के लिए अपमानजनक है। जब बाद में राष्ट्रपति खतामी की सरकार ने घोषणा की कि अब वह रुश्दी की हत्या का समर्थन नहीं करते, तब वह एक नयी किताब *जोसफ़ एंटन* की हस्तलिपि के साथ सामने आए, जो “छुपे रहने के दौरान” उनका उपनाम था। हालाँकि, फतवा, शायद आज भी जारी है।



सबसे हालिया किताब-संबंधी विवाद कुछ माह पहले का है जो शास्त्रीय संगीतकार टी एम कृष्णा की मृदंगम निर्माताओं पर लिखी पुस्तक *सेबेस्टियन एंड संस* से जुड़ा है। चेन्नई के प्रतिष्ठित कलाक्षेत्र फाउंडेशन में एक आधिकारिक लोकार्पण के लिए योजनाबद्ध इस किताब के कार्यक्रम को जाति पर उठाए गए सवालों पर मचे बवाल के कारण प्रबंधन द्वारा अनुमति ना दिए जाने के कारण रद्द कर दिया गया। इस तथ्य के प्रकाश में कि जातिगत भेदभाव क्रियाशील है और विशेष रूप से शास्त्रीय कलाओं में, और यह कि हम इस मुद्दे को लगातार नज़रअंदाज करते हैं, तो *सेबेस्टियन एंड संस* तो खलबली मचाएगी ही।

सृजन देशपांडे उनके द्वारा लीश्रृंखला पर लिखी गई समीक्षा पर उठे विवाद के मूल को संक्षेप में समझाते हैं। वह लिखते हैं: *सेबेस्टियन एंड संस* मृदंगम, कार्नाटिक शास्त्रीय संगीत का मूल वाद्ययंत्र, पर एक केस स्टडी के माध्यम से जातिगत भेदभाव पर किए गए कार्य की एक अदम्य खोज है। किताब के बारह अध्याय हमें.. मृदंगम को बनाने में लगने वाले जिल्द कार्य, काष्ठकला और पथरों की नक्काशी के विस्तारपूर्वक, स्पष्ट विवरण से लेकर तान की शुद्धता और सौन्दर्य सिद्धांत की उत्कृष्टता तक; आंध्र प्रदेश और केरल के निर्माताओं की वैकल्पिक कहानियों से लेकर व्यवसाय में कुछ महिला निर्माताओं की परिवर्तनशीलता तक ले

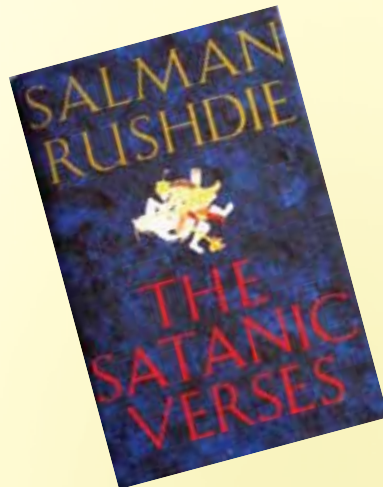
जाते हैं - और जाति की काली छाया हर जगह, हर कदम पर दृढ़तापूर्वक विद्यमान है।

सुनाए गए किस्से-कहानियाँ सामाजिक इतिहास का एक मनोरम और परिज्ञानपूर्ण विवरण प्रस्तुत करते हैं; वे सामाजिक संस्थानों के जटिल जाल की सच्चाई खोल कर रख देते हैं जो मृदंगम के गुरु संगीतकारों (आमतौर पर ब्राह्मण) और मास्टर कारीगरों (अधिकतर दलित इसाई) के बीच के रिश्तों के पीछे छुपी होती है।

जैसा कि देशपांडे बताते हैं, इस तरह का काम हमें हमारे अभ्यास के सौन्दर्यशास्त्र की हमारी समझ का पुनर्मूल्यांकन करने हेतु प्रोत्साहित करता है और हमें याद दिलाता है कि सौन्दर्य के पारंपरिक विचार... मानव प्रयास के उत्पाद है और इसलिए उन्हें जाति, वर्ग और लिंग के विचारों से आकार दिया जाता रहा है।

संगीतकार, उनके परिवार, विशेषज्ञ, संपूर्ण बिरादरी किताब द्वारा "हिल गई है" बाकि समय बताएगा आगे और क्या होगा।

1939 में, जॉन स्टीनबेक की किताब *द ग्रेप्स ऑफ रेश* ने पुलित्जर पुरस्कार जीता, जो उन पट्टेदार कृषकों पर आधारित है जिन्हें कैलिफ़ोर्निया पर आई आर्थिक मंदी के कारण ओक्लाहोमा छोड़ना पड़ा था, लेकिन इस किताब ने कथित तौर पर कई "साम्यवादी" भावनाओं और कार्य की स्थितियों के वर्णन को नाराज़ किया था। जॉर्ज ऑर्वेल की मनहूस *एनिमल फार्म* (1945) को जर्मनी में



मित्र राष्ट्रों की सेनाओं द्वारा जब्त कर लिया गया, 1946 में यूगोस्लाविया में प्रतिबंधित कर दिया गया, 1991 में केन्या में, और हाल ही में 2002 में यूईई में। एलिस वॉकर की *द कलर पर्थल* को यौन रूप से स्पष्ट और इसकी भाषा को अप्रिय समझा गया था। तसलीमा नसरिन को उनके लेखन के लिए निर्वासित कर दिया गया था।

और फिर व्लादिमीर नबोकोव द्वारा लिखित एक उत्कृष्ट साहित्य *लोलिता* (1955) का मामला है जो एक अधेड़ उम्र के आदमी के बारे में है जो एक 12 वर्षीय से आसक्त था। आज इसे साहित्य की एक उत्कृष्ट कृति माना जाता है; तब इसे बहुत से देशों ने इसके "अश्लील" होने की वजह से प्रतिबंधित कर दिया था जिसमें फ्रांस, कनाडा, इंग्लैंड, न्यूज़ीलैण्ड, साउथ अफ्रीका, और अर्जेंटीना शामिल थे। जे. डी. सलिंगर की दी कैचर इन दी राई (1951) में एक 16 वर्षीय लड़के की जिंदगी के तीन दिनों का वर्णन किया गया है, और यह किताब अभी तक सेंसर अवरोध खड़े करती है हालाँकि सर्वश्रेष्ठ लाइब्रेरियन इसमें प्रचुर मात्रा में अपशब्दों के प्रयोग किए जाने के बावजूद भी लगातार इसे युवाओं को अनुशंसित करते हैं।

कुछ किताबें हमेशा विवाद उत्पन्न करेगी, विशेषरूप से तब जब वे संवेदनशील विषयों पर आधारित होंगी। यह स्वाभाविक है, यह मुँह खोलने के परिणाम होते हैं। लेकिन जब हम घोषणा करते हैं कि कुछ पुस्तकों को किसी भी कारण से अस्तित्व में नहीं होना चाहिए, तब हमें बैठकर फिर से सोचने की आवश्यकता होती है। अंत में, किताबों के प्रतिबंधित किए जाने के कारण राजनैतिक, या बल्कि, राजनैतिक एजेंसियों का डर है कि किताबें जो कहती हैं वो लोगों को प्रभावित करेगा इसलिए राजनैतिक एजेंसियाँ इसपर कड़े प्रतिबन्ध लगाना चाहती हैं। यह एक फ़ासीवादी प्रवृत्ति है और यही कारण है कि हमें किताबों के प्रतिबन्ध को अस्वीकार करना चाहिए। यह हमारा मौलिक अधिकार है कि हम चुन सकें कि हमें क्या पढ़ना है और क्या नहीं पढ़ना। लेकिन किसी को भी हमें यह बताने का हक नहीं है कि हम क्या पढ़ सकते हैं और क्या नहीं।

स्तंभकार बच्चों की लेखिका

और वरिष्ठ पत्रकार हैं।

रोटरी क्लबों को बेहतर परियोजनायें करनी होंगी: **RIDN वेंकटेश**

वी मुत्तुकुमारण

RIDN ए एस वेंकटेश ने रोटरी क्लब गिनडी, रो ई मंडल 3232 का उत्सव के 25वें चार्टर नाइट पर बात करते हुए कहा कि, रोटेरियन और रोटरी क्लबों को अपने विज़न, सपनों और प्रोजेक्ट के आकार को स्केल-अप करना चाहिए और खुद को सामुदायिक कार्यक्रमों तक ही सीमित करने के बजाय, उन्हें प्रमुख पार्टनर के रूप में वैश्विक परियोजनाओं की ओर भी देखना होगा। उन्होंने कहा कि, हमें प्रौद्योगिकी तथा जनसांख्यिकी में बड़े स्तर पर

बदलाव के साथ प्रासंगिक होने हेतु अपनी मानसिकता में बदलाव की आउट-ऑफ-द-बॉक्स सोचने की ज़रूरत है। साप्ताहिक क्लब की बैठकें, नेटवर्किंग और छोटे, चेरिटेबल गतिविधियां युवा पेशेवरों को क्लब में शामिल होने हेतु आकर्षित करने के लिए प्रयास नहीं हैं।

यदि क्लब की बैठकें दिलचस्प नहीं बनाई गई हैं, तो उबाऊ हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि, हमें रोटरी में वर्तमान चर्चा पर एक 'रणनीतिक योजना' बनानी



बाएं से: PDG गण कृष्णन वी चारि, ए सुब्रमण्यम, RIDN ए एस वेंकटेश, PDG संपथ अरुमुगम, पूर्व अध्यक्ष सतीश कुमार और रोटरी क्लब गिनडी के अध्यक्ष आर शिवरामन।





रोटरी क्लब गिनडी के चार्टर नाइट
में चार्टर सदस्यों और पूर्व अध्यक्षों,
उनके जीवनसाथी के साथ।

चाहिए, और विदेशी परियोजनाओं की तलाश में हमारे काम को आगे बढ़ाने का तरीका विकसित करना चाहिए।" निश्चित रूप से, रोटरी क्लब गिनडी बांग्लादेश या नेपाल में प्रमुख पार्टनर के रूप में परियोजनाएं शुरू कर सकते हैं और अगले 25 वर्षों में, 2045 तक हम कह सकते हैं कि मअच्छा काम किया गया है। उन्होंने रोटेरियन को सलाह दी कि, कक्षाओं का नवीकरण करने के बजाय, स्कूल के निर्माण की योजना बनाएं, और नियमित चिकित्सा शिविर आयोजित करने के बजाय नए अस्पताल के लिए कार्य करें।

उन्होंने कहा कि 25 वर्ष पूरा होना एक बार फिर से अच्छा रहने वाला है और क्लब ने विशेष रूप से इसके कोटिवाक्कम डेंटल सेंटर और हनोया अनाथालय में इसके जुड़ाव के साथ कई उल्लेखनीय परियोजनाओं को क्रियान्वयन में अच्छे ट्रैक रिकॉर्ड के साथ कार्य किया है।

आरआईडीएन ने बताया कि जब वह 40 साल के हुए, और वो नहीं जानते थे कि क्या किया जाना चाहिए, तो मेरी पत्नी विनीता ने मुझे खुश करने के लिए ब्रिज टेबल के रूप में सुंदर केक के साथ मेरा दिन को अच्छा बनाया। उसने मुझसे कहा: आप बूढ़े नहीं हो रहे हैं, लेकिन आप सही हो रहे हैं।

आपदा राहत पर अपना ध्यान केंद्रित करते हुए, वेंकटेश ने क्लब से आग्रह किया कि वे प्राकृतिक आपदाओं के शिकार लोगों को रोटरी इंडिया द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे शेल्टर किट का वितरण करें। उन्होंने कहा, शायद आप शेल्टर किट्स को स्टोर करने के लिए दक्षिण भारत में 4-5 स्थानों का चयन कर सकते हैं जहां से आपदा के बाद बिना किसी देरी के गंतव्य तक पहुंचाया जा सकता है। वेंकटेश ने समाज के प्रति उनकी सेवा के लिए, स्टालिन गुनसेकरन, अध्यक्ष मक़ल सिनथनाई पेरेवाई, को आरसीजी रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया। पुरस्कार विजेता एक प्रेरक वक्ता, लेखक और सामाजिक कार्यकर्ता हैं और उन्हें समाज में प्रोग्रेसिव चेंट-एजेंट होने की वजह से यह राष्ट्रीय तथा वैश्विक सम्मान मिला है।

चार्टर नाइट में टीआरएफ के लिए क्लब ने 12,000 अमेरिकी डॉलर का योगदान दिया, जिससे कुल योगदान 20,000 अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया, जबकि वर्ष का लक्ष्य 50,000 अमेरिकी डॉलर था। इस अवसर पर चार्टर सदस्यों को एक विशेष कॉलर और चित्र स्केच के साथ सम्मानित किया गया।

10 जनवरी, 1995 को गठित, रोटरी क्लब गिनडीमें 40 चार्टर सदस्य थे और ए रामानुजम

चार्टर के अध्यक्ष थे। उनमें से अधिकांश इंजीनियरिंग कॉलेज ऑफ गिनडीके पूर्व छात्र थे और उन्होंने गिनडीइंडस्ट्रियल एस्टेट में कार्यालय या कारखाने स्थापित किए थे। क्लब के अध्यक्ष आर शिवरामन ने अपनी कुछ प्रमुख परियोजनाओं - माथुर गवर्नमेंट हाई स्कूल, अलाथुर गांव में एक सामुदायिक अस्पताल और शंकर नेत्रालय नेत्र अस्पताल में चिकित्सा सुविधाओं के लिए वैश्विक अनुदान परियोजना की जानकारी दी।

औसतन क्लब लगभग 100 की सदस्यता के साथ एक वर्ष में लगभग 14 परियोजनाएं कर रहा है। इसने चार रोटरेक्टरों और चार इंटरैक्ट क्लबों को प्रायोजित किया है। रोटरी क्लब अलोर स्टार से विदेशी प्रतिनिधि, आर. जनार्दन नायडू और उनके पत्नी एम. मगेश्वरी मुथैया, और रोटरी क्लब बांदर सुंगई पेटानी के डॉ एस राजेश, मलेशिया के दोनों क्लब, रो ई मंडल 3300, इस कार्यक्रम में विशेष आमंत्रित सदस्य थे। रजत जयंती को चिह्नित करने हेतु एक स्मारक डाक टिकट जारी किया गया। डीजी जी चंद्रमोहन, डीजीई एस मुथुपालान्यप्पन, पीडीजी नज़ार और नटराजन नागोजी को क्लब अध्यक्ष शिवरामन द्वारा सम्मानित किया गया।

चित्र: वी मुत्तुकुमारण

अपने सच को जिएं और तनाव मुक्त रहें

भरत और शालन सवुर

एक ऋषि से पूछा गया, मुझे कैसे पता चलेगा कि मैं अपना सच जी रहा हूँ? ऋषि ने सरलता से उत्तर दिया, जब तुम उसके बारे में निश्चित रहोगे तब। यदि तुम अपना सच जानना चाहते हो, तो पूछो, किस बात का मुझे तनाव नहीं है? क्या मुझे सुकून देता है? जब आपकी कोई ऐसी गतिविधि या रूचि होती है जो आपको सुकून देती है, तो फिर उन चीजों को करना आसान होता है जो आपको करना पड़ता है और जब संकट उत्पन्न होते हैं, तो आप बेहतर ढंग से उनका सामना कर सकते हैं।

आपकी रूचि आपकी प्रार्थना और ध्यान है। यह दूसरे तरीके से भी हो सकता है। आपकी प्रार्थना आपकी रूचि हो सकती है। एक रूचि आपकी ऊर्जा को स्पष्टता के साथ मिलाती है, फलदायी अभिव्यक्ति को ढूँढ़ने में यह आपके प्राकृतिक उल्लास की मदद भी करती है। जब आप किसी शौक को पूरा करने में व्यस्त होते हैं, तो आपके अंदर और आपके आसपास बहुत शांति होती है। यह एक

विशेष शांति होती है, मृत्यु की शांति नहीं, बल्कि जीवन की शांति। आप वास्तव में इस शांति को अपने दिमाग में एक सुखद सनसनी की तरह महसूस करते हैं, यह एक भौतिक उपस्थिति होती है और यह तसल्ली देती है।

यह निस्यन्दन की तरह है। सारी ऊर्जा फ़िल्टर होकर स्पष्ट और पारदर्शी हो जाती है। आप एक नवजात की तरह पवित्र हो जाते हैं। बच्चे की आँखों में देखें - स्वीकृति के दो स्पष्ट कुंड, कोनों में छिपी एक मुस्कराहट, और जब निगाहें आपसे दूर हो जाती हैं और छत की तरफ निर्देशित हो जाती हैं, तो आपको खोने का एहसास होता है। एक नवजात पवित्र इसलिए होता है क्योंकि उसका कोई मकसद नहीं होता। उसी तरह, जब आपकी रूचि से कोई मकसद जुड़ा नहीं होता, कोई व्यावसायिक विचार नहीं होता, बदले में ऐश्वर्य और शोहरत की कोई चाहत नहीं होती, तो आप दुर्भाग्य की तुलना में सौभाग्य के प्रति अधिक प्रवृत्त होते हैं।

जब कोई चीज़ आपकी इच्छा के विरुद्ध होती है तो रूचि आपके दिमाग को इसकी रोजमर्रा की प्रतिक्रियाओं - क्रोध, अधीरता और चिंता - से मुक्त करती है। अपने शौक में लीन होने से आपके दिमाग को नए आयाम में रहने का अवसर मिलता है जहाँ पर दुर्वचन सुनाई देना बंद हो जाते हैं क्योंकि दुर्वचन बोलने वाला दूर हो जाता है। यह मन को एक दिलचस्प वर्तमान में रखता है जहाँ आप किसी चीज़ का इंतजार नहीं करते क्योंकि इंतजार का अर्थ है आप भविष्य में होने के लिए तनाव में हैं।

कभी भी अपने जीवन की गुणवत्ता को कम मत करो। इसे पलक झपकते ही कम करना बहुत आसान है। एक द्वेषपूर्ण शब्द, एक तीखी नज़र, एक बेहूदी आलोचना और बस! यह कम हो जाती है। सतर्कतापूर्वक अपने जीवन की गुणवत्ता बढ़ाएं और सतर्कतापूर्वक ही इसे ऊँचा बनाए रखें। आपको पहले से ही यह पता होगा कि आपका दिमाग आपके शरीर की सभी कोशिकाओं के व्यवहार को



नियंत्रित करता है। यह एक शानदार समन्वयक है। यहाँ पर एक महत्वपूर्ण बात पर भी ध्यान देना चाहिए: हमारे शरीर की लगभग सभी कोशिकाओं में मस्तिष्क की तरह ही तंत्रिकीय रिसेप्टर होते हैं। इसका मतलब है हमारा पूरा शरीर वास्तव में एक मस्तिष्क है। अनुसंधान से यह भी पता चला है कि जागृत होकर हम अपने मस्तिष्क का उपयोग करके शरीर में बीमारी को ठीक करने के लिए विचारों, विश्वासों और रसायनों के सकारात्मक प्रवाह को उत्पन्न कर सकते हैं।

विनाशकारी और रचनात्मक हस्तक्षेप। ऐसी गतिविधियों को बंद कर दें जो आपकी ऊर्जा को बढ़ाने के बजाए घटाती हैं। क्या आपने कभी ऐसे व्यक्ति के साथ समय बिताया है जो लगातार शिकायत करती हो और उसके जाने के बाद, आपको ऐसा लगा हो कि आपकी ऊर्जा कम हो गई है? ऐसा इसलिए होता है क्योंकि आपके पूरे शरीर ने ही नहीं बल्कि आपके पूरे मन-मस्तिष्क के कोशिका तंत्र ने “विनाशकारी हस्तक्षेप” का अनुभव किया है, एक शांत झील में फेंके गए अनेक पत्थर की तरह ही। इसलिए, समझदारी इसी में है कि ऐसे लोगों से दूर रहें जो खराब गुणवत्ता वाले स्पंदन उत्पन्न करते हैं जो आपके प्राकृतिक तालमेल को क्षति पहुँचाते हैं।

यह महत्वपूर्ण है क्योंकि, अन्यथा, आप भी ऊर्जा को खत्म करने वाली पराजयवादी, दोषपूर्ण विचार-प्रक्रिया से प्रभावित हो सकते हैं। यदि आपके पास रोज़ ऐसे लोगों से मिलने के अलावा कोई विकल्प नहीं है तो कृपया उनसे कोई भी सवाल पूछने से बचें। उन्हें ऐसी कोई शानदार चीज़ दोहराने के लिए प्रोत्साहित करें जो उनके साथ कल या वर्षों पहले या पांच मिनट पहले हुई हो। परिणाम सुन्दर है - दो मन, दो शरीर, दो तंत्रिकीय कोशिका प्रणाली बुरे के बजाए अद्भुत चीज़ पर ध्यान केन्द्रित कर रहे हैं। इस दृष्टिकोण को मनोवैज्ञानिकों द्वारा इरचनात्मक हस्तक्षेप कहा जाता है।

सकारात्मक सामाजिक मीडिया। एक माध्यम जिसमें विनाशकारी और रचनात्मक हस्तक्षेप के गुण हैं वह है सामाजिक मीडिया। यहाँ, पर आप फॉरवर्ड किया हुआ कुछ नकारात्मक पढ़ने या उसे किसी और को भेजने हेतु फॉरवर्ड सिंबल पर टैप करने से पहले, स्वयं से पूछें: क्या यह सुकून देने वाला है? यदि नहीं, तो उसे मिटा दें। हानिकारक संदेशों को पढ़ने के पहले ही मिटा दें। उन्हें आपका दिमाग खराब क्यों करने दें? जैसा कि एक फॉरवर्ड सन्देश कहता है, कमज़ोर लोग बदला लेते हैं। मजबूत लोग माफ़ करते हैं। समझदार लोग नज़रअंदाज़ करते हैं। नज़रअंदाज़ करें! इस संदर्भ में एक अन्य सन्देश उचित रूप से कहता है, कोई भी चीज़ जो आपको शांति देती है वह बहुत बहुमूल्य है। सच है।

लोगों से जुड़कर एक विशेष जादू उत्पन्न करने के लिए सामाजिक मीडिया का प्रयोग करें। एक अनोखे आधुनिक तकनीकी मोड़ पर, इसने निजी इंप्रिय डायरीफ़ के चलन की जगह ले ली है और यह मज़ेदार, उन्मादी, शेखीबाज़, असहनीय, व्यावहारिक है। इसमें हँसी और आंसू, चोट और वीभत्सता, दार्शनिक और स्वार्थी उपादान शामिल हैं। बेशक, इसका दुरुपयोग किया जा सकता है और किया भी गया है, लेकिन इन सबके बावजूद, यह सभी प्रकार के लोगों के लिए एक आभासी संयुक्त राष्ट्र है। आप स्वयं में मस्त होकर, और इसके द्वारा नियमित रूप से दिखाए जाने वाले इन्द्रधनुषों और अक्लमंदी पर ध्यान केन्द्रित करके इससे सुकून प्राप्त कर सकते हैं। सावधानी रखने की एक बात: इसे अपने व्यक्तिगत संबंधों पर हावी ना होने दें। अपने

मोबाइल की आवाज़ को बंद करके उसे दूर किसी कोने में रखकर उन लोगों के साथ सुकून महसूस करें जिनसे आप प्यार करते हैं, जिनके साथ आपका बढ़िया तालमेल है। स्वयं पर और जो आपके साथ है उनपर मेहरबान होने से अधिक कोई अन्य चीज़ सुकून देने एवं ठीक करने वाली नहीं है। जैसा कि बुद्ध ने कहा है, किसी ऐसे व्यक्ति के साथ रहो जो तुम्हें तब से प्यार करता हो जब तुम खुद से प्यार नहीं करते थे। किसी ऐसे व्यक्ति के साथ रहें जिससे आप प्यार करते हैं और जिनसे आप गहराई, प्यार, गैर-आलोचनात्मक तरीके से जुड़े हो।

अंत में, सुकून महसूस करने के सबसे सुन्दर तरीकों में से एक है बेधड़क भागती जा रही ज़िंदगी की रफ़्तार को धीमा करना। जो लोग अतिसक्रिय होते हैं, बहुत सारी गतिविधियाँ करते हैं वो कभी अपने लक्ष्य तक पहुँच नहीं पाते क्योंकि वो पहले से ही अगली गतिविधि को करने में लगे हुए होते हैं। नौकरियों की बढ़ती मांग, जल्दबाज़ी में लिए गए फैसले, निरस्त किए गए कार्यक्रम - कुछ भी परिपक्व, पक्का और जैविक रूप से बढ़ नहीं पाता, मस्तिष्क भी नहीं। अनेक गतिविधियाँ अनावश्यक, तुच्छ, निरर्थक होती हैं। ये हमारी पक्षपात की भावना, हमारी सवाल पूछने की क्षमता को कमज़ोर करते हैं कि क्या इससे मुझे सुकून मिलता है? क्या यह मेरी मदद कर रहा है? सलाह देने के लिए एकहार्ट टोले जैसे मास्टर की आवश्यकता होती है, कुछ चीज़ें करो पर उन्हें पूरी तरह से करो। आपके माध्यम से इस दुनिया में थोड़ी समझदारी आने दो।

यह सच है कि ज़िंदगी गतिविधि के बारे में है। लेकिन यह उस गतिविधि में सुकून पाने के बारे में भी है। कृपया इस उपचार अभ्यास को शुरू करें: शांत बैठें और संतुष्टि को आपको परिपूर्ण करने दें। प्यार की मीठी, ठंडी हवा में शांत खड़े रहें। भावनाओं की आज़ादी में लंबे डग भरें। दयालुता की कोमल लहरों पर लेट जाएँ। आश्वासन की गर्म बाँहों में सो जाएँ। अपने अंदर सुकून की भावना को ऐसे बहने दें जैसे ज़िंदगी की नदी बहती है।

लेखक फिटनेस फॉर लाइफ़, और सिम्पली स्पिरिचुअल-यू आर नैचुरली डिवाइन के लेखक हैं और फिटनेस फॉर लाइफ़ कार्यक्रम के शिक्षक हैं।

रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय से संदेश

हम आपको सूचित करना चाहते हैं कि रोटरी संस्थान (भारत) समेत रोटरी अंतर्राष्ट्रीय, 2020 में नयी वित्तीय प्रबंधन प्रणाली को लागू कर रहा है। इस कार्यान्वयन का एक महत्वपूर्ण घटक, RF(I) के लिए हिसाब-किताब करने में नकद से प्रोद् भवन आधार पर परिवर्तन है जिसके परिणामस्वरूप अनुदानों, उनके उपयोग और आय के तरीकों में परिवर्तन होगा।

नई प्रणाली के तहत, हमें सभी क्लबों द्वारा अनुदानों को लागू कराने की आवश्यकता है जो वर्तमान में निम्न दस्तावेजों को नियत तारीख तक जमा करने के लिए खुले हैं:

1. 20 अप्रैल 2020 तक अनुदान के प्रारंभ से 31 मार्च 2020 तक अनुदान बैंक खाते के बैंक स्टेटमेंट का बैंक प्रमाणित/ मुद्रित संस्करण।
2. यदि अनुदान बैंक खाते का उपयोग कई अनुदानों द्वारा किया जाता है, तो 20 अप्रैल 2020 तक उपरोक्त बैंक स्टेटमेंट के साथ अनुदान वार संधि।
3. ऑनलाइन रिपोर्ट को www.rotary.org के माध्यम से 31 मार्च 2020 तक जमा करें।
4. 31 मई 2020 तक एक प्रमाणित उपयोग प्रमाण पत्र, अनुदान वार रसीदें और भुगतान विवरण और एक अंतरिम विवरण।

यह जानकारी रॉय जॉन को roy.john@rotary.org पर भेजी जा सकती है या 011-42250146 पर संपर्क किया जा सकता है।

संस्थान दिशा-निर्देश

RF(I) को योगदान कैसे दें

टीआरएफ की तरफ से RF(I) द्वारा भारत में दानकर्ताओं से योगदान प्राप्त किया जाता है। योगदान चेक/बैंक ड्राफ्ट/NEFT/RTGS/ नेट बैंकिंग या सीधे रोटरी वेबसाइट के माध्यम से जमा

किए जा सकते हैं। RF(I) के सभी योगदान आयकर अधिनियम, 1961 के सेक्शन 80जी के तहत 50 प्रतिशत कटौती के पात्र हैं।

योगदानों के पुनर्वर्गीकरण के लिए टीआरएफ दिशा-निर्देश

किसी भी रोटरी संस्थान कोष, परियोजना या कार्यक्रम से किसी भी अन्य कोष, परियोजना या कार्यक्रम के लिए पूर्व वर्ष के अनुदान को पुनर्वर्गीकृत करने के अनुरोध को उस वित्तीय वर्ष के समापन के बाद स्वीकार या संसाधित नहीं किया जा सकता, महत्वपूर्ण प्रकृति के सचिवालय प्रशासनिक पुनर्वर्गीकरण को छोड़कर।

वर्तमान वर्ष के अनुरोध यदि उपहार प्राप्ति की तारीख से 90 दिनों के भीतर प्राप्त होते हैं तो पुनर्वर्गीकरण के लिए उनको स्वीकार और संसाधित किया जाएगा।

प्रमुख दानकर्ता मान्यताएं

एक मंडल, अन्य संस्था या कॉर्पोरेट द्वारा अन्य दानकर्ता या दानकर्ताओं या एक मिलान अनुदान, आंशिक या पूर्ण रूप में, से प्राप्त समर्थन के आधार

पर एक व्यक्ति को प्रमुख दानकर्ता का दर्जा प्रदान नहीं किया जा सकता। परिवार-नियंत्रित कंपनी या एक परिवार-न्यास द्वारा दिए गए योगदान के मामले में, यह आधिकारिक रूप से लिखित में दिया जा सकता है कि मालिक या न्यास के न्यासी को वास्तविक श्रेय दिया जाए। केवल जीवनसाथी के योगदान को एक व्यक्तिगत प्रमुख दानकर्ता पहचान से जोड़ा जा सकता है। वंशजों या आरोहों (दादा-दादी/माता-पिता/भाई-बहन/बच्चों) से मिले योगदान के विलय को प्रमुख दानकर्ता मान्यता के लिए ना गिने।

यह अच्छा होगा कि बैंक/डिमांड ड्राफ्ट में भेजने वाले का नाम या साथ में दानकर्ता के नाम की पुष्टि करने वाला एक कवर नोट हो।

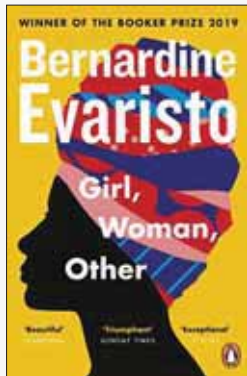
मार्क ऑफ़ एक्सीलेंस

जब तक पेज पर क्लब का नाम दिखाई ना दें तब तक रोटरी क्लबों को अब अपने सामाजिक मीडिया चैनलों पर मार्क ऑफ़ एक्सीलेंस के लोगो का उपयोग करने की अनुमति है। यह फेसबुक, ट्विटर, इन्स्टाग्राम जैसे सामाजिक मीडिया चैनलों पर क्लबों को अधिक एकरूपता देने के साथ ही उपयोग करने में आसान होगा।

फरवरी 2020 RY 2019-20 तक दक्षिण एशिया के AKS सदस्य

ज़ोन	मंडल	दाता	मान्यता स्तर
4	3141	बलदेव अरोड़ा	ट्रस्टीस सर्कल
7	3131	अनिल जानकीदास गोयल और निरुपमा	ट्रस्टीस सर्कल
5	2982	ए के नटेसन और पार्वती	ट्रस्टीस सर्कल
4	3141	दिलीप गोपीकिसन पीरामल	ट्रस्टीस सर्कल
4	3141	स्वाति और अजय जी पीरामल	ट्रस्टीस सर्कल
4	3141	नीरव निरंजन शाह और देविना नीरव	ट्रस्टीस सर्कल
4	3141	टी एन सुब्रमण्यन और विद्या	ट्रस्टीस सर्कल
4	3011	सुरेश जैन और उषा	चेयरस सर्कल

On the racks



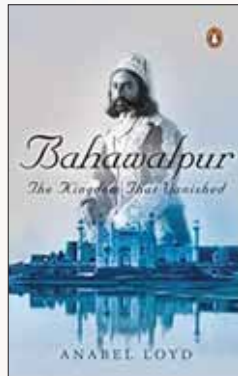
Girl, Woman, Other

Author : **Bernardine Evaristo**

Publisher : **Penguin**

Pages : **457; ₹550**

This winner of the *Man Booker Prize 2019*, follows the lives and struggles of 12 characters mostly women, who are black and British. They share their personal journeys through the last hundred years of the country. They're each looking for something — a shared past, an unexpected future, a place to call home, somewhere to fit in, a lover, a missed mother, a lost father, even just a touch of hope — so that they can tell the stories of their families, friends and lovers, across the country and through the years. Bernardine Evaristo brings to life generations of women and the people they have loved and unloved — the complexities of race, sex, gender, politics, friendship, love, fear and regret.



Bahawalpur The Kingdom that Vanished

Author : **Anabel Loyd**

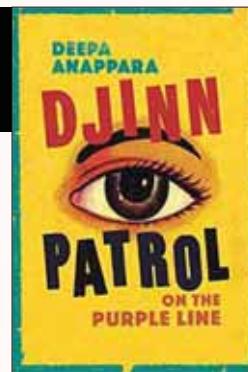
Publisher : **Penguin**

Pages : **280; ₹401**

In the seventy or so years since Independence, not much is written about the princely states which acceded to Pakistan. The name of the once great State of Bahawalpur is not well-remembered, unlike its peers over the border in Rajasthan.

This book is based on conversations with Salahuddin Abbasi, grandson of the last ruler of Bahawalpur who was born a year before Partition. Starting with the history of his state and his family, his memories throw light on the Bahawalpur princes from old records, letters, and the accounts of British travellers and civil servants. They also encompass a first-hand experience of the political life of Pakistan and Abbasi's relationships with its leaders.

The nation has had a troubled history and from the microcosm of Bahawalpur, this account helps to join the dots of a more coherent view of Pakistan and its future.



Djinn Patrol on the Purple Line

Author : **Deepa Anappara**

Publisher : **Penguin**

Pages : **368; ₹384**

Nine-year-old Jai lives in a slum on the outskirts of an unnamed Indian city with his parents and older sister. In many ways he is an unremarkable boy: he watches reality cop shows on TV, attends the overcrowded government school, and tries to stay out of trouble. But when one of his classmates goes missing, Jai — taking inspiration from the TV programmes — turns amateur detective and vows to uncover the mystery of the disappearance. With the help of his two best friends — sensible Pari and diligent Faiz — they form a comical trio and set off on the city metro's purple line to investigate.

Journalist and author Deepa Anappara draws our attention to the horrors and tragedy of the terrifyingly enormous numbers of children who go missing in India. Through Jai's voice, she creates an endearing narrative that takes us through the dark underbelly of modern India.

Compiled by Kiran Zehra
Designed by Krishnapratheesh S



रोटरी क्लब पापनासम - रो ई मंडल 2981

गाँधी जयंती का उत्सव मनाने के लिए कस्बे में एक आनेस्टी शॉप स्थापित की गई। यह एक मानव रहित दुकान है और इस दिन के लिए कार्य करेगी। लोग सामान ले सकते हैं और पैसे कैश बॉक्स में डाल सकते हैं और यदि कोई शेष राशि हो तो उसे खुद से ले सकते हैं। डीजी एन मनिमरण ने वह दुकान खोली जिसे क्लब पिछले 20 वर्षों से संभाल रहा है।

रोटरी क्लब तिरुचिरापल्ली फोर्ट - रो ई मंडल 3000

डीजी ज़मीर पाशा ने क्लब के द्वारा एक डीडीएफ अनुदान के अंतर्गत आयोजित किए गए एक सिलाई कोर्स को पूर्ण करने के लिए 20 महिलाओं के तीसरे बैच को प्रमाण पत्र प्रदान किए।



रोटरी क्लब गोदावरी पालाकोल - रो ई मंडल 3020

पलाकल मंडल के कोंतेरू गाँव के ज़िला परिषद हाई स्कूल में एक डिजिटल कक्षा बढ़ाने के लिए ₹1 लाख की सहायक सामग्री के साथ एक कंप्यूटर सिस्टम दान किया गया।

रोटरी क्लब सोनीपत मिडटाउन - रो ई मंडल 3012

बाटला हार्ट एंड जनरल हॉस्पिटल में फ्यूचर प्राइड अकैडमी के बच्चों के लिए एक स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन किया गया। सामान्य बीमारियों के लिए उनकी जाँच की गई और परामर्श दिए गए।



विधियाँ

रोटरी क्लब जलगाँव वेस्ट - रो ई मंडल 3030

चालीसगाँव के ब्लाइंड स्कूल को कैमरा और वर्चुअल आइ सॉफ्टवेयर वाले तीन कंप्यूटर दान किए गए। यह सॉफ्टवेयर दृष्टिबाधित बच्चों को किताबें पढ़ने के लिए एक ऑडियो प्रदान करेगा और इसमें वॉइस रिकॉर्डिंग सुविधा भी है।



रोटरी क्लब अलवर - रो ई मंडल 3053

गंगा मंदिर के पास आंगनवाड़ी में बुजुर्ग महिलाओं को गर्म कपड़े वितरित किए गए। क्लब के *द्व्यमंतर* कार्यक्रम के अंतर्गत, गर्म कपड़े और कम्बल देने के लिए बूढ़े, जरूरतमंद लोगों की पहचान की गई ताकि उन्हें सर्दी के मौसम से बचाया जा सके।



रोटरी क्लब रूरकी मिडटाउन - रो ई मंडल 3080

यातायात जागरूकता पैदा करने के अपने निरंतर प्रयास में, क्लब ई-रिक्षा पर रिफ्लेक्टर चिपका रहा है। पहले दो चरणों में, ऐसे वाहनों पर 100 रिफ्लेक्टर चिपकाए गए थे।



रोटरी क्लब सिरहिंद - रो ई मंडल 3090

डीजी राजीव गर्ग से प्रेरणा लेकर बंधौची खुर्द के एक सरकारी स्कूल को एक डएऊ स्मार्ट टीवी पेश किया गया। क्लब अध्यक्ष अश्वनी सिंह, सचिव राजेश चोपड़ा और रोटेरियन गोपाल बिम्राह ने टीवी सेट प्रायोजित किए जिन्हें रोटेरियनों और स्कूल स्टाफ की उपस्थिति में सौंपा गया।

रोटरी क्लब दादरा नागर हवेली - रो ई मंडल 3060

एक बड़े पैमाने के हरियाली मिशन के अंतर्गत, क्लब ने 17 स्थानों पर 33 एकड़ ज़मीन को कवर करने के लिए 10,000 से अधिक पौधे लगाए। क्लब के अध्यक्ष आर. के. नायर ने इस परियोजना की शुरुआत उनकी नियुक्ति के दौरान की थी।

रोटरी क्लब जालना सेंट्रल, रो ई मंडल 3132

क्लब के सदस्यों ने आंशिक दृष्टि से पीड़ित महिलाओं को पेपर बैग बनाने के लिए प्रशिक्षित किया और उनके द्वारा बनाए गए 2,500 बैग बेचने में मदद की। डीजी सुहास वैद्य ने परियोजना का शुभारंभ किया। बैग पर क्लब का नाम और रोटरी व्हील मुद्रित किया गया है।



रोटरी क्लब मंगलोर - रो ई मंडल 3181

अपनी महिला सशक्तिकरण परियोजना के तहत क्लब ने पोलाली के रामकृष्ण तपोवन के परिसर में स्थित शारदा प्रशिक्षण केंद्र को एक सिलाई मशीन दान की है। केंद्र जरूरतमंद महिलाओं की एक सम्माननीय आय अर्जित करने में मदद करने के लिए उन्हें सिलाई कौशल प्रदान कर रहा है।

रोटरी क्लब मुंबई एलिगेंट - रो ई मंडल 3141

कूपर अस्पताल, जुहू में नीओनेटल इंटेंसिव केयर यूनिट को दो सौ कंगारू बैग दान किए गए ताकि अपने कम वजनीय, असामयिक पैदा हुए बच्चों के स्वस्थ शरीर तापमान को बनाए रखने के लिए माताओं की उन नवजातों को अपने सीने से बांधने में मदद की जा सके। इन थैलों का उपयोग 1,000 से अधिक महिलाओं द्वारा किया जा सकता है।



रोटरी क्लब कोवईपुदुर - रो ई मंडल 3201

डीजी माधव चंद्रन ने पिचनूर गाँव के सरकारी हायर सेकेंडरी स्कूल में तीन पुनर्निर्मित कक्षाओं का उद्घाटन किया। कुलाथुपलायम के सरकारी हायर सेकेंडरी स्कूल में एक स्वच्छ पेयजल इकाई स्थापित की गई।



रोटरी क्लब बिचोलिम - रो ई मंडल 3170

क्लब ने बिचोलिम प्राइमरी रोटरी स्कूल में चार शौचालय खण्डों और हाथों की धुलाई के स्टेशनों का निर्माण करके स्वच्छता सुविधाओं को अपग्रेड किया है। इस परियोजना से 340 से अधिक बच्चे लाभान्वित हुए हैं।

विधियाँ

रोटरी क्लब नगरकॉइल - रो ई मंडल 3212

सुगंधी, एक पोलियो पीड़ित महिला, को ₹94,000 की लागत वाला एक तिपहिया वाहन दिया गया, ताकि काम पर जाने और वापस घर लौटने में उसकी मदद की जा सके।



रोटरी क्लब वेल्थोर कॉसमॉस - रो ई मंडल 3231

कस्बे के सरकारी पेंटलैंड अस्पताल के ओपीडी को कूड़ेदान और ट्रे फिल्टर दिए गए। शेनबक्कम में अन्नाई टेरेसा कान्वेंट कॉम्प्लेक्स में स्थित एक वृद्धाश्रम में वरिष्ठ नागरिकों और विकलांग महिलाओं को चादरें प्रदान की गईं।



रोटरी क्लब चेन्नई नोलांम्बुर - रो ई मंडल 3232

चेन्नई कॉर्पोरेशन के साथ एक डेंगू जागरूकता अभियान चलाया गया। निवासियों ने अपने परिसर को स्वच्छ रखने की शपथ ली और अधिकारियों ने डेंगू मच्छरों के जीवनचक्र और उसी से बचाव को प्रदर्शित किया।



रोटरी क्लब जमशेदपुर ईस्ट - रो ई मंडल 3250

टीबी रोगियों से निपटने के तरीके जानने हेतु रोटेरियनों ने स्थानीय डॉक्टरों और स्वास्थ्य स्वयंसेवकों से बात करने के लिए नारायणपुर गाँव का दौरा किया। उन्होंने रोगियों को पंजीकृत करने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया ताकि उद्घृत करने के लिए उचित डेटा उपलब्ध हो। क्लब पिछले पांच वर्षों से टीबी जागरूकता सत्रों का आयोजन कर रहा है।



रोटरी क्लब भुवनेश्वर तोशाली - रो ई मंडल 3262

क्लब सदस्यों ने गणेश पूजा की पूर्व संध्या पर झारापदा क्षेत्र में 200 पेड़ लगाए। रोटेरियनों ने विधायक अनंत नारायण जेना की उपस्थिति में पूजा मंडप में मौजूद भक्तगणों को 4,000 फल और फूल देने वाले पौधे भी वितरित किये।

वी मुत्तुकुमारण द्वारा संकलित
एल गुणाशेकरण द्वारा रूपांकन

भारत के वीर के लिए ठाणे के रोटेरियनों ने की सवारी

किरण ज़ेहरा

अंतिम सवारी से सिर्फ कुछ मिनट पहले तक, अपनी बाइक पर बैठी रोटरी क्लब ठाणे एसेस, रोई मंडल 3142, की सदस्य शोमा चक्रवर्ती ने अपने आंसुओं को नियंत्रित करने का प्रयास किया, क्योंकि वह उनके क्लब की पहल राइड फॉर भारत के वीर का हिस्सा बनने की उपलब्धि को लेकर अवाक थी। उन्होंने ना केवल, 19 बाइक सवारों में एकमात्र महिला सवार, देश में 6,120 किमी की रैली पूरी की, बल्कि उन्होंने विविध संस्कृतियों, परम्पराओं और देश के 100 रोटरी क्लबों के रोटेरियनों के प्यार का भी अनुभव किया। रोटरी बाइक सवारी शहीद सैनिकों के परिवारों के लिए धन एकत्रित करने, समस्त भारत में तंदुरुस्ती को बढ़ावा देने और भारत में रोटरी के शताब्दी वर्ष का उत्सव मनाने के लिए निकाली गई थी।

रोटरी क्लब ठाणे एसेस, 2 महीने से भी कम पुराना क्लब, कुछ अर्थपूर्ण और बड़ा करना चाहता था, क्लब के अध्यक्ष मिहिर पटेल ने कहा। जून 2019 में अधिकृत इस क्लब में 23 सदस्य हैं और हमने इस बाइक सवारी को सफल बनाने के लिए कड़ी मेहनत की। लेकिन हमें ज़रा भी अंदाजा नहीं

था कि हम इस नेक काम के लिए लगभग ₹33 लाख इकट्ठा कर पाएंगे, वह आगे कहते हैं। इस पहल के लिए क्लब विभिन्न बाइकिंग समुदायों, फिटनेस उत्साहियों, भारतीय सेना और सामान्य जनता के साथ सम्मिलित हुए। परियोजना के प्रथम प्रदर्शन पर, 50 CRPF सैनिकों का क्लब द्वारा सम्मान किया गया जिसके बाद बाइक सवारों एवं उनकी यात्रा योजनाओं का परिचय भी कराया गया।

PRID अशोक महाजन ने इस चुनौतीपूर्ण परियोजना को अपने हाथों में लेने के लिए क्लब को बधाई दी। गैलन्ट्री पुरस्कार से सम्मानित कप्तान

बिनेश नायर ने कहा, रोटरी के ऐसे कार्यक्रम ही हैं जो हमें यकीन दिलाते हैं कि जब हम सरहद पर लड़ने जाएंगे तो हमारे परिवारों का ख्याल रखा जाएगा। यात्रा के पहले दिन, बाइक सवारों ने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की जिन्होंने क्लब के प्रयासों की सराहना की। उनके द्वारा लिखा गया प्रशंसा-पत्र सोने पर सुहागे की तरह था, पटेल ने कहा।

डीजी मोहन चंदावरकर ने क्लब की बाइक रूट पर पड़ने वाले डीजीयों से संपर्क करने में मदद की और बाइक सवारों के लिए भोजन एवं रहने का

लेकिन हमें ज़रा भी अंदाजा नहीं था कि हम इस नेक काम के लिए लगभग ₹33 लाख इकट्ठा कर पाएंगे।





रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह (बीच में खड़े), भारत के वीर के लिए सवारी के प्रतिभागीयों और क्लब सदस्यों के के साथ।



प्रबंध किया। यात्रा को किफ़ायती बनाने के लिए हमने अनेक क्लबों से बाइक सवारों को प्रायोजित करने का प्रयास किया, परियोजना अध्यक्ष संजीव जैन ने कहा। जहाँ ठाणे और उल्हासनगर में सुविधाजनक स्थलों में होर्डिंग और पोस्टर लगाए गए हैं, वहीं हमारे रोटरकर्टरों ने कार्यक्रम के बारे में स्कूलों एवं कॉलेजों से बात करने के लिए सामाजिक मीडिया का इस्तेमाल किया है, जैन ने आगे कहा।

शोमा ने ध्यान दिलाया की यात्रा में लंबे समय तक बाइक पर बिताना, कभी-कभी असुविधाजनक स्थानों पर सोना और घटिया भोजन खाना शामिल था। हालांकि कागज की प्लेटों पर परोसा जाने वाला स्थानीय, स्ट्रीट फूड लजीज था, फिर भी यात्रा के दौरान होने वाले मानसिक एवं भावात्मक तनाव से लड़ना बहुत मुश्किल था। यात्रा के दौरान, सवारों को उनके बढ़िया काम के लिए PRIP कल्याण बेनर्जी द्वारा सराहना मिली। उनके मंडल, रो ई मंडल 3060, ने सुनिश्चित किया कि वलसाड से वडोदरा तक उनका गर्मजोशी से स्वागत हो। एक रोटरी काफिले, एनसीसी जुलूस और पीछे देशभक्ति गीतों को बजाते हुए शहर के बीच से निकलना,

कुछ ऐसी यादें हैं जिन्हें शोमा संजोए रखेंगी। रोटरी क्लबों एवं स्थानीय दानकर्ताओं से यात्रा के दौरान ₹ 500,000 की राशि एकत्रित की गई थी, जिसमें रोटरी क्लब बेंगलोर इन्दिरा नगर, रोई मंडल 3190, ने ₹ 150,000 दिये थे।

इसके अलावा, बाइक सवारों ने 80 अन्य क्लबों के साथ उनके क्लब के झंडों की अदला-बदला की। आदित्य बिड़ला सेंटर फॉर कम्यूनिटी इनिशिएटिव्स एंड रूरल डेवलपमेंट की अध्यक्ष राजश्री बिड़ला और ब्लू क्रॉस लैबॉरेटरीज़ के अध्यक्ष निहचल इसरानी, दानकर्ताओं में शामिल थे।

बिल्लाबोंग हाई इंटरनेशनल स्कूल के रोटरकर्टर क्लब ने एक शहीद सैनिक के परिवार के मुश्किल जीवन पर एक नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया, जिसके बाद समापन कार्यक्रम में बाइक सवारों का अभिनंदन किया गया। हम जून तक भारत के वीर के लिए दान एकत्रित करते रहेंगे, हमने जून में एकत्रित किए गए धन को शहीदों के परिवारों को सौंपने की योजना बनाई है। मैं सभी रोटरी क्लबों से इस कोष में दिल खोलकर दान करने की अपील करता हूँ, पटेल कहते हैं। ■

मुन्नार की मनमोहक शांति



टीसीए श्रीनिवासा राघवन

कुछ माह पहले, हम में से कुछ जो अक्सर एकसाथ यात्रा करते हैं, ने केरल के मन्नार जाने का निश्चय किया जहाँ कानन देवन चाय के बागान हज़ारों एकड़ में फैले हुये हैं। पहाड़ की ढलान पर दूर दराज तक बंगले स्थित हैं जिनमें बागान मलिक रहते हैं और साफ हवा में साँस लेते हैं और एक स्वस्थ जीवन का आनंद लेते हैं।

हमने उस एस्टेट के प्रसिद्ध हाई रेंज क्लब में रुकने का फैसला किया। यह उतना ही औपनिवेशिक है जितना यह हो सकता है और यह बागान मालिकों का बैठक स्थान हुआ करता था जो यहाँ मोटरसाइकिलों से अपने व्यक्तिगत जोखिम पर उन खतरनाक पर्वतों की सड़कों से बिना रोशनी में आते थे। इससे मनोरंजन होना बहुत कठिन था क्योंकि आधी रात को पहाड़ की ढलान पर गाड़ी चलाना जोखिम लेना ही था।

क्लब एक पहाड़ की ढलान पर ही स्थित था। इसमें 18-गड्डों वाला गोल्फ कोर्स भी है। और इस कोर्स के बीच में एक पूर्ण आकार का क्रिकेट मैदान है जिसमें एक पवेलियन भी है। यह चीज़ उसे नीलगिरी के वेलिंगटन जिमखाना से अधिक बेहतर बनाती है क्योंकि उसमें गोल्फ कोर्स तो है पर बीच में कोई क्रिकेट मैदान नहीं है। यहाँ तक कि इम्पीरियल आर्मी भी बागान मालिकों से आगे नहीं निकल सकी। महिलाओं को इससे दूर ही रखा गया था। यह एक छोटा सा भयानक औपनिवेशिक अभ्यास था जो ब्रिटिशों से बचा हुआ था। यह आकर्षक टोपियों से भरा हुआ था, हालाँकि, सब दीवार पर लटकी हुई थी। ये टोपियाँ जाने वाले मेनेजरों की हैं। जो वाकई में देखने लायक हैं।

आज यह क्लब थोड़ा निराश दिखाई देता है क्योंकि बार, एक समय का केंद्र बिंदु, राज्य सरकार

के साथ कुछ तकरार के वजह से अब बंद हो गया है। बारमैन के पास करने के लिए कुछ नहीं है और वह झसामान्य कार्यों में मदद करता है। इसमें लगातार मुस्कराते रहना भी शामिल है।

और फिर वहाँ एक रसोइया है। वह एक चकित कर देने वाली आधुनिक रसोई में काम करता है और जैसा कि वहाँ कहा जाता है, भोजन बहुत शानदार है, विशेषकर गरमागरम चिकन के साथ उनके द्वारा परोसी जाने वाली साँस। यह एक बहुत ही विशेष रेसिपी है और हमने शेफ को फुसलाकर उससे वह रेसिपी ले ली। मुझे शक हुआ, हालाँकि, हम में से कोई भी उसे उस तरह से बना सकता है जैसे क्लब में बनाई जाती है।

लेकिन क्लब के बारे में बहुत बातें हो गईं। मन्नार, हाँ, बिल्किल न्यू ज़ीलैण्ड की तरह ही खूबसूरत है जहाँ हम कुछ ही हफ्तों पहले गए थे। दृश्य बहुत ही अद्भुत है, आसमान एकदम नीला है, जंगल हरे-भरे हैं और सब कुछ शानदार है, चाय एस्टेट के अनुशासन के कारण आदमी भी निकम्मे नहीं है। वास्तव में, मुख्य शहर के बाहर आप मुश्किल से ही किसी को देख पाएँगे।

हमने पाँच दिनों तक सुबह 10.30 बजे से शाम 6 बजे तक यात्रा की। इस सब दृष्टिकोण

यह असाधारण रूप से खूबसूरत है। इसे कुंडाले क्लब कहा जाता है और यह सार्वजनिक नहीं है,

शुक्र है भगवान का।

भरे सफर में - सड़कें भयानक थी - में सबसे सुनहरा क्षण यह था एक अन्य अद्भुत गोल्फ कोर्स, जिसके जैसा शायद ही कोई और मौजूद हो। यह असाधारण रूप से खूबसूरत है। एकांत, हरा-भरा, पास में मौजूद झील यह सारे दृश्य भुला पाना मुश्किल है। इसे कुंडाले क्लब कहा जाता है और यह सार्वजनिक नहीं है, शुक्र है भगवान का।

एक दिन हम देवीकुलम झील गए। इसके बारे में किंवदंती यह है कि इसका निर्माण तब हुआ जब हनुमान सीता को ले जा रहे थे और उनके गिरे आंसुओं से इस झील रूपी रत्न का निर्माण हुआ। पन्ना जैसा हरा पानी, ठहरा हुआ एकदम शांत, केवल तब तक जब तक हलकी हवाएं इस कांच जैसे पानी में लहरें उत्पन्न नहीं कर देती। इतना स्वच्छ कि आसपास के नज़ारे इसमें प्रतिबिम्बित होते हैं। 1944 में मछली पकड़ने वालों के लिए एक लकड़ी की झोपड़ी बनाई गई थी। यहाँ पर आने वाले लोगों की निरंतरता को बनाए रखने के लिए एक दिनांकित लॉग बुक भी है।

अद्वितीयता लम्बे समय तक बनी रहें। जैसे मसूरी और शिमला दिखाते हैं कि ऐसी जगहों को बचाने के लिए कोई अन्य तरीका नहीं है। अन्यथा आप पूरी पहाड़ी के ढह जाने का खतरा मोल लेते हैं, जैसा कि कुछ वर्ष पहले मन्नार में हुआ था। पहाड़ी रास्तों पर सामान्य रूप से देखी जाने वाली बात है दो लेन वाली सड़कों का निर्माण जिसकी प्रत्येक लेन 20 फीट चौड़ी है। लेकिन किसी ने चार लेन सड़कों को बनाने का निश्चय किया जिसमें प्रत्येक की चौड़ाई 25 फीट थी। और इस वजह से वह हादसा हुआ था।

और इस तरह पहाड़ ढह गया। ■

स्नपशॉट



PRID और रोटरी फाउंडेशन (भारत) के प्रमुख पी टी प्रभाकर ने ट्रस्टी गुलाम वाहनवती की उपस्थिति में हाल ही में दिल्ली में आयोजित हुई RFI बैठक के लिए कोरिया के टीआरएफ़ न्यासी सांगकू युन का स्वागत किया।

रो ई मंडल 3040 के डी जी धीरन दत्ता ने उनकी कार के बाहरी भाग को रोटरी के छह ध्यानाकर्षण क्षेत्रों एवं अन्य प्रमुख कार्यक्रमों से सजाया है। RIPN शेखर मेहता जिन्होंने उनसे रतलाम में मुलाकात की इस सार्वजनिक छवि के प्रोत्साहन से प्रभावित हुये और उन्होंने गाड़ी को 'रोटरी बिलबोर्ड' कहा। यहाँ तक कि उन्होंने दत्ता के ब्लेज़र में लगी 380 पिन्स का विशेष जिक्र किया जो उनके बहुत से रोटरी सम्मेलनों एवं कार्यक्रमों में भाग लेने का सबूत है।

दत्ता कहते हैं : जब कभी भी मैं ट्रैफिक जंक्शन पर रुकता हूँ तो लोग मुझसे TEACH, LN-4 एवं उन सभी पहलुओं के बारे में पूछते हैं जो मैंने अपनी गाड़ी पर पेंट करा रखे हैं। मैंने उनसे एक तरफ आने के लिए कहता हूँ और उन्हें रोटरी और इसके कार्यों के बारे में समझाता हूँ।



केरल में 2018 की बाढ़ में अपना घर खो चुके लोगों के लिए घरों के निर्माण में रोटरी के योगदान के लिए केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने पीडीजी ए वी पति को सम्मानित किया।

इस तबाही के तुरंत बाद PRID सी भास्कर ने एक स्वास्थ्य देखभाल समूह, एस्टर ग्रुप के साथ मिलकर बाढ़ पीड़ितों के लिए घरों का निर्माण करने के लिए Project Hope की शुरुआत की। रो ई मंडल 3201 ने तत्कालीन डीजी पति के नेतृत्व में क्षेत्र में 305 घरों का निर्माण किया था। रोटेरियन एडमिरल मुल्लीधरन द्वारा समन्वित इस परियोजना ने रोटरी की सार्वजनिक छवि में वृद्धि की है।



An appeal to Indian Rotarians

Please send your contribution to PM Cares Fund

Make your online contribution at
<https://bit.ly/2UDBFDy> or
 visit www.rotaryindia.org

Cheques can be made favouring Rotary India
 Humanity Foundation and sent to:
 Skyline House, 2nd Floor, 145, Sarat Bose Road,
 Kolkata 700 026, West Bengal.

Bank details

A/C Name : Rotary India Humanity Foundation
 Bank : State Bank of India
 Branch : Hazra Road, Kolkata.
 A/C No. : 31317807754
 IFS Code : SBIN0001649

The money sent by you will be forwarded to the
PM Cares Fund in its entirety.

After making bank transfer, provide your details
 at www.rotaryindia.org under Fight against
 COVID-19 section or mail the following details
 to resource.mobilization@rihf.org:

- Transaction details: Amount, Date, NEFT, IMPS, RTGS number.
- Donor details: Name, address, contact number and email id. PAN number, if amount donated is ₹20,000 or more.
- District number and Club name.
- If you have contributed/or wish to contribute directly to the **PM Cares Fund**, in your payer details, apart from your company's name, do mention your Rotary club and district. Then visit the www.rotaryindia.org website and upload details of your contribution — a picture of the cheque given or online transfer details.

Dear Fellow Rotarians,

The COVID-19 pandemic has devastated India. The lockdown was necessary but has caused immense hardship to the poor and marginalised sections of our society, particularly the daily wage earner. The government is doing all it can but its coffers are stretched.

The senior leadership of India has discussed this pandemic and suggests that we Rotarians make a contribution of up to ₹25 crore to the **PM Cares Fund**. We urge each and every Rotarian to make a handsome contribution to help the government provide relief to the poor, create new healthcare facilities to deal with the infected, and above all, safeguard our healthcare workers, municipality/corporation and personnel with adequate protective gear. Together we can fight coronavirus. And together we will.

We definitely can do this if we stay, act and work together as a nation during this trying time.

Apart from this, at our club levels, we urge Rotarians to provide whatever help and relief we can to those in need — by providing them groceries, cooked food, and other required supplies. Many of you are already doing great work; I appeal to you to do even more.

Our country needs us at these trying times.

Shekhar Mehta	Kamal Sanghvi	Bharat Pandya
Rajendra Saboo	Kalyan Banerjee	Gulam Vahanvaty
Panduranga Setty	Sushil Gupta	Ashok Mahajan
Yash Pal Das	P T Prabhakar	Manoj Desai
C Basker	Ravi Vadlamani	AS Venkatesh